खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस पार्टी दलित और आरक्षण विरोधी : चलवाडी नारायणस्वामी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 15 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-257

विदेशों में भारत के खिलाफ बोलने वाले को जयशंकर ने दी सीख

बड़ा व्यक्तित्व 'खटाखट' नहीं बनता, बड़ी मेहनत करनी पड़ती है

जेनेवा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ अनाप शनाप बोलने वाले राहुल गांधी के बारे में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, बड़ा बनने के लिए बड़ा व्यक्तित्व होना जरूरी होता है। उसके लिए बहुत कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। वह खटाखट नहीं होता। जिंदगी की कसौटी खटाखट वाली नहीं होती।

चीन से वस्तुओं के ट्रेड पर अमेरिका में उठाए गए राहुल गांधी के सवालों पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने चुटकी लेते हुए कहा, कुछ लोग हमारे चीन से आयात करने पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं कि हम चीन से इतना आयात क्यों कर रहे हैं।

जीवन में कई चीजें आवश्यक होती हैं और तनाव से अलग होती हैं। इसके निर्णय खटाखट नहीं लिए जाते। बहुत धैर्य, मेहनत और कर्मठता से जीवन के निर्णय लिए जाते हैं।

विदेश मंत्री जिनेवा में भारतीय समुदाय के लोगों को

संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने बदलते भारत और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बताया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी का संदर्भ लिया। विदेश मंत्री ने राहुल गांधी की टिप्पणियों पर कहा कि 1960, 70, 80 और 90 के दशक के दौरान सरकारों ने विनिर्माण और मैन्युफैक्चरिंग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया था। जब हमने इसका हल खोजने की कोशिश की तो लोगों ने कहा कि हमारे पास किसी तरह का कोई संसाधन नहीं है। इसलिए हम लोगों को कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया गया तो हम लोग वर्ल्ड पावर कैसे बनेंगे।

वर्ल्ड पावर बनने के लिए हम सभी को कड़ी मेहनत और अच्छी नीतियों की जरूरत होती है। जीवन कड़ी मेहनत है, यह खटाखट नहीं है। देश को कड़ी मेहनत करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों को लुभाने के लिए राहुल गांधी ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी जीतती है तो देश के प्रत्येक गरीब परिवार की महिलाओं के खाते में खटाखट एक लाख रुपए ट्रांसफर करेगी। इस खटाखट पर विदेश मंत्री ने राहुल गांधी को जिंदगी की सीख दे डाली, अगर वे इसका पालन करें तो उनमें सुधार आ सकता है।

1984 हाइजैक में विमान में सवार थे जयशंकर के पिता

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि 1984 में 7 आतंकियों द्वारा हाईजैक किए गए इंडियन एयरलाइंस के आईसी-421 विमान में उनके पिता के. सुब्रमण्यम भी सवार थे। जयशंकर ने कहा कि उस समय वे एक युवा अधिकारी के रूप में इस घटना से निपटने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन इस स्थिति की जटिलता यह थी कि उनके पिता भी उस विमान में थे। अगर उस समय खटाखट वाला निर्णय लिया गया होता तो वह घटना वीभत्स रूप ले सकती थी। जयशंकर ने कहा, उस वक्त मैं न सिर्फ इससे निपटने वाली टीम का हिस्सा था, बल्कि उन परिवार के सदस्यों में से भी था, जो सरकार पर दबाव बना रहे थे। यह मेरे जीवन का एक कठिन दौर था, जहां एक तरफ मुझे अपने पिता की चिंता थी और दूसरी तरफ अपने कर्तव्यों का पालन करना था। आईसी 421 विमान को हाईजैक कर लिया गया था और यात्रियों की सुरक्षा के लिए तत्कालीन भारत सरकार को त्वरित कदम उठाने पड़े थे। जयशंकर का इस स्थिति में दोहरी भूमिका निभाना एक भावनात्मक और पेशेवर चुनौती थी।इस घटना के 40 साल बाद जयशंकर ने यह व्यक्तिगत अनुभव साझा किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनके जीवन और करियर में इस घटना का क्या महत्व था।

जम्मू कश्मीर के डोडा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एक तरफ सत्तालोभी तीन खानदान, दूसरी ओर युवा

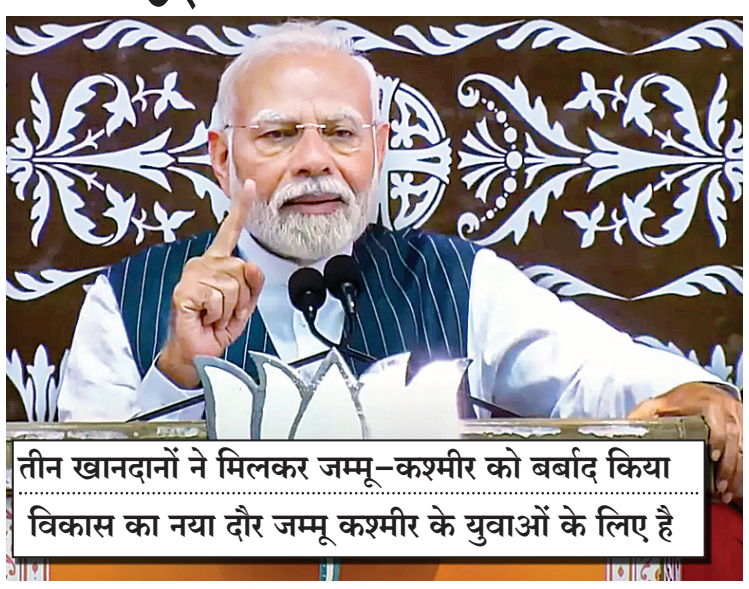

जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा यह चुनाव

डोडा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर के डोडा में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी। लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है, जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। इन तीन खानदानों में से एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया है, वह किसी पाप से कम नहीं है। ये तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को वर्षों तक बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार हैं। बीते वर्षों में जम्मू कश्मीर में विकास का नया दौर आया है। इसका श्रेय यहां के नौजवानों को ही जाता है। मैं आज जम्मू कश्मीर के युवा को चाहे वह बेटी हो या बेटा हो, उनके जोश और जज्बे को सैल्यूट करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां पंचायत के चुनाव 2000 के बाद नहीं हुए थे, यहां बीडीसी के चुनाव कभी भी नहीं हुए थे। दशकों तक परिवारवाद ने यहां के बच्चों और होनहार नौजवानों को आगे नहीं आने दिया। ▶10पर

बारामूला में तीन आतंकी ढेर, किश्तवाड़ में दो जवान शहीद

जम्मू, 14 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया। इलाके को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। सघन तलाशी अभियान चल रहा है। उधर, किश्तवाड़ से 45 किलोमीटर दूर छात्रू इलाके में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए। दो अन्य गंभीर रूप से घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के कमान अस्पताल पहुंचाया गया।

छात्रू इलाके के नायद गांव के ऊपरी इलाके के पिंगनाल दुग्गदा जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शाहपुरशाल चलाया था। ▶10पर

कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट ऐलान

जब तक मोदी है आरक्षण अक्षुण्ण रहेगा

कुरुक्षेत्र, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। पीएम मोदी ने जय श्री कृष्ण और राम राम के संबोधन के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने हरियाणवी अंदाज में कहा, मन्नै इस पवित्र धरती पै आणकै घणा आच्छा लाग रया सै। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसे भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को अब झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती है। कांग्रेस

कांग्रेस के पास खटाखट झूठ और लूट के अलावा कुछ भी नहीं

हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। आज तो हालत ये हो गई है कि कांग्रेस के राज में कर्नाटक में गणपति जी को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। पूरा देश आज गणेश उत्सव मना रहा है और कांग्रेस विघ्नहर्ता की पूजा में भी विघ्न डाल रही है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के पास खटाखट झूठ और लूट के अलावा कुछ भी नहीं है।

पीएम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है। ▶10पर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए

अमेरिका ने किया भारत का समर्थन

न्यूयॉर्क, 14 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने के अपने लंबे वक्त से चले आ रहे समर्थन की फिर से पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने विदेश संबंध परिषद में भविष्य के बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र सुधार का भविष्य पर हुई बातचीत में यह एलान किया। कुछ दिनों बाद दुनिया भर के नेता न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च-स्तरीय बैठक के लिए इकट्ठा होंगे। ऐसे में यह ऐलान काफी अहम माना जा रहा है। अमेरिका ने इस शक्तिशाली संस्था में सुधार के नए प्रस्ताव पेश किए हैं।

लिंडा ने कहा कि जी-4 देशों में शामिल जापान, जर्मनी और भारत हमारे लिए लिए अहम हैं। हमने ब्राजील को साफ तौर पर अपना समर्थन नहीं दिया है। दरअसल, यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिये एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए जापान, जर्मनी, ब्राजील और भारत ने जी-4 समूह बनाया है। ▶10पर

दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में बोले सीएम योगी

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप हैं : योगी

गोरखपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के चारों कोनों में आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले आदि शंकर की काशी में की गई साधना के समय भगवान विश्वनाथ द्वारा ली गई परीक्षा के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं।

सीएम योगी शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह दो दिवसीय संगोष्ठी गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। दीक्षा भवन में

दुर्भाग्य से ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं

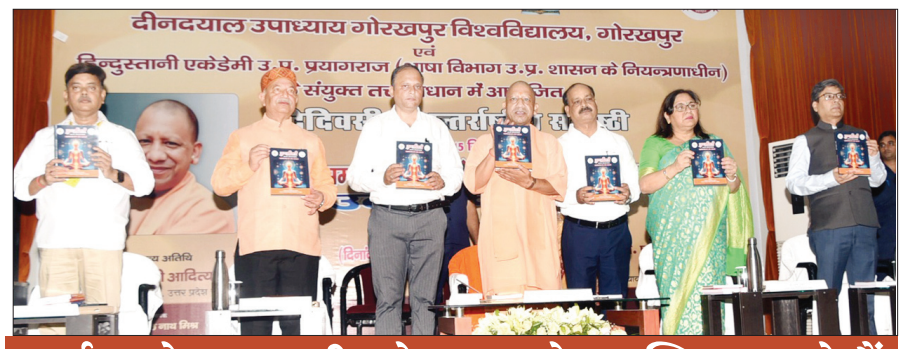

आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं नाथपंथ की अध्यक्षीय पीठ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। कहा कि केरल में जन्मे आदि शंकर ने देश के चारों कोनों में धर्म-अध्यात्म के लिए महत्वपूर्ण पीठों की स्थापना की। आदि शंकर जब अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर काशी आए तो भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। ब्रह्म मुहूर्त में जब आदि शंकर गंगा स्नान के लिए निकले तब भगवान विश्वनाथ एक अछूत के वेश में उनके सामने खड़े हो गए। आदि शंकर ने जब उनसे मार्ग से हटने को कहा तब उसी रूप में भगवान विश्वनाथ ने उनसे पूछा कि आप यदि अद्वैत ज्ञान से पूर्ण हैं तो आपको सिर्फ भौतिक काया नहीं देखनी चाहिए। यदि ब्रह्म सत्य है तो मुझमें भी वही ब्रह्म है जो आपमे है। हतप्रभ आदि शंकर ने जब अछूत बने भगवान का परिचय पूछा तो उन्होंने बताया कि मैं वही हूं, जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए वह (आदि शंकर) काशी आए हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,670/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,020/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 22^0

भारत-चीन संबंधों पर विदेश मंत्री के बयान के गहरे निहितार्थ

जयशंकर ने चला कूटनीति का दांव या दिया बड़ा संकेत!

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जेनेवा के सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ गतिरोध पर कूटनीति का बड़ा दांव चला या कोई बड़ा संकेत दिया। इसे लेकर कूटनीतिक समीक्षाएं चल रही हैं। यह तो स्पष्ट है कि डॉ. एस जयशंकर के बयान के गहरे निहितार्थ हैं।

जून 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच में हुई झड़प के बाद से कूटनीति के मास्टर एस जयशंकर अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंच से चीन को कोसने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे थे। यह पहली बार है, जब जयशंकर ने कहा है कि लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों को पीछे ले जाने (डिसइंगेजमेंट) को लेकर 75 प्रतिशत तक की गलतफहमी को दूर कर लिया गया है।

हालांकि, चार साल के प्रयास के बाद अभी भी चीन डेपसांग और डेमचोक से सैनिकों को पीछे ले जाने पर कोई बातचीत नहीं हुई है। दोनों देशों के सीमा के इस पार और उस पार करीब 50-60 हजार सैनिक तैनात हैं। भारत ने टैंक, तोप, यूएवी, हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट समेत फ्रंट लाइन के बेड़े को तैनात कर रखा है। इसके बारे में भारतीय विदेश और रक्षा मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक चीन के सैनिक पीछे (अप्रैल 2020 की स्थिति) नहीं जाते,

भारत सैनिकों को पीछे ले जाने का जोखिम नहीं उठा सकता। साफ है कि अविश्वास में कुछ तो कमी आई है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी पिछले दिनों तक अंतरराष्ट्रीय मंच से भारत और चीन के रिश्ते को असमान्य बताया। चीन पर द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय समझौते, सहमति को तोड़ने का आरोप तक लगाया। उन्होंने लगातार कहा है कि जब तक चीन के सैनिक पुराने तैनाती वाले स्थान पर नहीं चले जाते, तब तक हालात में सुधार की गुंजाइश कम है। विदेश मंत्री एस जयशंकर को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच में अनौपचारिक बैठक कराने में मुख्य किरदार निभाने वाला माना जाता है। जयशंकर चीन में भारत के राजनयिक रह चुके हैं। इधर रूस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मुलाकात अपने चीनी समकक्ष और विदेश मंत्री वांग यी से भी हुई है। एनएसए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिले हैं। पुतिन इस समय क्षेत्रीय गठजोड़ पर काफी अधिक ध्यान दे रहे हैं। पुतिन चाहते हैं कि भारत-चीन और रूस के बीच में बना त्रिपक्षीय फोरम आरआईसी फिर से अपने मजबूत आधार को पाए। द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और त्रिपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दे इसमें चर्चा में आएं और समाधान का रास्ता निकाला जाए।

इसी आरआईसी फोरम में 2006 में ब्राजील और फिर 2010 में साउथ अफ्रीका के शामिल होने के बाद यह ब्रिक्स के स्वरूप तक विस्तारित हुआ है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

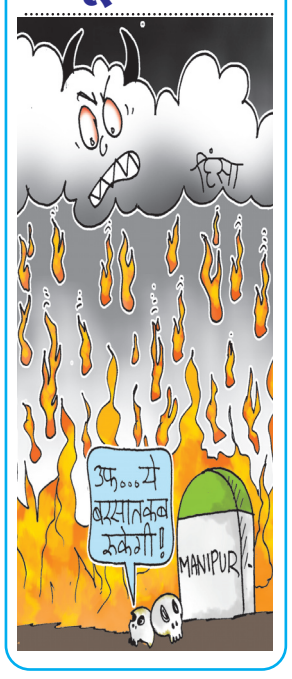

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्षमा का रास्ता–प्रेम और मिलन की दास्तां विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अन्तर्गत जीतो महिला विंग द्वारा क्षमा का रास्ता–प्रेम और मिलन की दास्तां विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में किया गया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

जिसमें सदस्यों ने अपनी–अपनी भावनाएँ जीतो के प्रति रखी। तनुजा मेहता ने कहा कि कभी भी पद के लिए नहीं स्वयं के आनंद हेतु कार्य करने की क्षमता रखें तो विकास बहुत होगा। संतोष सोलंकी ने कहा कि यह एक सशक्त मंच है जहां अपनी प्रतिभा उभरकर आती है। अल्का लोढ़ा ने कहा कि समय जब भी कोई अवसर दे सीखने कि लगन के साथ जुड़ाव होना चाहिए। निपा ने कहा अति अल्प समय में लेडिस विंग ने एक पहचान बनायी और हर सदस्य को मौका दिया। सारिका जैन ने कहा कि समाज में छुपी हुई प्रतिभा को आगे लाने में पदाधिकारियों का पुरुषार्थ बहुत रहा। सरोज गिरिया, सिंपल हिंगड, विनोद खटेड़, संतोष गिरिया भी ने अपने–अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम संचालक बिन्दु नाहर ने कहा क्षमा और एकता के एक विशेष दिन के लिए आज हम एकत्रित हुए है, जहां हम अतीत को भूल और प्रेम और सद्भाव के साथ एक दूसरे के सहायक बने। क्षमा देना और लेना बहुत बड़ा कार्य है, किंतु दिल से करे तो यह प्रेम, मिलन और एकता का सेतु है। जीतो महिला विंग की सशक्त टीम बनकर हम कार्य कर सुंदर भविष्य का निर्माण करें। मेंटर निशा सामर, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, रेश्मा पूनमिया, कार्यसमिति सदस्य तनुजा मेहता, नीता गादिया, मनीषा डोसी, सुमन रांका, सुमन सिंघवी, साधना धोका, संगीता बेताला, मीना बड़ेरा, रक्षा छाजेड, संगीता नागोरी आदि ने विचार रखे। गायिका स्तुति ने सुमधुर स्वर लहरियों से कार्यक्रम में समाँ बांधा। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। सभी का स्वागत कार्यक्रम संयोजिका सूर्यकला सियाल ने किया। धन्यवाद अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी एवं महामंत्री सुमन वेदमुथा ने व्यक्त किया।

ईमानदारी के रास्ते पर चलना कठिन, पर जो चला उसका लक्ष्य तक पहुंचना तय : नम्रता पितलिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत चतुर्थ चरण संस्कारशाला खुशी का रास्ता पर आधारित कार्यशाला कालम्मा सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका विषय सत्य एवं ईमानदारी था। मंडल की बहनों ने जय जिनेंद्र से सभी छात्रों व शिक्षकों का अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं विषय पर समझाया कि जहां सत्य है वहां ईमानदारी है। इस विषय पर अध्यक्ष ने लघु क्रीड़ा भी करवाया।

कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात् सामूहिक महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया गया। मंत्री नम्रता पितलिया ने लकड़हारा की कहानी द्वारा समझाया कि ईमानदारी सर्वश्रेष्ठ नीति के रूप में दर्शाती है। ये आपको मजबूत, जिम्मेदारी, साहसी और दयालु बनाती है। सत्य से सजा का डर नहीं रहता, ईमानदारी हमेशा जीतती है, इसलिए हमेशा अपना सिर उठाकर अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इस पर चलना कठिन है पर जो चला उसका लक्ष्य तक पहुंचना तय है। संयोजिका किरण मारू ने बच्चो में ज्ञान, गर्दन के दर्द, कमर दर्द, आँखों की रोशनी विनम्रता का विकास एवं एकाग्रता बढ़ाने हेतु उपाध्याय मुद्रा का प्रयोग करवाया। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने कुशल संचालन किया एवं सकारात्मकता के साथ आभार ज्ञापित कर कार्यशाला संपन्न करवाई।

कर्म का सिद्धांत अत्यंत कठोर : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जो आत्मा को मानता है वह कर्म को मानता है। जो कर्म को मानता है वह क्रिया मानता है और जो क्रिया को मानता है वह लोक को भी मानता है। हमारे जन्म और मृत्यु के बीच जो जीवन का खेल है वह कर्म के ही कारण है। जैसा कर्म हम करेंगे वैसा ही फल हमे मिलेगा। कर्म का सिद्धांत अत्यंत कठोर है। जहां अच्छे कर्म व्यक्ति के जीवन को प्रगति की दिशा में ले जाते हैं, वहीं बुरे कर्म उसे पतन की ओर ले जाते हैं। इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि हम अपने कर्मों का लेखा–जोखा करें। हमारा अगला जन्म किस प्राणी के रूप में होगा, यह सब कुछ हमारे कर्मों पर ही निर्भर करता है। अनेक जन्मों में किए हुए कर्म हमारे अंत:करण में संग्रहीत रहते हैं। कर्मों से ही सब उपधान पैदा होते है। किए हुए कर्मों का भुगतान किए बिना छुटकारा मिलने वाला नहीं है। इसलिए कर्म करते समय विवेकपूर्वक एवं ध्यानपूर्वक करे। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। चेन्नई से हुकमीचन्द मेहता उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

क्रिकेट लीग प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की नीलामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांठाप्रांत विजयनगर मंडल द्वारा आगामी 28 एवं 29 सितंबर को आयोजित होने वाले बॉक्स क्रिकेट लीग, मोहनलाल खिवेसरा कप के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हाल ही में गांधीनगर के एक होटल में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में बेंगलूरु से 10 पुरुषों और 8 महिलाओं की टीमें भाग लेंगी।

इसी के साथ कांठाप्रांत बेंगलूरु के इतिहास में पहली बार अंतर्राज्यीय मुकाबला होगा, जिसमें बेंगलूरु के श्रेष्ठ खिलाड़ियों की 4 टीमों का चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद एवं हुब्बल्ली से आने वाली 4 टीमों के साथ मुकाबला होगा। इस मौके पर अमरचंद गुंदेचा एवं अरविन्द तपरावत ने कांठाप्रांत विजयनगर मंडल की भरपूर प्रशंसा करते हुए मंडल का हौसला बढ़ाया। उत्तम कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस प्रतियोगिता के टाइटल प्रायोजक श्रीपाल खिवेसरा, भोजन प्रायोजक राजेन्द्र कोटरिया, जर्सी रमेश कुमार पितलिया, ट्रॉफी रमेश कुमार गुंदेचा, ग्राउंड महेंद्र कटारिया, हॉस्पिटैलिटी उत्तम चंद कोठारी, टॉस का बॉस सी. महावीर चंद गुगलिया, हिट ए सिक्स सुरेंद्र गुंदेचा, ऑडियो ओकचन्द खिवेंसरा, मीडिया अमरचंद गुंदेचा, बॉल्स एवं विकेट मेगराज डूंगरवाल, रिफ्रेशमेंट मदनलाल पिरोदिया, पवेलियन जुगराज कटारिया है। प्रतियोगिता के लिए 140 खिलाड़ियों को नीलामी द्वारा मारवाड़ मार्वेल्स, गांधी टस्कर्स, कटारिया 11, गुगलिया जिएंट, सीजे नाइट राइडर्स, एल.डी. लीजेंड्स, एच.एम.पी. सिंघवी किंग्स, हाई फ्लायर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, कृष्ण स्ट्राइकर्स में बांटा गया। महिला खिलाडियों को माही स्टनर्स, पावर पफ एंजेल्स, यू.के. सुपर क्वीन्स, रूबी स्टारलेट्स, सुपर क्वीन्स, अधिराज ब्लास्टर्स, चंपा वॉरियर्स, लांबिया क्वीन्स में बांटा गया। मंच का संचालन सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के सदस्य गुरु दर्शन यात्रा के अंतर्गत हुब्बल्ली में विराजित साध्वी स्वाति श्री और प्रज्ञा श्री के दर्शन कर पुणे चातुर्मास कर रहे पुष्प चूला श्री दर्शन हेतु पहुंचे। अपने विशेष संबोधन में साध्वी सुप्रिया श्री ने अपने 1996 के अलसूर चातुर्मास की स्मृतियों को ताजा करते हुए संघ की सेवा भावना, ज्ञान के प्रति जिज्ञासा भावना व साधु साध्वी के प्रति अहो भाव की प्रशंसा की। चातुर्मास में मुमुक्षु कविता की दीक्षा का यह रजत वर्ष है और उन्होंने भी संघ सदस्यों की वात्सल्य भावना को अनुकरणीय बताया। साध्वी सुप्रिया जी ने अपनी गुरुनी ज्ञान प्रभा जी की अंतिम समाधि यात्रा का आंखों देखा हाल सुना कर ऐसे वक्त विवेक रखने का संदेश दिया। पुणे संघ ने दो तपस्वियों का अभिनंदन करते हुए अलसूर संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया का सम्मान किया।

उडुपी पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने कर्तव्यहीनता पर नकेल कसी

एक साल में 80 कर्मियों को निलंबित किया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भ्रष्टाचार और कर्तव्यहीनता को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच उडुपी जिला पुलिस अधिकारियों ने अपनी ही टीम के सदस्यों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। पिछले एक साल में पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के. के निर्देशन में चार उपनिरीक्षकों समेत करीब 80 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। डॉ. अरुण के. पुलिस के आचरण की निगरानी में सख्त रहे हैं और कदाचार की पहचान होने पर निर्णायक कार्रवाई करते हैं।

निलंबित अधिकारियों पर अवैध रेत खनन और अन्य प्रकार के भ्रष्टाचार में संलिप्तता समेत कई आरोप लगे थे। कुछ अधिकारियों ने अपना निलंबन काल पूरा कर लिया है और उन्हें अलग–अलग थानों में फिर से तैनात किया गया है। जिन पर मामूली आरोप थे, उन्हें गहन जांच के बाद बहाल कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जनता की शिकायतों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। उपनिरीक्षकों के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक सर्किल इंस्पेक्टर जिम्मेदार होता है, जबकि निरीक्षकों के खिलाफ शिकायतों की समीक्षा पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) द्वारा की जाती है। निलंबित अधिकारियों को निलंबन अवधि के दौरान आधा वेतन मिलता है और अगर उन्हें लगता है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं तो वे महानिरीक्षक के समक्ष अपील कर सकते हैं। डॉ. अरुण के. ने कहा कि यह एक क्रमिक प्रक्रिया है। कुछ लोगों को अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के कारण निलंबित किया गया है। ये कार्रवाई विभाग को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि अधिकारी कानून और व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता दें।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा मुनिराज श्री मलयप्रभ सागरजी एवं साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की प्रेरणा से मंडल के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों के दौरान जीवदया कार्यक्रम के अन्तर्गत कबूतरों एवं अन्य पक्षियों को दाना डाला गया। इस अवसर पर मंडल के मंत्री ललित डाकलिया, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा, तिलोकचंद गोलिया, विकास बच्छावत आदि सदस्य उपस्थित थे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राज्य शिक्षा विभाग द्वारा सुंकदकट्टे क्लस्टर के सरकारी स्कूलों एवं सरकारी अनुदानित स्कूलों के लिए गंगोत्री इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के सभागार में प्रतिभा कारंजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में 30 से भी ज्यादा विद्यालयों के बच्चों ने हिस्सा लिया। विभिन्न सांस्कृतिक स्पर्धाओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कर्नाटक सरकार ने सांप्रदायिक झड़पों के बाद मांड्या में शांति बैठक आयोजित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने शनिवार को मांड्या जिले के नागमंगला शहर में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के नेताओं के बीच शांति बैठक शुरू की। दो दिन पहले गणेश चतुर्थी जुलूस के दौरान एक मस्जिद के पास से गुजरते समय सांप्रदायिक झड़प हुई थी। उपद्रवियों ने आगजनी और पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। बैठक की अध्यक्षता कृषि मंत्री और मांड्या के जिला प्रभारी एन चेलुवरायस्वामी ने की। दोनों समुदायों के नेता, उपायुक्त डॉ. कुमार, पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बैठक से पहले मंत्री चेलुवरायस्वामी ने कहा कि अगर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तारी की जाती है, तो करीब 500 लोगों को हिरासत में लेना पड़ेगा। स्थानीय ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश की गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि वह इस घटना में शामिल नहीं थे, बल्कि अपने बेटे की तलाश में मौके पर गए थे। उन्होंने कहा जब मुझे गणेश प्रतिमा को थाने के सामने ले जाने की बात पता चली, तो मैंने उन्हें डांटा और प्रतिमा का विसर्जन पूरा करने को कहा।

घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को ही गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए लोगों के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि उन्हें जमानत लेनी होगी। उन्होंने कहा जैसे ही स्थिति शांतिपूर्ण होगी, उन्हें जल्दी से जल्दी जमानत दे दी जाएगी। इस बीच कांग्रेस के पूर्व सांसद डीके सुरेश ने शनिवार को आरोप लगाया कि उन्हें संदेह है कि गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान नागमंगला में हुई हिंसा में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने साजिश रची है। हिंसा में कांग्रेस नेताओं की भूमिका पर कुमारस्वामी के बयान के बारे में पूछे जाने पर सुरेश ने कहा कि हिंसा कुमारस्वामी के निर्देश पर ही हुई होगी। उन्होंने कहा यहां अशांति पैदा करने के लिए कुमारस्वामी हर हफ्ते आते हैं और बयान जारी करते हैं। मैं भी राजनीतिक बयान दे सकता हूं। मैं भी यही आरोप लगाऊंगा। तुष्टीकरण के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा किसी को खुश करने का सवाल ही नहीं उठता। कांग्रेस का उद्देश्य सभी को साथ लेकर चलने का है।

राहुल गांधी के बयान की निंदा करते हुए प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी दलित और आरक्षण विरोधी : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि राहुल गांधी के बयान से साबित हो गया है कि कांग्रेस पार्टी दलित और आरक्षण विरोधी है। उन्होंने शनिवार को फ्रिडम पार्क के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था कि वह आरक्षण के खिलाफ हैं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी यही जारी रखा। अब राहुल गांधी ने इस विरासत को जारी रखा है। 1961 में, नेहरू ने कहा था कि वह इस देश में किसी भी प्रकार के आरक्षण के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण से विकास कार्य बाधित होंगे। उस समय सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखे गए नेहरू के पत्र को सदन में प्रस्तावित किया गया और प्रदर्शित किया गया। बाद में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी यही किया। अब राहुल गांधी ने भी वही रवैया दिखाया है। 2014 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी 50 सीटें भी नहीं जीत पाई थी। 2019 में भी कांग्रेस आधिकारिक विपक्ष नहीं बन पाई। तब पश्चिम बंगाल के चौधरी को सदन का नेता बनाया गया था। अब जब उन्हें आधिकारिक विपक्ष का पद मिला तो उन्होंने उन सभी को हटा दिया और दावा किया कि यह पद स्वयं मिला है। भाजपा को दलित विरोधी बताने वाले इस सवाल का जवाब दें कि अब दलित विरोधी कौन है। हम ही हैं जिन्होंने आरक्षण बढ़ाया, आप नहीं। उन्होंने आपत्ति जताई कि आप दलित और आरक्षण विरोधी हैं। नारायणस्वामी ने कहा कि गंगा कल्याण योजना से लेकर, जो दलितों और अनुसूचित व्यक्तियों के लिए आरक्षित थी, उनके योग्यता विकास के लिए आरक्षित धन का उपयोग सीधे चुनाव के लिए नहीं किया गया था? क्या आपको दलितों का पैसा खाते हुए शर्म नहीं आती? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई नेता नहीं हैं, बल्कि वह एक अशिक्षित व्यक्ति हैं। कांग्रेस पार्टी दलित विरोधी थी, आरक्षण के खिलाफ थी। लेकिन, वोट बैंक के लिए वे आरक्षण और संविधान के पक्ष में आ जाते हैं। हम सभी दलित समाज एक साथ हैं। प्रदर्शन में एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मंजूनाथ, एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष गिरीश समेत जिले के पदाधिकारी, नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। इससे पहले भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विदेश में बैठकर भारत की मानवता को नीलाम कर रहे हैं। उन्हें इस बात का सामान्य ज्ञान भी नहीं है कि जन्म देने वाले देश के बारे में क्या बात करें। कोई भी उनकी बातों पर यकीन करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर वह एक समय में एक दिन देश की अखंडता, आध्यात्मिकता और सद्भाव के बारे में बात करते हैं तो उन्हें आश्चर्य नहीं होता है। राहुल गांधी की बात कोई सुनने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि उनकी बातें झूठ से भरी हैं। उनका एक सूत्री कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करना है। वह विदेश में जिन लोगों से मिले हैं, अगर वह देखें तो उन्हें उनका इतिहास पता चल जाएगा। भारत के दुश्मन राहुल गांधी के दोस्त हैं।

नेहरू और राजीव गांधी भी थे आरक्षण विरोधी

तेजस्वी सूर्या ने कहा कि जब ऐसे लोग देश के बारे में बात करते हैं तो यह भूत के मुंह से भगवद गीता सुनने जैसा है। उनका कहना है कि अगर हमारी पार्टी सत्ता में आई तो हम आरक्षण को खत्म कर देंगे। नेहरू और राजीव गांधी आरक्षण विरोधी थे। इसलिए उनके बयान से हमें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। राहुल गांधी को दस्तावेज उठाकर देखना चाहिए कि राजीव गांधी ने मंडल कमीशन के बारे में क्या कहा था। उन्होंने यह कहकर एससी/एसटी, ओबीसी के साथ अन्याय किया है कि हम आरक्षण की आड़ में बौद्धों को मौका नहीं दे सकते। कांग्रेस ने सिखों का नरसंहार किया। जब इंदिरा गांधी की हत्या हुई तो एक समुदाय को निशाना बनाया गया और बदला लेने के लिए हजारों लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। तेजस्वी सूर्या ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ऐसे समुदाय को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

भाजपा तथ्यान्वेषी रिपोर्ट जारी करेगी तो पुलिस को भी होगा फायदा: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मजाक में कहा कि मांड्या जिले के नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुए दंगों के मामले में अगर भाजपा सच्चाई की जांच कर रिपोर्ट देगी तो पुलिस के लिए यह आसान हो जाएगा। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि नागमंगला फिलहाल शांतिपूर्ण है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कार्रवाई करने का सुझाव दिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शांति बैठक भी चल रही है। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी द्वारा पुलिस द्वारा दर्ज किये गये मामले पर संदेह व्यक्त करना अप्रासंगिक है। हमें कानून के मुताबिक जो करना होगा वो करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बात पर संदेह करना व्यर्थ है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। भाजपा के फैक्ट फाइंडिंग पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्हें सच्चाई की जांच करने दीजिये। हम देखेंगे कि वे जो रिपोर्ट देंगे उसमें कितनी सच्चाई है। उन्होंने कहा कि इससे हमारी पुलिस को आसानी होगी। यादगिरी में बलात्कार मामले से संबंधित शिकायत के मद्देनजर एक दलित परिवार का बहिष्कार करने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए, परमेश्वर ने कहा मामले पर एक व्यापक रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। शिकायत करने पर पाबंद किया गया। कुल 500 लोगों वाले इस गांव में दलित समुदाय की संख्या बढ़ गई है। ऐसी शिकायतें हैं कि गांव में दलित बच्चों को किताबें नहीं ले जाने दी जाती, वे पानी का इस्तेमाल नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि उन्होंने पुलिस को इस ओर ध्यान देकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया था कि गणेश जुलूस के दौरान शहर में हुआ दंगा एक पूर्व नियोजित कृत्य, एक सुनियोजित साजिश थी। इतना ही नहीं,यह कांग्रेस प्रायोजित दंगा है। उन्होंने शुक्रवार सुबह नागमंगला के दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और उन दुकानों को देखने के बाद पत्रकारों से बात की, जो दंगा में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। यह अनादिकाल से किया जाता रहा है। 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को हटाने के लिए रामानगर और चन्नपट्टना में सांप्रदायिक दंगे कराए गए और आगजनी की गई। जुड़वां शहर जल गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नागमंगला में भी इसी तर्ज पर दंगा कराया गया। डीजी हल्ली पुलिस स्टेशन को आग लगा दी गई और जला दिया गया। उसके लिए कांग्रेस नेता भी जिम्मेदार हैं। मुझे नहीं पता कि उस मामले में जो लोग जेल गये उनका क्या हुआ। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि उन्होंने नागमंगला में किस दुर्भावनापूर्ण इरादे से दंगा कराया है। नागमंगला में भी यही संशय है। अब चन्नपट्टना में उपचुनाव आ रहा है। तरह-तरह की घटनाएं भी हो रही हैं। इसलिए हो सकता है कि किसी समुदाय को लुभाने के लिए यह साजिश रची गई हो। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए उन्हें संदेह हुआ कि नागमंगला की हरकत के पीछे कांग्रेस का हाथ है। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार की विफलता और स्थानीय पुलिस की कर्तव्यहीनता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पुलिस को असली अपराधियों को पकड़ने और उन्हें सजा देने का काम करना चाहिए। दंगों की एफआईआर कॉपी हाथ में लेते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि आरोपों की सूची चूक से भरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का रवैया संदिग्ध है। स्थानीय पुलिस उस जुलूस को सुरक्षा मुहैया नहीं करा सकी, जिसमें केवल 100-150 लोग थे। हंगामा शुरू होने से दस मिनट पहले ही मौके पर रिजर्व पुलिस बल तैनात कर दिया गया था।

कर्नाटक सरकार ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ लंबित भ्रष्टाचार के मामलों की समीक्षा शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने भाजपा और जेडी-एस नेताओं से जुड़े विभिन्न घोटालों की जांच में तेजी ला दी है, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा गठित कैबिनेट मंत्रियों की समिति ने शुक्रवार को बेंगलूरु में अपनी पहली बैठक की। विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करने के बाद प्रेस से बात करते हुए गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सरकार और जांच एजेंसियों द्वारा जांच के दायरे में आने वाले विभिन्न घोटालों की जांच में तेजी लाने के लिए विभागीय समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा चूंकि यह पहली बैठक थी, इसलिए अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हमने सभी मामलों की समीक्षा की है और उन मामलों को नोट किया है, जिनमें नए सिरे से जांच की जरूरत है। हम दो महीने के भीतर प्रक्रिया पूरी कर लेंगे और कैबिनेट को रिपोर्ट सौंपेंगे। यह कदम मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे के लिए भाजपा द्वारा अपना आंदोलन तेज करने के बीच उठाया गया है। परमेश्वर ने पहले कहा था भाजपा नेताओं से जुड़े करीब 20 से 25 घोटालों की सूची बनाई गई है। जहां भी जांच लंबित है, हम फाइलें मंगवाएंगे और मामले की जांच करेंगे। पांच सदस्यीय समिति में कानून और पर्यटन मंत्री एचके पाटिल, राजस्व मंत्री कृष्ण बायर गौड़ा, आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे और श्रम मंत्री संतोष लाड भी शामिल हैं। विपक्ष के नेताओं द्वारा उनके खिलाफ दिए गए बयानों के बारे में परमेश्वर ने कहा मैं उनकी बातों पर प्रतिक्रिया नहीं करने जा रहा हूं। वे जो भी कहेंगे, मैं उकसावे में नहीं आऊंगा। मैं सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभा रहा हूं। राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति अच्छी होनी चाहिए और मैं इसके लिए काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह सब उनके लिए नया नहीं है। उन्होंने कहा कि वे तीन बार गृह मंत्री रह चुके हैं। राज्य के लोग मेरी क्षमता जानते हैं। मैंने जो भी विभाग संभाला है, मेरी क्षमता संबंधित विभाग के अधिकारियों को पता है। उन्होंने कहा हम नफरत की राजनीति नहीं करते। जब कुछ मामले गैरकानूनी तरीके से होते हैं और हम लोगों को सूचित करने के लिए उन पर चर्चा करते हैं, तो इसे तुरंत नफरत की राजनीति करार दे दिया जाता है। कुछ घोटालों की जांच तो उनके बंद होने से पहले ही शुरू हो जाती है।

ऑपरेशन कमल के तहत

भाजपा में शामिल हुए 17 विधायकों के खिलाफ जांच की अनुमति देने का अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक सामाजिक कार्यकर्ता ने विधान सभा अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वे भाजपा में शामिल होने वाले और जेडीएस-कांग्रेस गठबंधन सरकार को गिराने वाले तत्कालीन 17 विधायकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत जांच की अनुमति दें। जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह-अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने 11 सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष को एक अनुरोध प्रस्तुत किया और 17 विधायकों के खिलाफ अतिरिक्त जांच की अनुमति देने का अनुरोध किया। उन्होंने देर से शिकायत दर्ज करने के कारणों को भी सूचीबद्ध किया। 2019 में, 14 कांग्रेस विधायकों और 3 जद (एस) विधायकों ने मूल पार्टियों को छोड़ दिया और भाजपा में शामिल हो गए। इसके कारण गठबंधन सरकार गिर गई जिसमें कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे। उस वक्त येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस-जेडीएस छोड़ने वाले ज्यादातर लोगों ने विधानसभा उपचुनाव में चुनाव लड़ा और कुछ दोबारा चुने गए। उन्होंने येदियुरप्पा की कैबिनेट में मंत्री के तौर पर भी काम किया। ऑपरेशन कमल मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई और कोर्ट ने आदेश दिया। फैसले के पैरा 27 में जिक्र किया गया है कि दल बदलने वाले विधायकों ने येदियुरप्पा को अनुचित लाभ दिया है।

पार्टियों द्वारा दिए गए व्हिप का उल्लंघन किया। इसमें उन सभी बिंदुओं का जिक्र किया गया था कि वह विधानसभा से अनुप-स्थित थे। लेकिन विधायकों को दोबारा चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी गई। इस पर सवाल उठाने वाले आदर्श अय्यर ने कहा कि इसके पीछे के भ्रष्ट कृत्यों की जांच होनी चाहिए। अन्यथा, कानून का मूल उद्देश्य जीवित नहीं रहेगा। कोविड के कारण शिकायत दर्ज करने में देरी हुई। फिर चुनाव आये। इसलिए, 17 दलबदलुओं के खिलाफ जांच के लिए आवेदन दायर करने में बहुत देर हो चुकी है। इससे पहले इस मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की गई थी। स्पीकर ने राज्यपाल से अनुमति लेने का निर्देश देकर आवेदन खारिज कर दिया था। अब शिकायत स्पीकर के दरबार में है।

विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डीके सुरेश ने जातियों के बीच संघर्ष पैदा करने वाले, लड़कियों और जातिगत दुर्व्यवहार के बारे में अपमानजनक बातें करने वाले भाजपा विधायक मुनिरत्ना को तत्काल अयोग्य ठहराने और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुनिरत्ना ने बहुत ही निम्न स्तर की भाषा का प्रयोग किया है। यहां तक कि जंगली और अशिक्षित लोग भी ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि 80 के दशक में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल होता था, लेकिन इस दौर में भी असभ्य तरीके से बोलना अक्षम्य अपराध है। ओक्कालिगा समुदाय के ठेकेदारों को अनकहे शब्दों में गाली दी। दलित समाज को अपमानित किया गया है। भाजपा के आर अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को इस पर जवाब देना चाहिए। क्या एनडीए नेता मुनिरत्ना की बातें नहीं सुन रहे हैं? एक तरफ उन्होंने ओक्कालिगा समुदाय का अपमान किया और दूसरी तरफ उन्होंने महिला समुदाय का अपमान किया। यह देखकर और सुनकर एनडीए नेता कैसे शांत हो सकते हैं। क्या मुनिरत्ना के शब्द भाजपा और आरएसएस संस्कृति के समान हैं? मेरे मुताबिक, केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को तुरंत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर उन्हें बताना चाहिए कि गठबंधन के एक विधायक ने बदतमीजी से बात की है। उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से चर्चा के बाद मुनिरत्ना को तुरंत अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। यह मामला शुक्रवार दोपहर सामने आया। अभी तक भाजपा-जेडीएस की ओर से किसी ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। आश्चर्य की बात है कि देश को झकझोर देने वाली भाषा सुनने के बाद भी उन्होंने चुप्पी साध ली। शायद मुनिरत्ना का बयान भाजपा के लिए सहनीय होगा। इससे पहले मुनिरत्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भी बुरा बोला था। हालाँकि, उन्होंने इसे सहन किया और उन्हें मंत्री बनाया। लेकिन उन्होंने सवाल किया कि जेडीएस इसे कैसे बर्दाश्त करेगी। मुनिरत्ना के खिलाफ पहले ही शिकायत दर्ज की जा चुकी है। लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ाने के लिए मुनिरत्ना को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। व्यापक भ्रष्टाचार, खुलेआम उगाही, महिलाओं का अपमान, जातीय दुर्व्यवहार, जातीय संघर्ष के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और स्वैच्छिक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, गृह मंत्री परमेश्वर और स्पीकर यूटी खादर से कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और संविधान की रक्षा करनी चाहिए।

नागमंगला दंगों का मामला

अनधिकृत विरोध प्रदर्शन पर हिंदुत्व कार्यकर्ता केरेहल्ली और 20 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने शुक्रवार शाम को टाउन हॉल में अनधिकृत विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश करने के लिए हिंदुत्व कार्यकर्ता पुनीत केरेहल्ली और 20 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बेंगलूरु गणेश उत्सव समिति ने बुधवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो अलग-अलग धर्मों के सदस्यों के बीच भड़के नागमंगला दंगों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

मांड्या पुलिस ने कम से कम 52 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों की तलाश कर रही है। समिति ने दंगों की निंदा करने और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच की मांग करने के लिए विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, उन्होंने न तो पुलिस से अनुमति मांगी और न ही शहर में विरोध प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल फ्रीडम पार्क में इसे आयोजित करने का कार्यक्रम बनाया। केरेहल्ली, जिनका नाम कम से कम 10 आपराधिक मामलों में है, और लगभग 40 अन्य लोग सुबह करीब 10.30 बजे टाउन हॉल के बाहर एकत्र हुए। पुलिस के अनुसार, तीन समूहों में विभाजित होकर उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए और सार्वजनिक उपद्रव किया। अधिकारी ने बताया हमने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें प्रतीक्षा कर रही बीएमटीसी बस में ले गए। पुलिस ने शाम को सभी 40 लोगों को चेतावनी देने के बाद रिहा कर दिया। अधिकारी ने कहा कि 20 से अधिक प्रदर्शनकारियों, जिन्होंने आक्रामक नारे लगाए और अराजकता फैलाई, पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत सार्वजनिक उपद्रव और गैरकानूनी सभा करने और कर्नाटक पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस ने केवल हिंदुओं को निशाना बनाने की अपनी तानाशाही नहीं छोड़ी तो जमकर करेंगे संघर्ष: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि राज्य में तालिबान की सरकार है जो कट्टरपंथियों का समर्थन करती है। यह कांग्रेस सरकार मुस्लिम कट्टरपंथियों को लुभाने के लिए हिंदुओं की बलि देने को तैयार है। उन्होंने नागमंगला सांप्रदायिक दंगों के मामले को कांग्रेस सरकार द्वारा संभालने के तरीके की आलोचना की। नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुए सांप्रदायिक दंगों और घटनाओं के बाद गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर के गैरजिम्मेदाराना और लापरवाह बयान को देखते हुए एक बार फिर साबित हो गया है कि राज्य में तालिबान सरकार कट्टरपंथियों का समर्थन कर रही है। गणेश जुलूस की प्रत्याशा में पत्थरों, पेट्रोल बमों, तलवारों के ढेर एकत्र किए गए थे और पूरी पूर्व योजना के साथ हिंदुओं पर अत्याचार किए गए थे। हालांकि यह स्पष्ट दिखता है, लेकिन सरकार इसे एक आकस्मिक घटना,

एक छोटी सी घटना बता रही है। उन्होंने नाराजगी जताई कि सरकार ने मुस्लिम कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए हिंदुओं की बलि देने का फैसला किया है।

अशोक ने कहा कि नागमंगला की घटना के बाद पूरा हिंदू समाज इस बात से चिंतित है कि हमारा क्या होगा। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार को उन सवालों का जवाब देना चाहिए जो राज्य के हिंदुओं के मन में जल रहे हैं। भले ही पिछले साल उसी स्थान पर दंगा हुआ था, लेकिन इस साल एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल क्यों नहीं लगाया गया? भले ही इस तरह की हरकतों का इतिहास रहा हो, लेकिन खुफिया विभाग ने इसकी सूचना क्यों नहीं दी? क्या यह पुलिस विभाग की विफलता नहीं है? या खुफिया जानकारी की अनदेखी की गई? गणपति जुलूस के लिए रूट मैप और अनुमति दिए जाने के बावजूद पुलिस ने मार्ग पर सुरक्षा क्यों नहीं दी? जुलूस शुरू होने के बाद शहर में डीएआर वैन का रास्ता क्यों बदला गया? बुधवार की रात को दंगा शुरू होने के दो घंटे बाद, तत्काल अधिक पुलिस कर्मियों को क्यों नहीं बुलाया गया, जो केवल 40 किलोमीटर दूर थे? एफआईआर में ए1 वही व्यक्ति क्यों है जिसने पुलिस की अनुमति से गणेश प्रतिमा स्थापित की थी?

ए1 से ए2 तक, केवल हिंदुओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और फिर मुसलमानों के नाम किस अधिकार क्षेत्र में शामिल किए गए? क्या सरकार द्वारा दंगाइयों को संरक्षण देना तुष्टिकरण की पराकाष्ठा नहीं है? उन्होंने पूछा क्या कर्नाटक में मस्जिद या दरगाह के सामने से गणेशोत्सव जुलूस निकालने की अनुमति नहीं है? क्या यह स्पष्ट नहीं है कि यह एक पूर्व नियोजित कृत्य है, क्योंकि मस्जिद में पेट्रोल बम, पत्थरों के ढेर, तलवार और हथगोले एकत्र किए गए थे और रैकेट शुरू किया गया था?

नागमंगला का दौरा क्यों नहीं किया

क्या कारण है कि गृह मंत्री दंगों में खतरनाक सामग्रियों के इस्तेमाल और 25 करोड़ रुपये की संपत्ति के नुकसान को एक छोटी सी घटना, एक आकस्मिक घटना मानते हैं? उन्हें ऐसा किसने बताया?

या ऐसा कहने के लिए उन पर कोई दबाव है? या कांग्रेस सरकार किसी को बचाने जा रही है? गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने इतनी विपत्ति के बावजूद बेंगलूरु से मात्र 130 किलोमीटर दूर नागमंगला का दौरा क्यों नहीं किया? अशोक ने चेतावनी दी कि हिंदुओं के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। अगर कांग्रेस ने एफआईआर में केवल हिंदुओं को निशाना बनाने की अपनी तानाशाही नहीं छोड़ी तो नागमंगला में जमकर संघर्ष करना पड़ेगा।

जान से मारने की धमकी देने के बाद भाजपा विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजराजेश्वरी नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक मुनिरत्ना के खिलाफ जान से मारने की धमकी, जातिगत दुर्व्यवहार और 30 लाख रुपए की मांग करने के आरोप में व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। बीबीएमपी ठेकेदार चेलु-वराजू ने एक शिकायत दर्ज कराई, जबकि वेलुनायकर ने दूसरी शिकायत दर्ज की। चेलुवराज ने व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में शिकायत की है कि विधायक मुनिरत्न और उनके सहयोगी वसंतकुमार ने ठोस अपशिष्ट निपटान अनुबंध के लिए 30 लाख रुपए की मांग की है और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी है। शुक्रवार को चेलुवराज ने शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद से मुलाकात की और शिकायत दर्ज कराई और उनसे सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया। बाद में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा मैंने पहले एक सिविल सेवक, लॉरी क्लीनर, ड्राइवर और अब एक ठेकेदार के रूप में काम किया है। उन्होंने कहा कि विधायक और उनके करीबी सहयोगी कुमार ने फोन कर पैसे देने की धमकी दी और अपमानित किया। तीन दिन पहले, मुनिरत्ना के करीबी दोस्त वसंत कुमार मुझसे एक पेट्रोल स्टेशन पर मिले और मुझसे कहा कि अगर तुमने विधायक को पैसे नहीं दिए, तो तुम्हें भी रेणुकास्वामी जैसा हश्र भुगतना पड़ेगा। वेलुनायकर ने व्यालिकावल पुलिस स्टेशन में शिकायत की है कि विधायक ने जातीय दुर्व्यवहार किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई करें। व्यालिकावल पुलिस स्टेशन ने ये दोनों शिकायतें दर्ज कर ली हैं और विधायक मुनिरत्ना को नोटिस जारी करने की तैयारी कर रही है।

समूह ने दलित युवक को खंभे से बांधकर पीटा

सात के खिलाफ मामला दर्ज

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।

वाल्मीकि समुदाय (जिसे अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है) के युवाओं के एक समूह ने 21 वर्षीय दलित युवक को बिजली के खंभे से बांधकर पीटा। अलवंडी पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, गुडाडप्पा मुलन्ना, जो मडिगा समुदाय (जिसे अनुसूचित जाति श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है) से संबंधित है, कोप्पल के बोचनहल्ली में एक आम जगह पर सिगरेट पी रहा था, तभी लोगों का एक समूह उसके पास आया और उसे धूम्रपान बंद करने के लिए कहा।

वह घर चला गया और बाद में, जब वह गणेश चतुर्थी के त्योहार पर आया, तो नशे की हालत में समूह ने उसके साथ मारपीट की, उसे नंगा किया और खंभे से बांध दिया। पुलिस ने नागनगौड़ा, यल्लप्पा, भीमप्पा, हनुमागौड़ा, प्रज्वल और नवीन को आरोपी बनाया है। युवक ने बताया कि करीब 20 लोगों ने उस पर हमला किया लेकिन एफआईआर में केवल सात लोगों के नाम दर्ज हैं। इससे पहले अगस्त की शुरुआत में कोप्पल के विठलापुरा गांव में 21 वर्षीय दलित महिला को उसके ससुराल में छुआछूत का सामना करना पड़ा था। पीड़िता को कथित तौर पर घर के बाहर एक शेड में रहने के लिए मजबूर किया गया था, वह कीचड़ वाली जमीन पर सोती थी। उसे खाना बनाने के लिए एक और झोपड़ी भी दी गई थी, लेकिन उसके ससुराल वालों ने उसका पकाया खाना खाने से इनकार कर दिया। इसके बाद, उसके ससुराल वालों ने उसे बेरहमी से पीटा और जहर दे दिया।

एसआईटी की चार्जशीट में खुलासा

यौन उत्पीड़न के दौरान प्रज्वल ने पीड़िता को हंसने के लिए किया मजबूर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में विशेष जांच दल की तीसरी चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि वह पीड़िता को अपनी पसंद का अधोवस्त्र पहनने और इस जघन्य कृत्य को अंजाम देते समय हंसने के लिए मजबूर करता था। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने शुक्रवार को विधायकों/सांसदों के लिए विशेष अदालत में 1,691 पन्नों की चार्जशीट पेश की और पीड़िता का बयान भी इसके साथ संलग्न किया। पीड़िता ने कहा कि प्रज्वल ने बंदूक की नोक पर उसके साथ बार-बार बलात्कार किया, उसका वीडियो बनाया और उसके नग्न वीडियो के स्क्रीनशॉट लिए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने जोर देकर कहा कि पीड़िता को यौन उत्पीड़न के दौरान रोना नहीं चाहिए और उसे पूरे समय हंसते रहना चाहिए। प्रज्वल ने 2020 से 2023 तक तीन साल तक पीड़िता के साथ बार-बार बलात्कार किया। उसने उसे अपने होलेनरसीपुरा आवास पर बुलाया और घर की तीसरी

मंजिल पर एक कमरे में दोपहर 12.30 बजे उसके साथ बलात्कार किया।

हर बार जब वह अपराध करता था, तो वह उसका वीडियो रिकॉर्ड करता था और उसे धमकी देता था कि अगर उसने किसी को इसके बारे में बताया तो वह इसे सार्वजनिक कर देगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामले में गवाह विधायक ने एसआईटी को बताया कि वह एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जिसमें प्रज्वल और पीड़िता ने हिस्सा लिया था। विधायक ने बताया कि कार्यक्रम के बाद प्रज्वल ने उसे बार-बार फोन किया और गेस्ट हाउस में आने के लिए मजबूर किया। एसआईटी ने 120 से अधिक गवाहों से पूछताछ की और पीड़िता का बयान दर्ज किया।

एसआईटी ने प्रज्वल के खिलाफ धारा 376 (2) एन (एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करना), 506 (आपराधिक धमकी), 354 (ए) (1) (अवांछित तरीके से व्यवहार करना, स्पष्ट यौन व्यवहार, यौन संबंधों की मांग करना), 354 (बी) (महिला पर आपराधिक बल का प्रयोग करना) और 354 (सी) (चुपके से देखना, महिला की सहमति के बिना उसकी तस्वीर लेना) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय प्रज्वल की जमानत याचिका पर 19 सितंबर को सुनवाई करेगा।

भाजपा सांसद लहर सिंह ने दंगा प्रभावित नागमंगला का किया दौर

प्रभावित लोगों से की बातचीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद लहर सिंह ने हिंसा प्रभावित नागमंगला का दौरा किया, जहां बुधवार को गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हिंसा और सांप्रदायिक अशांति देखी गई थी। सांसद लहर सिंह ने स्थानीय निवासियों और बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों समुदायों के दुकानदारों से बातचीत की, जिनकी दुकानों और प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमले हुए, जिनमें आग भी शामिल थी। सांसद ने बजाज मोटर्स के शोरूम सहित कई दुकानों का दौरा किया, जिसे जला दिया गया और 9 मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया। लहर सिंह

ने हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की, जिसका असर हिंदुओं और अल्पसंख्यक समुदायों की दुकानों पर पड़ा। सांसद ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा यह स्पष्ट है कि आपराधिक तत्वों ने इन हमलों को पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम दिया। उपद्रवियों को भरोसा था कि पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करेगी। सांसद ने कहा कि सभी समुदायों को निशाना बनाया गया, लेकिन दुकानों को जानबूझकर चुना गया, लूटा गया और जलाया गया, जो सुनियोजित हिंसा के पैटर्न को दर्शाता है। लहर सिंह ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों और निवासियों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में पुलिस की विफलता की व्यापक जांच की मांग की। लहर सिंह ने प्रभावित दुकान मालिकों को आश्वासन दिया कि वे इस मामले को राज्य सरकार के समक्ष उठाएंगे और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करेंगे। सांसद ने पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने में पुलिस की विफलता की व्यापक जांच की भी मांग की और गणेश विसर्जन जुलूस की संवेदनशील प्रकृति के बावजूद रिजर्व पुलिस की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। लहर सिंह के साथ अपनी बातचीत में स्थानीय निवासियों ने पुलिस की प्रतिक्रिया पर कड़ा असंतोष व्यक्त किया, पर्याप्त पुलिस उपस्थिति की कमी की आलोचना की और विसर्जन के दिन रिजर्व पुलिस को हटाने के फैसले पर सवाल उठाया। स्थानीय पुलिस के पक्षपात और निष्क्रियता के बारे में भी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अपने नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की, जिसका अनुमान लगभग 10 करोड़ रुपए है और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से त्वरित और निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। सांसद लहर सिंह ने प्रभावित दुकान मालिकों को आश्वासन दिया कि भाजपा नागमंगला के लोगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है और इन हिंसक घटनाओं के मद्देनजर न्याय और जवाबदेही की वकालत करती रहेगी। उन्होंने हिंसा की जांच के लिए डॉ. सीएन अश्वथ नारायण की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय तथ्यान्वेषण समिति नियुक्त करने के भाजपा अध्यक्ष के निर्णय का स्वागत किया।

नंदिनी दूध की कीमत बढ़ी तो करेंगे प्रदर्शन: राघवेंद्र शेट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा दुग्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राघवेंद्र शेट्टी ने कहा कि यह सही नहीं है कि राज्य सरकार नंदिनी दूध की कीमत बढ़ाने जा रही है। इस फैसले को वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अन्यथा प्रदेश भाजपा दुग्ध प्रकोष्ठ पूरे राज्य में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगा।

यह निंदनीय है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मगदी में सहकारिता मंत्री को दूध की कीमत बढ़ाने का निर्देश दिया है। प्रदेश की जनता पहले से ही पानी, बिजली, मकान किराया समेत कई दरों में बढ़ोतरी के झटके से जी रही है। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है कि सरकार नंदिनी दूध की कीमत बढ़ाने जा रही है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार को पहले किसानों की दूध सब्सिडी का पैसा जारी करना चाहिए। पिछले जून में ही नंदिनी के सभी प्रकार के दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। राज्य के किसानों के नाम पर नंदिनी ने राज्य की जनता की सहमति के बिना फिर से दूध के दाम बढ़ाने का सुझाव दिया है, यह ठीक नहीं है। यह राज्य सरकार किसानों के साथ कैसा भेदभाव करती है कि यदि किसान दुग्ध केंद्रों को 100 लीटर दूध देंगे तो उन्हें केवल 40 लीटर ही प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा। अच्छा दूध और मोटा दूध और दूध की गुणवत्ता निम्न बताकर किसानों को धोखा दिया जा रहा है। वहीं कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में कहा गया है कि अगर हम सत्ता में आए तो एक लीटर दूध पर सब्सिडी की राशि बढ़ाकर 7 रुपए कर देंगे। अब सत्ता में आने के 1 साल बाद भी उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया, वे पूरी तरह से भूल गये हैं। सबसे पहले इसे याद रखें और इस पर अमल करना शुरू करें। गाय के चारे की कीमत आसमान छू रही है। चारा भी नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में डेयरी फार्मिंग पहले से ही घाटे में है और किसान संकट में हैं।

सिद्धरामैया ने उप मुख्यमंत्री रहने के दौरान किसकी जमीन पर बनाया घर: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांग की है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को खुलासा करना चाहिए कि उप मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्होंने किसकी जमीन पर घर बनाया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुडा से जो 15 भूखंड मिले थे, वे उनका हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने दलितों और दिव्यांगों को आवंटित भूखंडों पर अवैध रूप से घर बना लिया है। उन्हें यह बताने दीजिए कि जिस जमीन पर घर बना है, उसका

मालिक कौन है। उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनाकर मकान बनाया था। हालांकि मकान बिक चुका है, लेकिन वे जानते हैं कि इस पर कब्जा किसका है और इस संबंध में उनके पास दस्तावेज भी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा किसानों के नाम पर राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं पर बोझ डालने के लिए दूध की कीमत बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश जताया कि सरकार ने किसानों के लिए दूध का खरीद मूल्य क्यों कम कर दिया है। दूध के दाम बढ़ने से भी किसानों को कोई फायदा नहीं है। उपभोक्ताओं को भी कोई फायदा नहीं हो रहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि सरकार ही दूध के दाम बढ़ा रही है। येदियुरप्पा ने प्रति लीटर दूध पर 2 रुपये प्रोत्साहन देना शुरू किया। बाद में इसे बढ़ाकर 5 रुपये कर दिया गया। मुख्यमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान, इसे बढ़ाकर 6 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। इस बीच गठबंधन सरकार गिर गई। किसानों का कर्ज किसने माफ किया? एचडी देवेगौड़ा जब प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने कर्नाटक में सिंचाई परियोजनाओं को बिजली दी। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि वे किसानों से पूछेंगे कि उन्होंने क्या किया है। उन्होंने कहा कि

मैंने नागमंगला के दोनों समुदायों से मुलाकात की है और उनकी दुर्दशा सुनी है। घनिष्ठ राजनीतिज्ञों से सावधान रहें।

नागमंगला में स्थल का निरीक्षण कर आपदा की जानकारी मिली। मैं देश की जनता से हाथ जोड़कर अपील करता हूं। हमारा राज्य प्रगतिशील है, चापलूसी करने वालों से सावधान रहें। मेरा केंद्रीय मंत्री बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

उन्होंने पूर्व सांसद डीके सुरेश के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मैं हंगामा खड़ा करने नहीं आ रहा हूं।

कश्मीर में चुनाव के बीच शुरू हुआ विवाह सीजन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 सितम्बर।

कश्मीर में शरद ऋतु के आगमन के साथ ही बहुप्रतीक्षित विवाह सीजन शुरू हो गया है, जिसमें अगले ढाई महीनों में सैकड़ों शादियां होने वाली हैं। श्रीनगर में, सजे-धजे घरों की झलक से सड़कें गुलजार हैं, जो परिवारों को इस खुशी के मौके के लिए तैयार होने का संकेत दे रही हैं। बाजारों में चहल-पहल है, क्योंकि लोग शादी के लिए सूट, सोना और मसाले जैसी जरूरी चीजों की खरीदारी कर रहे हैं, जिससे इस त्यौहार के दौरान स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। श्रीनगर के चहल-पहल भरे बाजारों में खास तौर पर चहल-पहल देखी जा सकती है। लाल चौक के एक स्थानीय दर्जी ने कहा कि शादी के कपड़ों, खास तौर पर पारंपरिक परिधानों की मांग बढ़ गई है। हम आर्डर पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

ग्रामीण कश्मीर में, नवंबर शादियों के लिए पसंदीदा समय होता है, क्योंकि इस मौसम में पहले से ही फलों की कटाई और चावल काटने जैसी कृषि गतिविधियां ग्रामीणों को व्यस्त कर देती हैं। फसल की कटाई ठीक उसी समय होती है जब परिवार विवाह की तैयारियों पर ध्यान देते हैं, ताकि गांवों में होने वाली शादियां शहरों जैसी ही भव्यता से हो। कश्मीरी शादियों की एक खासियत है, वाजवान नामक भव्य दावत। मांस के विभिन्न व्यंजनों सहित 20 से 30 व्यंजन, वजा नामक पेशेवर शेफ द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए जाते हैं, जो रात भर लकड़ी पर खाना पकाते हैं। इन समारोहों के दौरान मांस, विशेष रूप से मटन की खपत बहुत ज्यादा होती है, जिसमें शादी के मेहमानों के लिए सैकड़ों किलो मटन तैयार किया जाता है। खानियार के मोहम्मद असलम, जो वर्तमान में अपनी बेटी की शादी की तैयारी कर रहे हैं, कहते हैं, शादियां सिर्फ एक पारिवारिक समारोह नहीं हैं, बल्कि यहां एक सामुदायिक समारोह हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार के विवाह हाल की बदौलत, हमें जगह की समस्या के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यह बहुत बड़ी राहत है, खासकर हमारे जैसे परिवारों के लिए, जहां घर पर मेहमानों को ठहराना एक चुनौती है। कश्मीर में सरकार द्वारा निर्मित विवाह हाल की शुरुआत ने जगह की कमी से जूझ रहे परिवारों के लिए एक बहुत जरूरी समाधान प्रदान किया है। हालांकि, इन हाल की बढ़ती लोकप्रियता ने मांग को बढ़ा दिया है, कई परिवार और अधिक सुविधाओं के निर्माण की मांग कर रहे हैं। असलम ने कहा कि सरकार को और अधिक विवाह हाल बनाने चाहिए ताकि सभी को लाभ मिल सके। इन सुविधाओं ने बड़े समारोहों की मेजबानी को बहुत आसान बना दिया है, और हमें पूरे क्षेत्र में इनकी और जरूरत है।

परिवारों के अलावा, कश्मीर का विवाह सीजन स्थानीय विक्रेताओं, डेकोरेटर और कैटरर्स के लिए भी महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर प्रदान करता है। आयोजन स्थलों को सपनों जैसी जगहों में बदलने के लिए डेकोरेटर की बहुत अधिक मांग है, जबकि शेफ इस अवधि के दौरान अपनी वार्षिक आय का एक बड़ा हिस्सा कमाते हैं। एक स्थानीय वाजा ने कहा कि शादियां हमारे लिए जीवन रेखा हैं। हमें अपना अधिकांश व्यवसाय इसी मौसम में मिलता है, और यह हमें पूरे साल भर बनाए रखता है। स्थानीय डेकोरेटर में से एक का कहना था। श्रीनगर के नौहट्टा क्षेत्र के एक स्थानीय कसाई नासिर का कहना था कि शादियों के दौरान मांस की मांग बहुत अधिक होती है। उन्होंने बताया कि हम वाजवान दावत की तैयारी कर रहे परिवारों को हर दिन सैकड़ों किलो मटन बेचते हैं। यह साल का हमारा सबसे व्यस्त समय होता है।

मीट उद्योग के अलावा, ब्यूटी सैलून और ग्रूमिंग पार्लर में भी शादी के मौसम में उछाल देखने को मिलता है। सबसे अच्छा दिखने की चाहत, खास तौर पर दुल्हन और दूल्हे के लिए, बल्कि रिश्तेदारों और मेहमानों के लिए भी, ब्यूटी सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि करती है। दुल्हनें ब्राइडल मेकअप, जटिल मेहंदी डिजाइन और हेयर स्टाइलिंग के लिए सैलून में आती हैं, ताकि वे अपने खास दिन पर शानदार दिखें।

श्रीनगर में एक लोकप्रिय सैलून के मालिक फिरदौस ने कहा कि अगले दो महीनों के लिए हमारी बुकिंग फुल है। हमारे पास दुल्हन, दूल्हे और यहां तक कि शादी में आए मेहमान भी मेकओवर, हेयर ट्रीटमेंट और फेशियल के लिए आते हैं। शादी का मौसम सिर्फ जोड़े के लिए ही नहीं होता, बल्कि शादी में शामिल होने वाले सभी लोग सबसे अच्छा दिखना चाहते हैं। सैलून और ग्रूमिंग सेंटर, जिनमें से कई पारंपरिक कश्मीरी ब्राइडल मेकअप की पेशकश करते हैं, अक्सर दूल्हे के पक्ष को भी अपनी सेवाएं देते हैं। बाल कटाने, दाढ़ी स्टाइलिंग और त्वचा उपचार सहित विशेष ग्रूमिंग पैकेज, दूल्हे और उसके परिवार के सदस्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किए जाते हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर शाकाहारी लंगर का छद्म

वक्फ विधेयक पर मुस्लिमों को भड़का रहा सरवर चिश्ती

अजमेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अजमेर दरगाह ने शाकाहारी लंगर का ऐलान किया है। जबकि इसी दरगाह के अंजुमन कमेटी का सदस्य सरवर चिश्ती वक्फ बिल पर मुस्लिमों को भड़का रहा है। उसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। इसमें वह वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए मुस्लिम समुदाय को उकसा रहा है।

वीडियो में चिश्ती कहता है, यह शर्म की बात है कि हमारी इज्जत खतरे में है। हमारे घरों पर बुलडोज़र चलाए जा रहे हैं, भीड़ हमें मार रही है, मस्जिदों, दरगाहों और मजारों को तोड़ा जा रहा है। चिश्ती ने सरकार द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मुसलमानों को इस बिल के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सरवर चिश्ती ने कहा, हम मुसलमानों से कह रहे हैं कि क्यूआर कोड को स्कैन करें और इस विधेयक को खारिज करने की मुहिम में शामिल हों। 10 सितंबर तक सिर्फ 40 लाख मुसलमानों ने क्यूआर कोड स्कैन किया है।

चिश्ती ने मुस्लिम समुदाय से अपील की, तुम सो क्यों रहे हो, मियां? तुम्हें जल्दी सड़कों पर उतरना पड़ेगा। तुमने पहले ही बहुत देर कर दी है, बेवजह अन्याय सहन कर रहे हो। अजमेर दरगाह के खादीम ने लोगों को भड़काते हुए यह भी कहा कि जो व्यक्ति अन्याय सहन करता है, वह एक क्रूर व्यक्ति से भी बदतर होता है।

चिश्ती ने कहा, आप एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, कम से कम अपने अधिकारों का उपयोग करो। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे? उन्होंने मुसलमानों से कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा, मैंने पहले भी यह बात कही है और फिर से दिल से कहना चाहता हूं, किसी को अपना नेता मानो। मैं असदुद्दीन ओवैसी को देखता हूं, जो बहादुरी से मुसलमानों के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते हैं। वीडियो में चिश्ती मौलाना तौकीर रजा और सज्जाद नोमानी जैसे कट्टर इस्लामिक उपदेशकों का समर्थन करता नजर आया, जिन पर भगवा लव ट्रैप साजिश का प्रचार करने का आरोप है।

ये वीडियो उसी दिन का है, जिस दिन अजमेर दरगाह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शाकाहारी लंगर लगाने की घोषणा की गई थी। अजमेर शरीफ के सैयद अफशां चिश्ती ने बुधवार को कहा था कि शाही देग में सालों से शाकाहारी भोजन तैयार होता आया है और आने वाली 17 सितंबर को इसमें 4,000 किलो शाकाहारी भोजन तैयार होगा, जिसमें शुद्ध चावल और इसके साथ ही घी, मेवे आदि डाले जाएंगे। बाद में इसे गरीबों को बांटा जाएगा। सरवर चिश्ती आतंकी संगठन पीएफआई की भी खुली तारीफ कर चुका है। 2020 में, उसने यह कहते हुए पीएफआई का बचाव किया था कि संगठन भारत के संविधान को बचा रहा है।

अंडमान की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम हुआ श्री विजयपुरम

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया है। पोर्ट ब्लेयर का चोल साम्राज्य से गहरा नाता रहा है। इसके साथ ही यह वीर सावरकर सहित कई स्वतंत्रता सेनाओं से जुड़ा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, श्री विजयपुरम नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है।

इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। अमित शाह ने सुभाषचंद्र बोस और विनायक दामोदर सावरकर को भी याद किया। उन्होंने आगे कहा, यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा मां भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ प्राचीन चोल साम्राज्य से भी जुड़ा है। चोल साम्राज्य का यहां एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा हुआ करता था। इस अड्डे से सैन्य संचालन के साथ-साथ समुद्री व्यापार मार्ग के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। चोल राजाओं ने यहां से अपने बड़े-बड़े नौसैनिक चलाए थे। इस द्वीप की भौगोलिक एवं रणनीतिक स्थिति के कारण यह आज भी भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह आज भी भारतीय सेना और नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी तेजी से उभरा है। ऐसे में इसका महत्वपूर्ण योगदान बन जाता है।

साल 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अंडमान निकोबार के दौरे पर गए थे तो उन्होंने यहां के तीन द्वीपों के नाम बदलने की घोषणा की थी। उन्होंने हैवलॉक द्वीप का नाम स्वराज द्वीप, नील द्वीप को इसी नाम से और रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप कर दिया था।

किसान हितैषी है मोदी सरकार: शिवराज

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान हितैषी हैं और कृषि तथा किसान कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्री चौहान ने यहां कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। अन्य मदों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो जाएगा। इस कदम से सभी तिलहन किसानों ख़ासतौर से सोयाबीन और मूँगफली के किसानों को अच्छे भाव मिलेंगे जिनकी फसल अभी बाज़ार में आने वाली है। साथ ही रबी में तिलहन की बुवाई में बढ़ोतरी होगी और सरसों की फसल के भी अच्छे दाम मिल पायेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि इस निर्णय से सोया खली का उत्पादन बढ़ेगा और उसका निर्यात हो सकेगा। साथ ही, सोया से जुड़े अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के प्रति संवेदनशील मोदी सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय भी लिया है। निर्यात शुल्क के हट जाने से बासमती उत्पादक किसानों को अपनी उपज के उचित दाम मिलेंगे और बासमती चावल की मांग बढ़ने के साथ ही निर्यात में भी वृद्धि होगी। किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार ने रिफाइन ऑयल के लिए मूल शुल्क को 32.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से रिफाइनरी तेल के लिए सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली की फसलों की मांग बढेगी। श्री चौहान ने कहा कि किसानों को इन फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे। साथ ही, छोटे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रिफाइनरी बढ़ने से वहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से कम कर 20 प्रतिशत कर दिया है। निर्यात शुल्क के कम हो जाने से प्याज उत्पादक किसानों को प्याज के अच्छे दाम मिलेंगे और प्याज का निर्यात भी बढ़ेगा।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास में बछड़े के जन्म पर जताई खुशी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

नई दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास परिसर में एक गाय ने एक बछड़े को जन्म दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बछड़े के जन्म पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट पर शनिवार को बछड़े का एक वीडियो साझा किया।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है - गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।

हिन्दी की स्वीकार्यता को बढ़ाने की कार्य योजना आगे बढ रही है: शाह

राजभाषा भारती पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का किया लोकार्पण

राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में तकनीकी शिक्षा सहित समूची शिक्षा प्रणाली और न्यायपालिका में हिन्दी की स्वीकार्यता बढाने की कार्य योजना को आगे बढाया जा रहा है और इसे संघर्ष के साथ नहीं बल्कि साहस के साथ आगे बढाने की जरूरत है।

श्री शाह ने रविवार को यहां राजभाषा हीरक जयंती समारोह और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने राजभाषा हीरक जयंती के अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए राजभाषा भारती पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का लोकार्पण किया। इस मौके पर हीरक जयंती को यादगार बनाने के लिए एक स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्के का लोकार्पण भी किया गया। गृह मंत्री ने राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए। उन्होंने भारतीय भाषा अनुभाग का भी शुभारंभ किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, और न्यायपालिका में हिन्दी के इस्तेमाल की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी को संघर्ष के साथ नहीं बल्कि साहसिक स्वीकार्यता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों का भी कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड ने आज मेडिकल शिक्षा का संपूर्ण पाठ्यक्रम हिन्दी में तैयार कर लिया है। भारत की लगभग 13 भाषाओं में इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम तैयार होने का काम जारी है और आने वाले दिनों में हिन्दी ही निश्चित रूप से अनुसंधान की भाषा भी बनेगी। उन्होंने कहा कि हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ाने का सरकार का रोडमैप आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने दुनिया के बड़े से बड़े मंच पर विश्वास और गौरव के साथ हिंदी में अपना संबोधन देकर हिंदी की स्वीकृति को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हिंदी संयुक्त राष्ट्र की भाषा बन चुकी है और दस से अधिक देशों की द्वितीय भाषा भी बन चुकी है। हिंदी अब अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले 75 साल की यात्रा हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार कर इसके माध्यम से देश की सभी स्थानीय भाषाओं को जोड़ते हुए अपने संस्कार, संस्कृति, भाषाओं, साहित्य, कला और व्याकरण को संरक्षित और संवर्धित करने की यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि हिन्दी की 75 वर्षों की यह यात्रा अब अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के अंतिम पड़ाव पर खड़ी है और आज का दिन हिन्दी को संपर्क, जन भाषा, तकनीक और अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनाने का दिन है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, आज भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ हुआ है और हम सब जिस छोटे से बीज के बोए जाने के साक्षी बने हैं, वह आने वाले वर्षों में एक वटवृक्ष बन कर हमारी भाषाओं की सुरक्षा का केन्द्र बनेगा। भारतीय भाषा अनुभाग राजभाषा विभाग का पूरक अनुभाग बनेगा। उन्होंने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार तब तक नहीं हो सकता जब तक हम अपनी सभी स्थानीय भाषाओं को मज़बूत न करें और राजभाषा का इनके साथ संवाद स्थापित न करें।

श्री शाह ने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी स्पर्धा नहीं हो सकती क्योंकि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सखी है। उन्होंने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक हैं और इसीलिए भारतीय भाषा अनुभाग के माध्यम से हिन्दी और सभी स्थानीय भाषाओं के बीच संबंध को और मज़बूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा अनुभाग हिन्दी के किसी भी लेख, भाषण या पत्र भावानुवाद देश की सभी भाषाओं में करेगा। इसी प्रकार देश की सभी भाषाओं के साहित्य, लेख और भाषणों का अनुवाद हिन्दी में होगा, जो समय की ज़रूरत है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जो स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा को समाहित नहीं करता वो अपनी आने वाली पीढ़ियों को गुलामी से मुक्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि स्वराज की व्याख्या में ही स्वभाषा समाहित है। उन्होंने कहा कि जो देश और जनता अपनी भाषाओं की रक्षा नहीं कर सकते वो अपने इतिहास, साहित्य तथा संस्कार से कट जाते हैं और उनकी आने वाली पीढ़ियां गुलामी की मानसिकता के साथ आगे बढ़ती हैं। श्री शाह ने कहा, यह बहुत ज़रूरी है कि आज़ादी के 75 वर्ष के बाद भी हम आज शिवाजी महाराज के स्वराज, स्वभाषा और स्वधर्म के सिद्धांत पर बल देकर काम करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पर बल देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बच्चे की अभिव्यक्ति, सोचने, समझने, तर्क, विश्लेषण और निर्णय पर पहुंचने की प्रक्रिया की सबसे सुगम भाषा उसकी मातृभाषा होती है। इसी कारण से प्रधानमंत्री ने मातृभाषा में शिक्षा पर बहुत बल दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की सभी भाषाओं को मज़बूत करने और राजभाषा को देश की संपर्क भाषा बनाने का दिन है जिसके माध्यम से हम अपनी भाषाओं में अपने देश का कामकाज कर सकें।

प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों का वैश्विक महाकुंभ बनेगा यूपीआईटीएस–2024

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 25 से 29 सितंबर के बीच आयोजित होने जा रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो–2024 प्रदेश के पारंपरिक उद्यमियों के लिए वैश्विक महाकुंभ साबित होगा। वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी मंडलों के 270 से अधिक स्थानीय व पारंपरिक उत्पादों के उद्यमियों ने विभिन्न केटेगरीज के अंतर्गत अब तक रजिस्ट्रेशन करा लिया है। आने वाले दिनों में इस प्रक्रिया में और तेजी आएगी।

रजिस्ट्रशेन कराने वाले उद्यमी हथकरघा, टेराकोटा, हस्तशिल्प, स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज, एमएसएमई, ओडीओपी समेत विभिन्न श्रेणियों के उद्यमों का संचालन कर रहे हैं, जो इस भव्य आयोजन में हिस्सा लेंगे। वहीं, नए निर्यातक, हस्तशिल्पी व महिला उद्यमी भी आयोजन में सहभागिता को लेकर बेहद उत्साहित और आशान्वित हैं। उनका एक स्वर में कहना है कि सीएम योगी की नीतियां न केवल प्रदेश की परंपरा को संरक्षित कर रही है, बल्कि हमारे उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच को भी सुलभ बना रही है। उनके अनुसार, इससे हमारे उत्पादों की पहुंच दुनिया के विभिन्न देशों तक हुई है। इससे हमारी कमाई में भी बढ़ोतरी होगी।

वाराणसी मंडल के 44 हस्तशिल्पी, नए निर्यातक और महिला उद्यमी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जाने के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। उद्योग विभाग के संयुक्त आयुक्त उमेश सिंह ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वार–ाणसी मंडल के 4 जिलों वार–ाणसी, चंदौली जौनपुर और गाज़ीपुर के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के 20 उद्यमी हिस्सा लेंगे। वहीं, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (जिसमें लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, दरी, बेवरेज, मेडिकल प्रोडक्ट्स बायो फर्टिलाइजर, मसाला नूडल्स व बनारसी सिल्क उद्योग आदि शामिल है) से जुड़े 16 उद्यमी भी

प्रतिभाग करेंगे। बनारसी सिल्क साड़ी तथा कालीन उद्योग से जुड़े 8 नए निर्यातक समेत कुल 44 उद्यमी आयोजन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने के लिए आगरा मंडल के 134 हस्तशिल्प, नए निर्यातक और महिला उद्यमियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें आगरा से 51, मथुरा से 23, फिरोजाबाद से 56, मैनपुरी से 04 शामिल हैं। इनमें आगरा से डावर फुटवेयर, गुप्ता ओवरसीज, स्टोनमैन आदि निर्यातक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रज क्षेत्र के पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट और आधुनिक उत्पादों को आयोजन के माध्यम से बड़ा मंच उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार, गोरखपुर से ओडीओपी के पांच (चार टेराकोटा और रेडीमेड गारमेंट), एमएसएमई के छह और निर्यातक श्रेणी के दो उद्यमियों के पंजीकरण हो चुके हैं। वहीं, कुशीनगर जिले से ओडीओपी और एमएसएमई समेत कुल चार रजिस्ट्रेशन हुए हैं जबकि महराजगंज में पांच और देवरिया में तीन उद्यमियों के रजिस्ट्रेशन हुआ है।

प्रयागराज में कुल 7 उद्यमियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें 03 एमएसएमई इकाइयों के उद्यमी भी हिस्सा लेंगे। इन उद्यमियों को ट्रेड शो में रियायती दरों पर स्टॉल प्राप्त होंगे। इनमें, मेसर्स इकावो एग्रो डेली प्रा.लि, मेसर्स आरडी इन्टरप्राइजेज, मेसर्स मुनीर अली और मेसर्स हैप्पी कल्चर शामिल है। इसी तरह एमएसएमई इकाइयों में मेसर्स मैस औवरसीज प्रा0 लि0 और मेसर्स विष्णु सेल्स शामिल है। वहीं, अयोध्या जिले के 3 उद्यमियों का भी आयोजन में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण हो चुका है। अंबेडकरनगर से ओडीओपी के 4, सुल्तानपुर के एमएसएमई के 2 और ओडीअ–ोपी के 1, बाराबंकी से एमएसएमई के 4 और ओडीअ–ोपी के 2 और अमेठी के 2 ओडीओपी प्रोडक्ट्स से संबंधित उद्यमियों को यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

यूपीआईटीएस 2024 में झांसी मंडल के तीनों जिलों झांसी, ललितपुर और जालौन के 10 उद्यमी अपने उत्पादों के साथ हिस्सेदारी करेंगे। ट्रेड शो में हिस्सा लेने के लिए जालौन के 1, ललितपुर के 2 और झांसी के 7 उद्यमियों ने अभी तक प्रस्ताव दिया है। जालौन जिले से आकाश निरंजन, ललितपुर जिले से सरोज सिंह, जनमे पंत और झांसी जिले से नीलम सारंगी, शिवानी बुंदेला, निहारिका तलवार, योगेंद्र आर्य, मनोहर लाल, अरुणा शर्मा और निखिल चौधरी ट्रेड शो में हिस्सा लेंगे। ट्रेड शो में ये उद्यमी एक जिला एक उत्पाद से जुड़े उत्पादों के अलावा हैंडलूम, फार्मा, एक्सपोर्ट, हॉर्टिकल्चर और गृहसज्जा से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। इसी प्रकार, बरेली में विभिन्न सेक्टर के 22 उद्यमी, बदायूं के 3, पीलीभीत के 4 तथा शाहजहांपुर के 3 उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। कुल मिलाकर बरेली मंडल से 32 उद्यमी यूप–ीआईटीएस 2024 में अपनी सहभागिता अब तक सुनिश्चित करा चुके हैं।

मैनपुरी में बिजली आपूर्ति अव्यवस्था पर जयवीर सिंह ने जताई कड़ी नाराजगी

मैनपुरी, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मैनपुरी में शासन के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति नहीं होने पर शनिवार को कड़ी नाराजगी जताई।

यहां जनसुनवाई में शामिल हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि बिजली विभाग शासन के निर्देशों के अनुरूप विद्युत आपूर्ति करें। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिले। मैनपुरी में विद्युत आपूर्ति शासन के निर्देशों के अनुरूप न होने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि यह स्थिति किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं होगी। खराब ट्रांसफार्मर 24 घण्टे में बदले जाए।

मंत्री ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिले। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश हैं कि किसी की भूमि पर अवैध कब्जा न हो। राजस्व विभाग के अधिकारी यह देखें कि चक मार्ग पर अवैध कब्जा न हो।सबसे ज्यादा शिकायतें भूमि पर दबंगों द्वारा कब्जा करने की आ रही हैं।जनता दर्शन के दौरान सार्वजनिक भूमि यथा चकरोड, चारागाह, विद्यालय की भूमि, खाद के गड्ढों पर अनाधिकृत कब्जों की शिकायतेंमिल रही है।

उन्होंने कहा कि उप जिलाधिकारी अपनी–अपनी तहसील में चकमार्गो का फीडबैक लें, जहां भी अनाधिकृत कब्जे हों, उन्हें तत्काल हटवाया जाये। यदि शिकायतकर्ता द्वारा झूठी शिकायत की जाए तो ऐसे शिकायतकर्ताओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध भी दंडात्मक कार्रवाई हो। जनता दर्शन के दौरान प्राप्त शिकायतों का 01 सप्ताह में निराकरण कर उप जिलाधिकारी के माध्यम से आख्या प्रस्तुत की जाए, कोई भी शिकायत किसी कार्यालय में निस्तारण के लिए शेष न रहे, शिकायतकर्ता को प्रत्येक विभाग से तत्काल राहत मिले, उसे अपनी समस्या के निदान के लिए भटकना न पड़े।

हिंदी भाषा को समृद्ध करने में फिल्मों का अहम योगदान है: आरिफ मोहम्मद खान

ऋग्वेद को बताया दुनिया की सबसे पहली पुस्तक, कहा– इससे पहले सभी कुछ मौखिक था

अमरोहा, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ख़ान ने हिंदी दिवस के अवसर पर शनिवार को मंडी धनौरा में आयोजित हिंदी महोत्सव कार्यक्रम में कहा कि अमीर खुसरो हिंदी के पहले कवि थे, जिनकी अनेक रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। भारत बहुभाषी देश है। यहां तमाम तरह की बोली, भाषा, दर्शन व साहित्य के बावजूद हिंदी देश को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है।

केरल के राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा किसी भाषा की विरोधी नहीं हैं इसलिए विविधता का आदर करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी भाषा के प्रचार में फिल्मी गानों की अहम योगदान है, केरल जैसे गैर हिंदी भाषी राज्यों के लोग भी हिंदी फिल्मों के गीतों को समझते हैं और उन्हें गुनगुनाते भी हैं। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन के साथ विवादों के कारण चर्चा में रहे श्री खान का कहना है कि राज्यपाल का पद संवैधानिक है। राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहकर काम करना होता है।

श्री खान ने दुनिया की सबसे पहली पुस्तक ऋग्वेद को बताते हुए कहा कि इससे पहले सभी कुछ मौखिक था। इसी प्रकार अमीर खुसरो हिंदी के पहले कवि थे, जिनकी अनेक रचनाएं आज़ भी शादी विवाह के दौरान गाई जाती रही हैं।

हर भारतीय को दो भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, हिंदी को समृद्ध बनाना है तो देश के अन्य भाषाओं को भी आदर व सम्मान देना होगा।

केरल का एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन केरल में कही जा रहे थे। उनको एक हिंदी फिल्म का बहुचर्चित गीत सुनाई दिया। उत्सुकता हुई कि केरल में हिंदी का गीत कौन सुन रहा है। देखा कि एक दुकान पर वह फिल्मी गीत बज रहा था और वहां खड़े केरल के लोग उसका आनंद ले रहे थे। इससे साफ है कि हिंदी के प्रचार में हिंदी फिल्मों की अहम भूमिका है। उन्होंने लोगों से हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने की आह्वान किया।

विधान परिषद सदस्य तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र सिंह ने हिंदी को जन जन की भाषा बताते हुए कहा कि अगली पीढ़ी को वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच बनाने के लिए विश्व की अन्य भाषाओं का भी अध्ययन करना होगा। इस अवसर पर डॉ. यतींद्र कटारिया की पुस्तक हिंदी विश्व यात्रा और मैं का विमोचन भी किया गया ।महोत्सव में हिंदी साहित्यकारों व कवियों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से चेतन आनंद, राजेंद्र टंडन, अनुराग मिश्रा, वीपी चौधरी आदि शामिल रहे ।

चकबंदी कार्यों में यूपी सरकार ने बनाया 10 वर्षों का नया कीर्तिमान

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार अन्नदाताओं के हितों के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने पिछले वर्ष सितंबर माह में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान चकबंदी विभाग को किसानों के खेत की सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने, गांवों को विकास से जोड़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ देने एवं सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए निर्देश दिए थे। साथ ही, गांवों में ग्राम अदालत लगाकर वादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये थे। सीएम योगी की मॉनीटरिंग का ही नतीजा है कि योगी सरकार ने चकबंदी संबंधी कार्यों में पिछले एक वर्ष में 10 वर्षों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में आठ माह में प्रदेश के 40 जिलों के 82 ग्रामों में अब तक चकबंदी कराई जा चुकी है। वहीं पिछले वर्ष 2023–24 में प्रदेश के 74 जिलों के 781 गांवों में चकबंदी करायी गयी। इसके अलावा पिछले साल सितंबर से अब तक 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 25,523 वादों का निस्तारण किया जा चुका है।

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नदाताओं के खेत संबंधी विवादों को पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निपटाने के लिए चकबंदी कराने के निर्देश दिये थे।

उन्होंने इसके निस्तारण के लिए अभियान और ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में इस वित्तीय वर्ष में आठ माह में 40 जिलों के 82 ग्रामों में चकबंदी कराई जा चुकी है। वहीं 51 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया संभव न होने के कारण अधिनियम की धारा 6 (1) के तहत चकबंदी प्रक्रिया से अलग किया गया। इसी तरह वर्ष 2023–24 में 74 जिलों के 781 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें 330 ग्राम 10 वर्षों से अधिक अवधि के थे। वर्ष 2022–23 में 463 ग्रामों एवं 2021–22 में 231 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई, जो पिछले 10 वर्षों की तुलना में एक कीर्तिमान है। कुल मिलाकर वर्ष 2021–2022, 2022–23 तथा 2023–24 में 1475 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित 8 ग्राम, 30 वर्ष से 50 वर्ष तक लंबित 72 ग्राम और 10 वर्ष से 30 वर्ष तक लंबित 296 ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें आजमगढ़ के ग्राम महुवा और गोमाडीह में क्रमश: 63 वर्ष और 56 वर्ष से लंबित, विचाराधीन चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके अलावा गाजीपुर के ग्राम सवना व बरेजी चकबंदी प्रक्रिया 59 वर्षों एवं ग्राम बेलसड़ी की चकबंदी प्रक्रिया 55 वर्षों से विचाराधीन थी, जिसे पूरी किया गया।

चकबंदी आयुक्त ने बताया कि लखीमपुर खीरी के ग्राम सुआबोझ, सुल्तानपुर के ग्राम मालापुर जगदीशपुर, जौनपुर के ढेमा गांव में क्रमश: 53, 54 और 52 वर्ष से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरा किया गया। इसके अलावा सुल्तानपुर के ग्राम अन्दारापुर में 48 वर्षों, बरेली के ग्राम मो–हनपुर में 41 वर्ष, बिजनौर के ग्राम छाचरी टीप में 35 वर्षों, बदायूं के ग्राम रहेड़िया में 33 वर्षों, मऊ के ग्राम अल्देमऊ में 31 वर्षों, बुलंदशहर के ग्राम याकूबपुर व मुस्तफाबाद डडुवा में 30 वर्षों से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरी किया गया। इसके साथ ही कन्नौज में 1990 में अग्निकांड की वजह से 35 ग्रामों के अभिलेख जल गये थे, जिससे 34 वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया बाधित हो रही थी। इसमें नये अभिलेखों को तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। ऐसे में चकबंदी आयुक्त ने तत्कालीन अपर निदेशक चकबंदी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया। साथ ही समिति की संस्तुति के बाद 35 ग्रामों में से 8 ग्रामों को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में उनके अभिलेख सृजित किये गये। इनमें से दो गांव नन्दलालपुर व करनौली की चकबंदी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इतना ही नहीं पिछले वर्ष चकबंदी प्रक्रिया में शामिल लखीमपुर खीरी के ग्राम रामपुर मकरन्द की चकबंदी प्रक्रिया एक वर्ष और रामपुर के ग्राम चक रफतपुर में मात्र आठ माह में चकबंदी पूरी की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी संबंधी पुराने लंबित वादों को निस्तारित करने के लिए ग्रामों में ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद पिछले वर्ष सितंबर से अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया। इसके जरिये 25,523 वादों को निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा किसानों के हित एवं पारदर्शिता के मद्देनजर एआई, ब्लॉक चैन, ड्रोन एवं रोवर सर्वेक्षण आधारित चकबंदी संचालित करने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत आईआईटी रूड़की के साथ परीक्षण चल रहा है। इसके साथ ही जीआईएस बेस्ड सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप विकसित करने की भी कार्रवाई चल रही है। जल्द ही इन टेक्न–ोलॉजी का इस्तेमाल कर चकबंदी प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

मेरठ में 50 साल पुराना मकान ढहा, पूरा परिवार मलबे में दबा

सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान, बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मेरठ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में मेरठ की जाकिर कॉलोनी में भारी बारिश के बाद 50 साल पुराना तीन मंजिला मकान शनिवार को ढह गया, जर्जर हालत में होने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें पूरा परिवार मलबे में दब गया। आशंका है कि मलबे में आठ से ज्यादा लोग दबे हुए हैं।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर

दिया गया। हालांकि, शहर का पुराना और घनी आबादी वाला इलाका होने के कारण जेसीबी मशीनों को अंदर जाने में मुश्किल हुई है, जिससे बचाव कार्य में देरी हुई। मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा भी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम ने बचाव कार्यों में तेजी लाने को कहा है।

पुलिस के अनुसार, यह मकान 50 वर्षीय महिला नफो का था जो अपने दो बेटों और उनकी पत्नियों और बच्चों के साथ रहते थे। परिवार इसी मकान में डेयरी का कारोबार करता था और भैंसें निचली मंजिल पर बंधी हुई थीं, जहां डेयरी चलती थी। मकान के अचानक गिरने से भैंसें भी मलबे में दब गई। घटनास्थल पर दमकल विभाग की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि, शहर के पुराने और घनी आबादी वाले इलाके में जेसीबी मशीनों का पहुंचना मुश्किल हुआ है, जिससे बचाव कार्य में बाधा आई है। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मलबे को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है और मलबे में दबे लोगों को बचाने की पूरी कोशिश की जारी है।

नाबालिग संग दुष्कर्म के आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित

बलिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में बलिया जनपद के पकड़ी थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग के साथ तीन बदमाशों द्वारा कथित तौर पर हाथ पैर और मुंह बांधकर दुष्कर्म का प्रयास करने तथा धारदार हथियार से प्रहार कर उसे घायल करने के मामले में मुख्य आरोपी का स्केच बनावाकर उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने शनिवार को बताया कि मामले में किशोरी की मदद से मुख्य आरोपी का स्केच बनवाते हुए उसपर 25हजार का इनाम घोषित किया गया है।

आरोपी की सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्त–ारी के लिए टीम में गठित कर प्रयास किया जा रहा है।

पकड़ी थाने में दर्ज मुकदमे के अनुसार जिले के पकड़ी थाना क्षेत्र की एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी गत 12 सितंबर को जब परीक्षा देकर विद्यालय से घर लौट रही थी। तभी रास्ते में पहले से ही घात लगाकर बैठे तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे पकड़ लिया तथा नहर में ले जाकर उसके दुपट्टे से हाथ पैर और मुंह बांधकर उसके पैरों को पैर से दबाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। किशोरी द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने उसके पेट पर धारदार हथियार से प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके उपरांत बदमाश किशोरी को नहर में फेंक कर वहां से फरार हो गए।

घटना के बाद स्थानीयों द्वारा उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी के पिता की तारीफ पर मामले में तीन अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 151 (2), 118 (1), 352, 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7 व 8 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

भदोही में सपा विधायक और उनकी पत्नी के खिलाफ एफआईआर

नाबालिग नौकरानी ने आवास पर की थी खुदकुशी

भदोही, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग के घर बतौर नौकरानी का काम करते बरामद की गई नाबालिग किशोरी के मामले में श्रम विभाग ने सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर विधायक व उनकी पत्नी के खिलाफ शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह ने बताया कि भदोही विधायक जाहिद बेग के पैतृक आवास पर विगत दिनों एक नाबालिग किशोरी का रहस्य में परिस्थितियों में शव बरामद हुआ था। मामले की जांच के लिए विधायक के घर पहुंची पुलिस, श्रम विभाग व किशोर न्याय पीठ (सीडब्ल्यूसी) की संयुक्त टीम ने पाया कि उनके घर पर एक अन्य नाबालिग किशोरी भी बतौर नौकरानी काम कर रही थी। टीम उसे कोतवाली ले आई जहां मेडिकल परीक्षण के बाद उसे नारी संरक्षण निकेतन प्रयागराज भेज दिया गया। बताया गया कि विधायक के घर बरामद किशोरी की उम्र 17 वर्ष के आसपास है, जो पिछले कई वर्षों से विधायक यहां रहकर घर का काम करती थी। किशोरी ने सीडब्ल्यूसी के सामने दिए अपने बयान में आरोप लगाया कि विधायक जाहिद बेग व उनकी पत्नी सीमा बेग उसके साथ अक्सर मारपीट किया करती थी। मजदूरी मांगने पर डाटा फटकारा जाता था जिससे वह मानसिक यातनाओं के बीच विधायक के यहां रहकर जीवन यापन कर रही थी। किशोरी के मेडिकल परीक्षण के बाद रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी उम्र 17 वर्ष के आसपास है। मामले में सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर विधायक जाहिद बेग व उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ शहर कोतवाली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह की तहरीर पर पुलिस भारतीय न्याय संहिता– 2023 की धारा 143 (4), 143 (5), किशोर न्याय की धारा 79, 4 व 16 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

क्या आप जानते हो

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

आकर्षक उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के

दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

सौरमंडल में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

रंगोली के रंग

रंगोली धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

रंगोली की आकृतियां

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

आप भी बनाएं रंगोली

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?
दुकानदार- एक रुपए का एक।
संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?
दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।
संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

जुगनू कैसे चमकते हैं?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

नकली हीरा

एक दिन बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

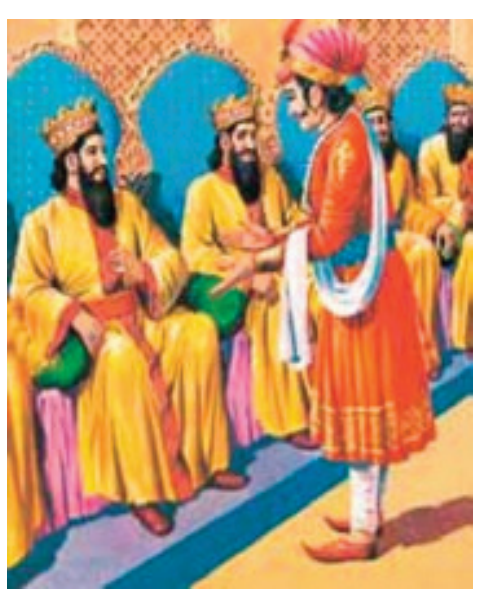

रंग भरो

समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रूपए) में खरीदे।

घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

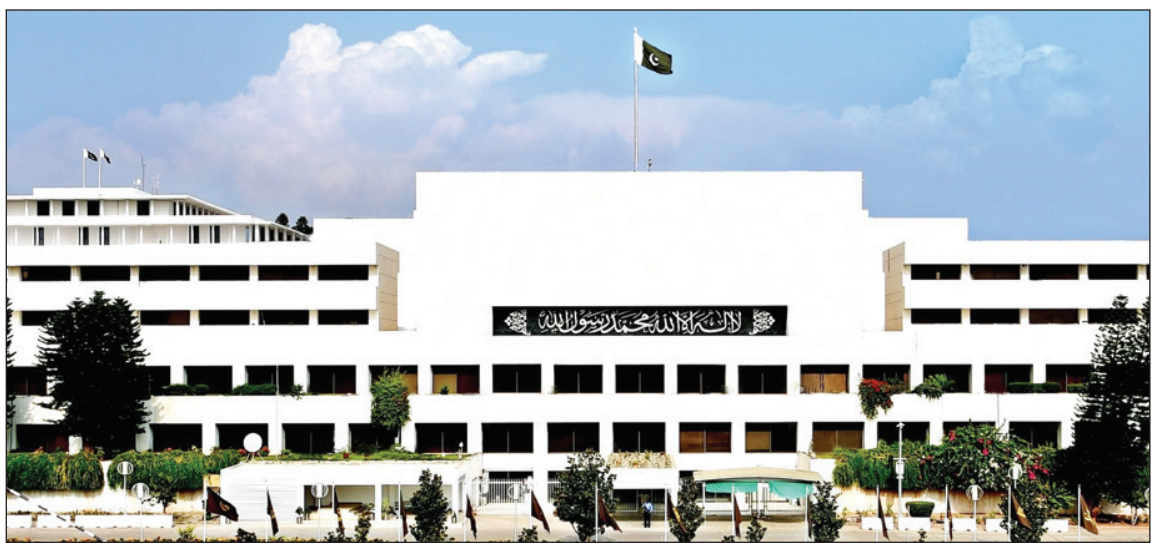

पाकिस्तान में नेशनल अंसेबली के 20 सदस्य संसदीय सचिव नियुक्त

इस्लामाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसदीय कार्यवाही की प्रभावशीलत बढ़ाने के लिए नेशनल असेंबली के 20 सदस्यों को संसदीय सचिव नियुक्त किया है।

प्रधानमंत्री शरीफ ने नवनियुक्त सचिवों की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते उम्मीद जताई है कि इससे विधायी कामकाज सुचारू होगा। साजिद मेहदी, अहमद अतीक, अनवर उसामा, सरवर, मियां खान बुगती, आमिर तलाल खान, फराह नाज अकबर, शिजा मंसब, अली खान, सबा सादिक, डेनियल चौधरी, किरण इमरान डार, डॉ. दानिश , वजीहा कमर, मुहम्मद उस्मान ओवेसी, शाहिद उस्मान और अनवारुल हक चौधरी को संसदीय सचिव बनाया गया है।

इस कदम को शासन को मजबूत करने और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार करने की सरकार की व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

इससे पहले 12 सितंबर को नेशनल असेंबली में पारित एक प्रस्ताव के जवाब में स्पीकर अयाज सादिक ने सदन के भीतर मुद्दों के समाधान के लिए 18 सदस्यीय विशेष समिति की स्थापना की।

विशेष समिति में उप प्रधानमंत्री सीनेटर इशाक डार, रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, खुर्शीद अहमद शाह, नवीद कमर और खालिद मकबूल सिद्दीकी को शामिल किया गया।

न्यूज ब्रीफ

बलूचिस्तान में आदिवासियों की गोलीबारी में दो जवान मारे गए

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले के दरिनगढ़ इलाके में लेवी स्टेशन के पास शुक्रवार को आदिवासियों के एक समूह की गोलीबारी में लेवी फोर्स के दो जवान मारे गए। इस गोलीबारी में एक वरिष्ठ अधिकारी सहित तीन अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, कलात में सड़क किनारे हुए विस्फोट में आठ सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। खबर के अनुसार, गोलीबारी का कारण एक आदिवासी बुजुर्ग के भाई की गिरफ्तारी बताई जा रही है। इस गिरफ्तारी के विरोध में क्वेटा-नोशकी राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया था। इस दौरान लेवी फोर्स के जवानों को निशाना बनाया गया। मस्तुंग के डिप्टी कमिश्नर ने बताया है कि गोलीबारी में दो लेवी कर्मचारियों की जान चली गई। लेवी स्टेशन के एसएचओ सहित तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को तुरंत नवाब गौस बख्श रायसानी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। उल्लेखनीय है बलूचिस्तान पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से सटा है। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा शहर बोलन दर्रे के मार्ग पर स्थित है।

कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र बैठक में शांति के महत्व पर दिया जोर

नोम पेन्ह। दुनिया के पटल पर कंबोडियन ने अपनी बात रखते हुए साफ कहा कि दुनिया शांति स्थापित होना चाहिए। कंबोडियन प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शांति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ने के लिए तैयार है कि शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि सभी के लिए स्थायी वास्तविकता बन जाए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से न्यूयॉर्क में आयोजित भविष्य के शिखर सम्मेलन में दिए गए एक पूर्व-रिकॉर्डेड भाषण में हुन मैनेट ने कहा कि शांति वह नींव है, जिस पर प्रगति का निर्माण किया गया। उन्होंने कहा हमारा इतिहास दिखाता है कि शांति के बिना, गरीबी खत्म करना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, जलवायु परिवर्तन से निपटना और सतत आर्थिक विकास हासिल करना जैसे लक्ष्य कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं। मानेट ने कहा कि कंबोडिया को दुनिया में शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर गर्व है और 2006 के बाद से, दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने 11 संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 9,000 से अधिक शांति सैनिकों को भेजा है, जिनमें 800 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा,हमारी टीमें महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण रही हैं, खासकर बारूदी सुरंगों को नष्ट करने के प्रयासों में। ये योगदान न केवल वैश्विक शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, बल्कि दुनिया भर में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने में समावेशी भागीदारी के महत्व को भी उजागर करते हैं।

अमेरिकी अधिकारी ब्रेंट नीमन ढाका पहुंचे, होगी अंतरिम सरकार के प्रमुख से भेंट

ढाका। अमेरिका के सरकारी अधिकारी ब्रेंट नीमन बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। ढाका में हवाई अड्डे पर ब्रेंट नीमन का स्वागत बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के महानिदेशक (उत्तरी अमेरिका) खंडकेर मसूदुल आलम ने किया। अर्थशास्त्री ब्रेंट नीमन राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में अंतरराष्ट्रीय वित्त और विकास के लिए ट्रेजरी के कार्यवाहक सहायक सचिव के रूप में कार्य करते हैं। इस यात्रा के उद्देश्य पर बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश बहुआयामी चर्चा के लिए उत्सुक है। आठ अगस्त को मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद यह किसी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की पहली यात्रा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल रविवार सुबह मुख्य सलाहकार प्रो. मुहम्मद यूनुस से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल की विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद से भी मुलाकात होगी। प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका और बांग्लादेशी अधिकारी इस बात पर चर्चा करेंगे कि संयुक्त राज्य अमेरिका बांग्लादेश की आर्थिक वृद्धि, वित्तीय स्थिरता और विकास आवश्यकताओं का समर्थन कैसे कर सकता है।

बांग्लादेशी हिंदुओं ने यूनुस सरकार को चेताया कहा- हम किसी भी हाल में कहीं नहीं जाएंगे

ढाका, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर हजारों की संख्या में हिंदू ढाका और चटगांव की सड़कों पर आंदोलन किया। सरकार से हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की है।

बारिश के बावजूद उन्होंने आठ सूत्री मांगों वाले पोस्टर लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने हमलावरों को फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल के ज़रिए सजा देने की मांग भी की। चटगांव में हिंदुओं ने अल्पसंख्यक मामलों से निपटने के लिए एक अलग मंत्रालय और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें सहित कई मांगे सरकार से की है।

ढाका में भी प्रदर्शनकारियों ने शाम 4.30 बजे के आसपास इसी तरह की मांगों के साथ ऐतिहासिक शाहबाग चौराहे को घेर लिया। सुरक्षा बलों की निगरानी में सनातनी अधिकार आंदोलन के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कई हिंदू संगठन शामिल हैं। चटगांव में महिलाओं सहित प्रदर्शनकारी जमाल खान क्षेत्र में एकत्र हुए और दोपहर 3 बजे से प्रदर्शन किया। खुद को बंगाली (बांग्लादेश के मूल निवासी) बताते हुए उन्होंने घोषणा की कि वे इस भूमि को नहीं छोड़ेंगे।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने मीडिया की भूमिका पर नाराजगी व्यक्त की क्योंकि उनकी आवाज मुख्यधारा के मीडिया आउटलेट के माध्यम से नहीं सुनी जाती है। एक ने अधिकारियों से अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में दैनिक प्रोथोम अलो की रिपोर्टों पर ध्यान देने का आग्रह किया। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा टेलीविजन पर दिए गए भाषण में राष्ट्र को संबोधित करते हुए यह यह कहा गया था कि किसी को भी धार्मिक सद्भाव को ठेस पहुंचाने वाला कुछ भी काम नहीं करना चाहिए।

इसके दो दिन बाद हिंदुओं ने वहां आंदोलन किया। हिंदू प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक वे अपने घर नहीं लौटेंगे। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए मुआवज़ा और पुनर्वास की भी मांग की है। टारगेट किलिंग, लूटपाट और संपत्तियों के विनाश का ज़िक्र करते हुए उन्होंने एक अलग अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम की भी मांग वहां की वर्तमान सरकार से की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी के एजेंट के रूप में काम नहीं कर रहे हैं।

बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री कमाल का बेटा ज्योति गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल के बेटे सफी मुद्दस्सिर खान ज्योति को शुक्रवार देररात को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी आशुलिया थाने में दर्ज एक मामले में की गई है। खबर के अनुसार, ढाका जिला पुलिस अधीक्षक अहमद मुईद ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कमाल के बेटे ज्योति को रात साढ़े तीन बजे गिरफ्तार किया गया। उसे आज ही अदालत में पेश किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी नेताओं और उनके परिजनों की धरपकड़ तेज हो गई है।हालात ऐसे हो गए कि हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत आना पड़ा।

जापान के प्रधानमंत्री की रेस में सबसे आगे हैं महिलाएं

टोक्यो, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

जापान में फुमियो किशिदा के इस्तीफे के बाद नए प्रधानमंत्री की तलाश शुरु हो गई है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के रेस से पीछे हटने के बाद यह दौड़ और भी खुली हो गई है। लेकिन पीएम की रेस में दो महिला उम्मीदवार सबसे आगे बताई जा रही हैं। जापान के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जब दो महिलाएं प्रधानमंत्री पद की रेस में फ्रंट रनर हैं। इनमें एक का नाम है साने ताकाइची जो फिलहाल जापान की सुरक्षा मंत्री और दूसरी का नाम है योको कामिकावा जो जापान की विदेश मंत्री हैं।

कामिकावा एक थिंक-टैंक शोधकर्ता थीं, जिनका कोई राजनीतिक संबंध नहीं था, जो इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए संसद में प्रवेश करना चाहती थीं। टोक्यो विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक होने के बाद, कामिकावा कुछ भी कर सकती हैं ऐसा उन्होंने सोचा। उन्हें राजनीति, जो लंबे समय से राजनीतिक परिवारों के पुरुषों का क्षेत्र रही है, बर्बाद करने जैसी लगती थी। कामिकावा को साल 2000 में जापान के निचले सदन में अपनी पहली सीट जीतने के लिए सात साल और दो चुनाव लगे।27 सितंबर को प्रधानमंत्री चुन लिया जाएगा। मगर ये चयन जनता नहीं वह पार्टी करेगी जो अभी सत्ता में है। जापान में फिलहाल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की सरकार है। जिसका यह आंतरिक चुनाव होगा। लेकिन उन दो महिला उम्मीदवारों की चर्चा ज्यादा हो रही है जो प्रधानमंत्री की रेस में आगे हैं। हाल ही में हुए जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, वर्तमान में आर्थिक सुरक्षा मंत्री ताकाइची प्रमुख दावेदारों में से एक हैं। वह यासुकुनी तीर्थस्थल पर अक्सर जाती हैं, जिसे जापान के पड़ोसी देश अतीत के सैन्यवाद का प्रतीक मानते हैं। 63 साल की ताकाइची के साथ खास बात यह है कि अगर वह पार्टी का आंतरिक चुनाव जीतती हैं तो जापान की वह पहली महिला प्रधानमंत्री होंगी। हालांकि, अभी उनकी राह में कई रोड़े हैं।

पाकिस्तान में मकान की छत गिरी परिवार के पांच सदस्यों की मौत

इस्लामाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार देरबाद आए आंधी-तूफान के दौरान एक मकान की छत भरभरा कर ढह गई। इस हादसे में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई।

अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह हादसा चारसद्दा जिले के तुरंगजई के खट्ट कोरना इलाके में हुआ। मृतकों में साजिद, उनकी पत्नी और तीन बच्चे शामिल है। इन बच्चों में आठ वर्षीय मोसा और सात वर्षीय हनीफा भी हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इसी प्रांत के दिजकोट पुलिस स्टेशन की सीमा में एक जर्जर मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के आठ सदस्य घायल हो गए थे। एक अन्य घटना में टांडो एडम में मोहम्मद रहीम मालोखानी गांव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय की छत का प्लास्टर गिरने से आठ बच्चे घायल हो गए थे।

किरकुक में आईएस ने किया हमला, दो अधिकारियों की मौत

बगदाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तरी इराक का प्रांत किरकुक में चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों के हमले में दो सैन्य अधिकारी मारे गए और तीन सैनिक घायल हो गए। किरकुक पुलिस के सलाम अल-ओबैदी ने बताया कि यह हमला सुबह उस समय हुआ, जब आईएस आतंकवादियों ने प्रांतीय राजधानी किरकुक के उत्तर-पश्चिम में स्थित डिबिस शहर के पास एक सैन्य गश्ती दल पर गोलीबारी की, जो राजधानी बगदाद से लगभग 250 किमी उत्तर में है। बता दें कि 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि, आईएस के बचे हुए लोग शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ इलाकों में घुस आए हैं और सुरक्षाबलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

इराकी सेना ने कहा कि 29 अगस्त को पश्चिमी इराक के अनबर रेगिस्तान में आईएस ठिकानों को निशाना बनाकर मारे गए 14 आतंकवादियों में से कई वरिष्ठ आईएस नेताओं की पहचान हुई है। इराकी संयुक्त ऑपरेशन कमांड से संबद्ध मीडिया आउटलेट, सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार, 14 शवों के डीएनए परीक्षण से पता चला कि इराक में आईएस समूह के शीर्ष नेता अहमद हामिद ज्वैन, जिसे उसके उपनाम अबू सिद्दीक या अबू मुस्लिम के नाम से जाना जाता था, वो शामिल था। वहीं आईएस के हथियार विकास और विनिर्माण के प्रमुख अबू अली अल-तुनीसी भी शामिल था। बयान में कहा गया है कि मरने वालों में समूह के दक्षिणी क्षेत्र के नेता और अनबर प्रांत में इसके स्थानीय नेता अबू हम्माम और कई अन्य सैन्य, संचार और वित्तीय अधिकारी भी शामिल हैं।

नेपाल में डेटिंग ऐप के जरिए ठगी करने वाले चीनी नागरिक के कॉल सेंटर पर छापा, 50 गिरफ्तार

काठमांडू, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का धंधा चलाने वाले दो चीनी नागरिकों के कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 40 लड़कियों को गिरफ्तार किया। इनसे पूछताछ के बाद काठमांडू के विभिन्न स्थानों से दो चीनी नागरिकों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इस मामले में अब तक कुल 50 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ठगी करने के लिए चीनी नागरिकों ने क्रिप्टो करेंसी को माध्यम बनाया था। कॉल सेंटर चलाने के लिए काठमांडू में एक तीन मंजिला पूरा घर ही किराए पर लिया गया था।

सीआईबी के प्रवक्ता एवं एसपी हविंद्र बोगटी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीते बुधवार को काठमांडू के एकता बस्ती के एक मकान में अवैध गतिविधियों की सूचना पर छापेमारी की गई थी।

नेपाल में पहले ही पुलिस की निगरानी में रहे दो चीनी नागरिकों के द्वारा मकान किराए पर लेकर वहां से कॉल सेंटर संचालित किए जाने की जानकारी मिली थी। बुधवार रातभर छापेमारी की गयी और अगले तीन दिनों में पुलिस ने पूरे मामला का खुलासा किया। जिन दो चीनी नागरिकों के द्वारा यह कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था वे पहले से ही नेपाल में अवैध गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। इसके पहले नेपाल से भाग कर वे दुबई चले गए थे।

दुबई में भी अवैध गतिविधियां संचालित करने के कारण वहां से उन्हें डिपोर्ट कर दिया गया था। दोबारा नेपाल आकार ये लोग फिर से पुराने धंधे में सक्रिय हो गए थे।

पकड़े गए लोगों से पूछताछ के बाद यह पता लगा कि यहां अलग-अलग नामों से डेटिंग ऐप के जरिए अमेरिका, यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में रह रहे लोगों को फंसाया जाता था।

उसके बाद उनसे अलग-अलग ई-वालेट के जरिए डॉलर, पाउंड और यूरो जमा कराया जाता था।

इस तरह से जमा रकम को क्रिप्टो के जरिए विभिन्न कारोबार में लगाए जाने का खुलासा हुआ है। जांच में यह भी पता चला है कि बंबल, मुस्लिमा, इंशाहा, सालेम, मुज, एकुपेड, अलखताबाज जैसे डेटिंग ऐप के जरिए पुरुषों को फंसाया जाता था।

इसके लिए नेपाल में 40 से अधिक युवतियों को नौकरी पर रखा गया था। इनका टारगेट अधिकतर मुस्लिम युवक हुआ करते थे। इनको डेटिंग ऐप के जरिए फंसा कर इनसे बिनांस और ट्रस्ट जैसे ई-वॉलेट पर विदेशी मुद्रा जमा कराया जाता था।

नेपाल में संचालित कॉल सेंटर रात के 9 बजे से सुबह 5 बजे तक चलाया जाता था और दिन भर बंद रखा जाता था। जिस समय सीआईबी ने वहां छापा मारा था उस समय करीब 40 युवतियां वहां काम कर थीं। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया था।

उनके बयान के आधार पर अगले दो दिनों में दो चीनी नागरिक और एक फिलिपींस की महिला सहित कुल 10 लोगों को पुलिस ने काठमांडू के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया। सीआईबी प्रवक्ता बोगटी ने बताया कि पकड़े गए चीनी नागरिक की पहचान थिंग छियोंग और ली किंगिंग के रूप में हुई है।

इसी तरह इनके अनुवादक का काम करने वाली फिलिपींस की नागरिक हानीपा सिंसुअत को भी गिरफ्तार किया गया है। इनको नेपाल में सहयोग करने वाले 7 अन्य नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है।

लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

कार्डिफ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी लियाम लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क (50) के पहले अर्धशतक और जोश इंग्लिस के 26 गेंदों पर 42 रनों की

इंग्लैंड ने 3 टी-20 मैचों की श्रृंखला में की 1-1 से बराबरी

तेज पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और कप्तान ट्रेविस हेड ने 31 रन बनाए। अंत में आरोन हार्डी ने 9 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेली।

इंग्लैंड के लिए लिविंगस्टोन और ब्रीडन कार्स ने 2-2 और सैम करन, आदिल राशिद ने 1-1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम एक समय 79 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन यहां से लिविंगस्टोन (47 गेंदों पर 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों पर 44 रन) के बीच केवल 47 गेंदों पर 90 रनों की साझेदारी ने उन्हें वापस मैच में ला दिया और इंग्लैंड ने 1ओवर शेष रहते 194 रन बनाकर 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इंग्लिश कप्तान फिलिप शॉर्ट ने भी 39 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट ने 5 विकेट लिए, जबकि सीन एबॉट ने 2 विकेट झटके।

दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी-20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

इंटर मियामी के लिए वापसी को तैयार लियोनेल मेसी

वाशिंगटन। लियोनेल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक बाहर रहने के बाद इस सप्ताह के अंत में इंटर मियामी के लिए एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने की चोट के बाद से नहीं खेला है। हालांकि वह पूर्ण प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और शनिवार को फिलाडेल्फिया के खिलाफ इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उनका खेलना तय है। इंटर मियामी के प्रबंधक गेरार्डो मार्टिनो ने संवाददाताओं से कहा, हां, वह ठीक हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है। प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध हैं। मेसी के नाम इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर मैचों में 12 गोल और 13 सहायता हैं। मार्टिनो आठ बार के बैलन डी ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से चिंतित नहीं थे, उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मात्र से फ्लोरिडा टीम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मार्टिनो ने कहा, अपनी टीम के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का वापस स्वागत करना, जो पहले से ही अच्छे प्रदर्शन पर थी, हम सभी को बहुत खुशी हो रही है। इंटर मियामी वर्तमान में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है।

इंडिया अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ियों को सूर्यकुमार ने दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी20 के मास्टर सूर्यकुमार यादव इंडिया अंडर-19 टीम के

खिलाड़ियों से बेंगलुरु के एनसीए में मिले। एनसीए में युवा खिलाड़ियों को कैंप चल रहा है। इंडिया अंडर-19 टीम 21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम से वनडे में भिड़ेगी। इस सीरीज से पहले सूर्या ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया। सूर्यकुमार ने खिलाड़ियों को अपने कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, एकजुट होने और प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान देने के लिए टिप्स दिए। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के टी20 कप्तान बने सूर्यकुमार यादव ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की। एनसीए के सूत्र ने बताया कि सूर्यकुमार ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें। आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आपमें से हरेक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करना। प्रक्रिया और दिनचर्या पर ज्यादा ध्यान देना। परिणाम खुद ही आपके अनुकूल होगा।

सैमसन नहीं टिक सके युवा तेज गेंदबाज के सामने, आकिब की खूब हो रही तारीफ भारत को मिल सकता है दूसरा भुवि

नई दिल्ली। इंडिया टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज संजू सैमसन पहली बार दलीप ट्रॉफी 2024 में खेल रहे

हैं। वह इंडिया-डी की ओर से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पहली पारी में संजू सैमसन ने छह गेंदों पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने आउट किया। 20 साल के इस युवा गेंदबाज का नाम इससे पहले शायद ही किसी ने सुना हो। खेल के तीसरे दिन इंडिया-डी ने 33 रन पर अपना तीसरा विकेट गंवा दिया। इसके बाद संजू सैमसन उतरे। उन्होंने आते ही बाउंड्री लगा दी लेकिन फिर हुआ वही जिसका डर था। संजू सैमसन युवा पेसर आकिब खान की गेंद को पुल करना चाहते थे लेकिन, गेंद हवा में उछल गई। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की। आकिब की गेंद पर संजू आउट हो गए। अब आकिब खान की खूब तारीफ हो रही है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब खान का जन्म 25 दिसंबर 2003 को पश्चिमी यूपी के सहारनपुर जिले के संसारपुर में हुआ था। गरीब परिवार से तालुक रखने वाले इस गेंदबाज ने अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की थी। इसके बाद भारतीय चयनकर्ताओं का ध्यान इस प्रतिभावान पेसर आकिब पर गया। आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस टीम के आकिब नेट बॉलर रह चुके हैं। यूपी टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसके बाद मुंबई ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया था। आकिब खान को यूपी का दूसरा भुवनेश्वर कहा जा रहा है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024

भारत का विजय अभियान बरकरार पाकिस्तान को 2-1 से हराया

हुलुनबुइर, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने यहां शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। मैच में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13वें, 19वें मिनट) ने दोनों गोल दागे जबकि पाकिस्तान की ओर से एक मात्र गोल नदीम अहमद (8वें मिनट) ने किया। भारत की यह इस टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब टीम सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

मैच में पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गोल किया। आठवें मिनट में नदीम अहमद ने पाकिस्तान के लिए पहला गोल किया और 1-0 की बढ़त ले ली। हालांकि भारतीय टीम ने वापसी की और 13वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। अंतिम मिनटों में काफी संघर्ष देखने को मिला लेकिन कोई भी टीम मौके नहीं बना सकी और पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और 19वें मिनट में एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत ने गोल कर भारतीय टीम को 2-1 से आगे कर दिया। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे रही। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिश की लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पाकिस्तान ने कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने पाकिस्तान को बराबरी का गोल करने से रोक दिया और क्वार्टर का अंत 2-1 की बढ़त के साथ किया।

भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस ने रोक दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में पाकिस्तानी खिलाड़ी राना वहीद को यलो कार्ड मिला और पाकिस्तान को 10 खिलाड़ियों के साथ आखिरी 10 मिनट खेलना पड़ा। हालांकि मैच समाप्त होने के दो मिनट पहले भारत के मनप्रीत सिंह को भी यलो कार्ड मिला और इसके साथ दोनों टीमें 10-10 खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गईं। मैच के खत्म होने से डेढ़ मिनट पहले भारतीय टीम को पेनल्टीकॉर्नर मिला लेकिन वो गोल में तब्दील नहीं हो सका। गत चैंपियन भारतीय टीम ने टूर्नामेंट को पसंदीदा के रूप में खेला है और प्रत्येक मैच जीता है। भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराया, दूसरे मैच में जापान को 5-1 से हराया, तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 से हराया और चौथे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। अब पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलने उतरेगा।

शतरंज ओलंपियाड

पुरुषों ने दर्ज की तीसरी जीत महिलाओं ने हरिका की हार के बाद भी जीता राउंड

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

शुक्रवार रात बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने तीसरे दौर में जीत दर्ज की। तीसरे दौर में पुरुषों ने मेजबान हंगरी-बी को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिलाओं ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया।

द्रोणावल्ली हरिका की हार टूर्नामेंट में किसी भारतीय खिलाड़ी की पहली हार थी। उन्हें शीर्ष बोर्ड पर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने हराया, जिन्होंने अतीत में रूस का प्रतिनिधित्व किया था।

अन्य सभी भारतीय महिलाओं ने जीत हासिल की, दूसरे बोर्ड पर आर. वैशाली ने ग़ज़ल हकीमीफर्ड को, तीसरे पर दिव्या देशमुख ने सोफिया ह्रीज़लोवा को और चौथे पर वंतिका अग्रवाल ने मारिया मानको को हराया। ओपन वर्ग में भारत का शत-प्रतिशत रिकॉर्ड मेजबान देश की दूसरी टीम ने तोड़ा। पहले कुछ दिनों में अपने सभी आठ गेम जीतने के बाद, दूसरे वरीय भारत को आधा अंक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि विदित गुजराती को गैबोर पप्प ने चौथे बोर्ड पर ड्रॉ पर रोक दिया था, जिसे 170 एलो अंक से नीचे रेटिंग दी गई है।

लेकिन, डी. गुकेश, आर. प्रगनानंद और अर्जुन एरिगैसी की शानदार युवा तिकड़ी की जीत हुई, जिन्होंने क्रमशः एडम कोज़ाक, तमस बानुस्ज़ और पीटर प्रोहाज़्का पर जीत हासिल की।

डायमंड लीग फाइनल 2024: पुरुषों की 3000 स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे साबले

नई दिल्ली।

अविनाश साबले शनिवार को ब्रुसेल्स के किंग बौडॉइन स्टेडियम में डायमंड लीग 2024 फाइनल में 3000 मीटर पुरुषों की स्टीपलचेज़ में 8:17.09 के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे।

केन्या के अमोस सेरेम फिनिश लाइन (8:06.90) को पार करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जबकि पसंदीदा मोरक्को के सौफियान एल बक्काली 8:08:60 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई 8:09.68 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

3000 मीटर स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले, दो बैठकों में तीन अंकों के साथ समग्र डायमंड लीग स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर रहे। हालाँकि, उनसे उच्च रैंक वाले चार एथलीट - इथियोपिया के लामेचा गिरमा (घायल), न्यूजीलैंड के जियोर्डी बीमिश, जापान के रयुजी मुरा और यूएसए की हिलेरी बोर - हट गए, जिससे सेबल को सीजन फाइनल के शीर्ष 12 में भाग लेने की अनुमति मिली। 29 वर्षीय खिलाड़ी 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ छठे स्थान पर रहे थे। वह 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 8:29.96 के समय के साथ 14वें स्थान पर थे। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में, साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फ़ाइनल में 8:14.18 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे।

बांग्लादेश संभावित रूप से अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों के लिए करेगा दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी

ढाका, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टोग्राम में खेले जाने की संभावना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी।

उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा। हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएँ नहीं हैं। एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है। बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे।

दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा। 3 नवंबर.

बीसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे।

हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था।

आईएसएलः अपने पहले मुकाबले में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगा बेंगलुरु एफसी

बेंगलुरू, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

बेंगलुरू एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 2024-25 में शनिवार रात अपना पहला मैच ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगी। यह मुकाबला यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेला जाएगा। बेंगलुरू का मजबूत ओपनिंग मैच रिकॉर्ड है, क्योंकि टीम अब तक अपना पहला मैच केवल एक बार हारी है। उन्हें वो हार पिछले सीजन में मिली थी जब वे केरला ब्लास्टर्स एफसी से 1-2 से हारे थे।

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी ब्लूज के खिलाफ लगातार गोल कर रही है, उसने अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में गोल दागे हैं और तीन जीत हासिल की है। लेकिन यह भी तथ्य है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अच्छी शुरुआत नहीं करती है। उसने कभी भी अपना पहला आईएसएल मैच नहीं जीता है और वो इसे बदलना चाहेगी।

बेंगलुरू एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने पिछले सीजन के मध्य में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनकी देखरेख में ब्लूज ने चार क्लीन शीट रखी थी, लेकिन पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रहे थे। लिहाजा ब्लूज को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है।

कोच ने कहा, जिन खिलाड़ियों को हम चाहते थे, उनको अनुबंधित किया गया। खेल निदेशक और मालिकों ने अपना काम कर दिया है और अब हमारी बारी है। प्रशिक्षण, फिटनेस और रणनीति के मामले में हमारा प्री-सीजन बढ़िया रहा।

कार्लेस कुआड्राट पिछले सीजन में ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े थे और उनकी देखरेख में, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड डूरंड कप के फाइनल में पहुंची और सुपर कप जीती, जिससे उसे एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हालांकि, आईएसएल में टीम की स्थिति सीजन से 2022-23 नहीं बदली है, क्योंकि वो सात क्लीन-शीट रखने के बावजूद नौवें स्थान पर रही।

कार्लेस ने कहा, हम एक टीम बना रहे हैं और पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए हमने नए खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे कि हम अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। साथ ही, हमने युवाओं को अवसर दिए हैं। कुछ ने डेब्यू सीजन में गोल करने में सहायता की थी या फिर गोल किए थे। इस बार वे लीग के लिए अधिक तैयार हैं।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान हुए जारी

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने शनिवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए। रिपोर्ट में चोरी के पैटर्न का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही जीएसटी चोरी और रणनीतिक प्रवर्तन के महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डाला गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तरफ से शनिवार को 'एक्स' पोस्ट में बताया गया है कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए हैं। इस रिपोर्ट को सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने डीजीजीआई सदस्य अनुपालन प्रबंधन राजीव तलवार एवं अन्य की उपस्थिति में जारी किया। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन सिलीगुड़ी में शुरू हुआ। इसका उद्घाटन अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कर प्रवर्तन, उभरते कर चोरी क्षेत्रों की पहचान और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सीईएसटीएटी, डीजीएआरएम, प्रवर्तन निदेशालय, एनएफएसयू, आई4सी, डीओटी और जीएसटीएन के प्रतिष्ठित आमंत्रितों के सत्र होंगे, जिनमें उन्नत डिजिटल फोरेंसिक, एनसीआरपी, बीआईएफए और सफल जांच जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) वित्त मंत्रालय के अधीन एक कानून प्रवर्तन एजेंसी है। यह एजेंसी भारत में कर चोरी से लड़ने के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना 1979 में कर चोरी विरोधी महानिदेशालय के रूप में की गई थी, जिसे बाद में नाम बदल कर केंद्रीय उत्पाद शुल्क खुफिया महानिदेशालय कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जम्मू कश्मीर...

परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए। 2014 में सरकार में आने के बाद मैंने जम्मू-कश्मीर में नौजवानों की नई लीडरशीप को आगे लाने का प्रयास किया है। फिर 2018 में यहां पंचायत के चुनाव कराए गए, 2019 में बीडीसी के चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी के चुनाव कराए गए। ये चुनाव इसलिए कराए गए ताकि जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेसी ग्रासरूट तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पीसते रहे। परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू कश्मीर में नए नेतृत्व को कभी उभरने ही नहीं दिया।पीएम मोदी ने कहा, इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे। और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया।जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि एक सुरक्षित जम्मू कश्मीर का निर्माण करेंगे। यह चुनाव जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा। पीएम ने कहा कि मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद का बदला आपके और देश के लिए दोगुनी और तिगुनी मेहनत से चुकाऊंगा। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे और यह मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने डोडा से ही पूरे चिनाब घाटी के आठ विधानसभा सीटों डोडा, डोडा पश्चिम, भद्रवाह, किश्तवाड़, इंद्रवल, पाडर-नागसेनी, रामबन और बनिहाल के प्रत्याशियों के लिए समर्थन की लोगों से अपील की। इन आठ सीटों के लिए 18 सितंबर को मतदान होना है। 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री ने किश्तवाड़ में रैली की थी। डोडा के लोग चाहते थे कि प्रधानमंत्री उनके इलाके में आएं ताकि वे उन्हें देख सकें। मोदी की रैली से केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान को और बल मिलेगा। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली चुनावी रैली शनिवार को डोडा में हुई।डोडा जिला 2014 के विधानसभा चुनाव में तब सुर्खियों में आया जब यहां पहली बार भाजपा का कमल खिला। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद भाजपा को यहां जीत मिली। अब 10 साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव में परिस्थितियां बदली हैं। अनुच्छेद 370 और 35ए समाप्त हो गया है। 2014 तक जिले में डोडा और भद्रवाह, दो सीटें थीं। दोनों पर 2014 में कमल खिला। अनुच्छेद 370 हटने के बाद परिसीमन हुआ तो डोडा की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर अब डोडा और डोडा पश्चिम सीट का गठन किया गया है। दोनों सीटों पर जातीय समीकरण तो नहीं है, पर हिंदू और मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण पर ही जीत-हार का फैसला होने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, पर डोडा सीट पर दोनों पार्टियां लड़ रही हैं। नेकां और पीडीपी की ओर से अनुच्छेद 370 की बहाली की गारंटी के बाद भाजपा इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। डोडा पश्चिम सीट पर हिंदू वोटर 60-65 फीसदी, तो मुस्लिम 30-35 फीसदी हैं। यहां अनुसूचित जाति के 16 प्रतिशत वोटर हैं। इसके विपरीत डोडा में 25-26 फीसदी हिंदू और शेष मुस्लिम मतदाता हैं। लेकिन, यहां कांग्रेस, नेकां, डीपीएपी व पीडीपी के मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में हैं। आपा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके मेहराज मलिक भी लड़ रहे हैं। ऐसे में मुस्लिम मतों का विभाजन होना तय है।

डोडा में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अब्दुल मजीद वानी, नेकां उम्मीदवार और पूर्व गृह मंत्री खालिद नजीब सुहरावर्दी मैदान में हैं। गुलाम नबी आजाद की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पहले चरण के प्रचार में सामने आने से इन्कार कर दिया गया था। साथ ही, उन्होंने पार्टी प्रत्याशियों से अपील की थी कि इस परिस्थिति में वह चाहें तो उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। इसके बाद भी वानी ताल ठोक रहे हैं। डोडा में भाजपा ने युवा चेहरे और संघ के करीबी गजय सिंह राणा पर भरोसा जताया है। डोडा पश्चिम से भाजपा-पीडीपी सरकार में राज्य मंत्री रहे शक्ति राज परिहार चुनाव लड़ रहे हैं। शक्ति राज ने 2014 में डोडा में कमल खिलाया था। इससे पहले वह 2008 में इंद्रवल सीट से भाजपा प्रत्याशी थे, लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी थी। डोडा में कुल 10 और डोडा पश्चिम में आठ उम्मीदवार मैदान में हैं।

मोदी की रैली में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जी किशन रेड्डी, राष्ट्रीय महासचिव एवं चुनाव प्रभारी राम माधव, प्रदेश प्रभारी तरुण चुग के साथ पार्टी प्रत्याशी मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी जम्मू संभाग की सभी 43 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 2014 के चुनाव में उसे 25 सीटें मिली थीं। काफी मंथन के बाद पीडीपी के साथ 2015 में गठबंधन की सरकार बनी थी, लेकिन जून 2018 में भाजपा के समर्थन वापस ले लेने से सरकार गिर गई थी।

जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में हो रहे चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी चरणों में चुनावी सभाएं होंगी। दूसरे चरण में 19 सितंबर को श्रीनगर में चुनावी रैली होगी। तीसरे चरण में 26 सितंबर को रैली प्रस्तावित है। फिलहाल रैली के लिए स्थान चिन्हित नहीं हो पाया है।

बारामूला में तीन ...

घेरा सख्त होता देख छिपे आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में चार जवान घायल हो गए। घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। फायरिंग शुरू होने पर सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाला और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

उधर, मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है। किश्तवाड़ में पिछले काफी समय से कुछ आतंकी बड़ी घटना के अंजाम देने की फिराक में हैं। कुछ समय पहले पडिहारना के नवनटु इलाके में भी आतंकी देखे गए थे, जहां दोनों तरफ गोलीबारी हुई थी। इसमें आतंकी भागने में सफल हो गए थे। इससे पहले बुधवार को उधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया था। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए गए हैं।

जब तक...

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हितैषी भाजपा सरकार नई पेंशन स्कीम लेकर आई है। इसमें कर्मचारियों के लिए निश्चित पेंशन की गारंटी है। इस नई पेंशन स्कीम का व्यापक स्वागत हुआ है, सरकारी कर्मचारियों ने इस पर खुशी जताई है। कांग्रेस ने किसानों के साथ ही हमेशा देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी धोखा दिया है। ये भाजपा सरकार ही है, जिसने पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू की। ये लोग एमएसपी को लेकर कितना शोर मचाते हैं, जबकि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है, जो 24 फसलें एमएसपी पर खरीदता है। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि वो लोग कर्नाटक और तेलंगाना में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदते हैं? वहां किसानों को कितना एमएसपी देते हैं? भाजपा की केंद्र सरकार ने किसान का बोझ अपने ऊपर लेने के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

कांग्रेस किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है, उन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाती है। सच्चाई ये है कि ये झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अगर कांग्रेस में दम है, तो वो कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी किसान योजनाएं क्यों नहीं लागू करती? कर्नाटक और तेलंगाना में विकास के सारे काम ठप्प हैं। कांग्रेस पार्टी की एक ही नीति है, चुनाव जीतने के लिए जनता का खजाना खाली करो। इसी तरह आप पंजाब की हालत देखिए, क्या हालत कर दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की परेशानी से, जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कभी कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है। भाजपा सरकार के आने से पहले यहां आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था। आज हरियाणा करीब-करीब शत प्रतिशत नल से जल वाला राज्य बन रहा है। पीएम बोले, हमने कांग्रेस की सरकार का वो दौर देखा है। विकास का पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रह जाता था। इतना ही नहीं, वो पैसा किस-किस के जेब में जाता था, इसको भी हरियाणा का बच्चा-बच्चा जानता है। भाजपा ने पूरे हरियाणा को विकास की धारा से जोड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैंने कहा था कि इस बार भाजपा सरकार के पहले 100 दिन में बड़े फैसले के होंगे। गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं के मजबूत बनाने वाले होंगे। अभी 100 दिन पूरे भी नहीं हुए हैं, लेकिन हमारी सरकार ने करीब 15 लाख करोड़ रुपए के नए काम शुरू करवा दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने खटाखट 8500 देने का झूठ बोला। लोग 1 जुलाई को लाइन में लग गए पैसे के लिए, लेकिन मिला केवल धोखा। पीएम मोदी ने कांग्रेस को धोखेबाज और झूठे वादे करने वाला बताया। बोले कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की स्थिति खराब कर दी। पीएम मोदी ने कहा, हिमाचल प्रदेश में हर घर को झूठ की घुट्टी पिलाई। कोई वायदा पूरा नहीं किया। सरकारी कर्मी वेतन के लिए हड़ताल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री व मंत्री को सैलरी छोड़ने का बहाना करना पड़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, हमने वह दौर भी देखा है जब विकास का पैसा एक जिले तक ही रह जाता था। भाजपा सरकार आने से पहले हरियाणा के आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं थे। अब शत प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन हैं। भाजपा सरकार गरीब व मध्यम वर्ग के लिए बिजली का बिल जीरो करने में जुटी है। इसके लिए पीएम सूर्य उदय योजना शुरू की है। पिछले 50 साल का इतिहास है कि हरियाणा की विशेषता रही है दिल्ली में जिसकी सरकार रहती है हरियाणा में भी उसी की सरकार बनाते हैं कभी उलट फेर नहीं होने देते हैं। कुरुक्षेत्र से हमारे मुख्यमंत्री खुद ही उम्मीदवार हैं। हरियाणा में भाजपा सेवाभाव के साथ काम कर रही है। हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक तय है।

पीएम मोदी ने कहा, मैं आज हरियाणा के लोगों के बीच आया हूं, आप लोग इस गरीब के बेटे को आशीर्वाद दीजिए, भाजपा को आशीर्वाद दीजिए। फिर एक बार भाजपा सरकार। पीएम बोले कि कुरुक्षेत्र में आना, भारत की संस्कृति के तीर्थ का दर्शन करना मन को भर देता है। यहां गीता का ज्ञान है, यहां सरस्वती सभ्यता के निशान है, ये गुरु गोविंद सिंह जी की छठी पातशाही की धरती है। यहां श्री गुरु गोविंद सिंह जी की चरण पड़े हैं। ऐसी पावन धरती से मैं आपसे फिर एक बार भाजपा सरकार बनाने का निवेदन करने आया हूं। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी प्रदेश के विकास के लिए 24 घंटे तैयार हैं। मुख्यमंत्री का पिछड़े समाज से पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। पीएम बोले कि भाजपा जो कहती है उसे पूरा करती है। तीन करोड़ पक्के घरों को मंजूर किया गया है। यह गरीब के सपनों का घोसला होगा। उनका पक्का पता होगा। एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदीयां बन चुकी हैं और तीन लाख बनाने का लक्ष्य है। सैकड़ों लखपति दीदीयां हरियाणा में भी बनी हैं। 70 वर्ष के बुर्जुगों को भी अब पांच लाख तक का स्वास्थ्य लाभ मिलेगा चाहे वह किसी भी वर्ग से हो। अब उसके बच्चों को बुजुर्गों की चिंता करने की जरूरत नहीं है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली भी रैली में पहुंचे। रैली में साढौरा से प्रत्याशी बलवंत सिंह, अंबाला शहर से असीम गोयल और कालका से शक्ति रानी भी मौजूद रहे। रैली में भाजपा के कई अन्य प्रत्याशी भी पहुंचे। इनमें थानेसर से सुभाष सुधा, घरौंडा से हरविंदर कलयान, इंद्री से राम कुमार कश्यप, नीलोखेड़ी से भगवान दास कबीर पंथी, असंध से योगेंद्र राणा, पूंडरी से सतपाल जाबा, करनाल से जगमोहन आनंद, शाहाबाद के सुभाष चंद्र, रादौर से श्याम सिंह राना, पंचकूला से ज्ञानचंद गुप्ता के अलावा मुख्यमंत्री नायब सैनी, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल और कैथल से प्रत्याशी लीलाराम गुर्जर नजर आए। इनके अलावा रैली में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, अनिल विज और कंवरपाल गुर्जर भी पहुंचे।आम तौर पर पीएम मोदी हरियाणा में चुनावी रैलियों की शुरुआत दक्षिण हरियाणा से करते आए हैं। मगर इस बार जीटी बेल्ट को मजबूत करने के उद्देश्य से वह कुरुक्षेत्र पहुंचे। रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा ने पूरी तैयारी की। प्रदेश अध्यक्ष के साथ सीएम नायब सिंह सैनी रैली स्थल का दौरा करके गए। भाजपा ने अपने सभी कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाने का लक्ष्य दिया था। धर्मनगरी की धरती से मोदी उत्तर हरियाणा के छह जिलों की 23 विधानसभा सीट के मतदाताओं को साध गए। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार मोदी हरियाणा में आए और राज्य में हैट्रिक जमाने के लिए विपक्ष को घेरा।

अमेरिका ने किया ...

उन्होंने कहा, भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है और हम परिषद में उसके होने का मजबूती से समर्थन करते हैं और भारत की दावेदारी खारिज करने का कोई आधार भी नहीं है।यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस पर भारत का रुख रखते हुए कहा, वसुधैव कुटुम्बकम के अपने दर्शन से प्रेरित होकर भारत ने लगातार वैश्विक दक्षिण के हित में काम किया है। खास तौर से दक्षिण-दक्षिण सहयोग वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच मजबूत संबंध बनाने, आपसी विकास को बढ़ावा देने और साझा चिंताओं को दूर करने की सामर्थ्य देता है। हरीश ने कहा कि 150 मिलियन अमरीकी डॉलर के कोष के साथ भारत-यूएनडीपी फंड ने 2017 से 60 देशों में 82 परियोजनाओं को समर्थन दिया है।

जयशंकर ने...

जयशंकर ने ब्रिक्स को लेकर भी दुनिया को ताना मारा है। उन्होंने पश्चिम के देशों को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि आप जी7 के क्लब में जाने नहीं देते तो हमने खुद का क्लब (ब्रिक्स) बनाया। जयशंकर यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि जब ब्रिक्स की बारी आती है तो आपका जवाब कितना असुरक्षित हो जाता है। जब जी-20, जी-7 है तो ब्रिक्स क्यों नहीं हो सकता? जयशंकर ने यह बयान ऐसे ही नहीं दिया है। दरअसल एक बार फिर भारतीय कूटनीति के रणनीतिकार बदली भू-राजनीतिक परिस्थितियों में एक बड़ी कूटनीतिक तैयारी में हैं।

ब्रिक्स के शिखर नेताओं की बैठक होने वाली है। पिछले साल इसमें ब्रिक्स के शिखर नेताओं ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया था। इस बार सभी शिखर नेता बैठक में शरीक होने वाले हैं। 2024 में ईरान, सऊदी अरब, मिश्र, यूएई और इथोपिया भी इसके सदस्य बनाए गए हैं। इस बार 22 अक्टूबर को रूस के कजान शहर में ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन होना है। इस शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पहले ही मिलने की इच्छा जता दी है। एनएसए डोभाल इस संदेश को लेकर भारत आए हैं। तैयारी यह है कि इसी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच में मुलाकात हो। रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाया जाए। माना जा रहा है कि इसमें रूस का भी काफी योगदान है।

हालांकि, विदेश मंत्रालय के अधिकारी इस बारे में अभी खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मोदी और जिनपिंग की भेंट से पहले इसके लिए वातावरण तैयार करना भी बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए चीन और भारत के रणनीतिकारों ने तैयारी शुरू कर दी है। भारत के प्रधानमंत्री की वैसे भी यह कूटनीतिक लाइन है कि हर समस्या का समाधान संवाद के माध्यम से संभव है। भारत बुद्ध का देश है और इस पर अमल करता है। यह बदली हुई अंतरराष्ट्रीय भू-राजनैतिक परिस्थिति की जरूरत है कि इसके अनुसार वातावरण तैयार किए जाएं।

भारत और चीन में आयात और निर्यात की लॉबी है। उसका भी अपने-अपने देशों के नीति निर्माताओं पर भारी दबाव है। भारत के कुछ प्रमुख उद्योगपति चीन के साथ बेहतर रिश्ते और तमाम वस्तुओं पर आयात शुल्क को व्यावहारिक बनाए जाने के पक्षधर हैं। पिछले कुछ महीनों में भारत ने भी इसमें कुछ ढील दी है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्ते में कुछ पहल की मंशा रखते हैं। हालांकि, वाणिज्य मंत्रालय और डीआईआईपी के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों का कहना है कि अभी रास्ते थोड़ा कठिन हैं। निकट समय में चीन के साथ उदार रिश्ते की संभावना थोड़ा दूर दिखाई दे रही है। एक लॉबी ऐसी भी है जो चीन के सस्ते सामान से बाजार के पटने और थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे हालात होने की भी चेतावनी दे रही है। वहीं उत्पादन क्षेत्र के दिग्गजों का कहना है कि चीन से कच्चा माल आने में समस्या के कारण भारत को दूसरे वस्तुओं के निर्यात में समस्या झेलनी पड़ रही है।आंकड़ों की बात करें तो 2015-2022 तक भारत और चीन के बीच में द्विपक्षीय व्यापार में 12.87 प्रतिशत वार्षिक की दर से 90.14 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। 2022 में चीन के साथ कुल व्यापार में 8.47 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। यह 136.26 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। 2023-24 के दौरान चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश रहा। पिछले साल दोनों देशों के बीच में 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ, जबकि दूसरे नंबर पर अमेरिका है। अमेरिका के साथ भारत का 2023-24 में 118.3 अरब डालर का कारोबार हुआ है। हालांकि, इसके सामानांतर एक तस्वीर है। भारत ने 2023-34 के दौरान चीन को 16.66 अरब डॉलर (अमेरिकी) का निर्यात किया था, जबकि आयात 101.75 अरब डॉलर का हुआ। अमेरिका को यही निर्यात 77.5 अरब डॉलर का रहा और आयात 40.1 डॉलर का हुआ। इस तरह चीन से भारत का व्यापार घाटा 85 अरब डॉलर का है। भारत-चीन के बीच में सैन्य विसैन्यीकरण में सबसे बड़ा मसला डेपसांग और डेमचोक का फंसा हुआ है। चीन यहां से अपनी सेनाओं को अप्रैल 2020 वाली स्थिति में नहीं ले जाना चाहता। चीन के रणनीतिकार दौलत बेग ओल्डी के पास से गुजर रहे अपने हाईवे की सुरक्षा को भी इसके लिए जरूरी मान ले रहे हैं। जबकि भारत की कोशिश यहां से सैन्य विसैन्यीकरण सुनिश्चित कराने की है। यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्व-पूर्ण है। दरअसल, गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद भारत ने चीन के साथ सैन्य विसैन्यीकरण के उद्देश्य को हल करने के लिए बफर जोन का उपाय पर सहमति बनाई। इसके अंतरगर्त वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की जमीन पर बफर जोन बनाए जाने की सहमति बनी। चीन के सैनिक बफर जोन के उसपार चले गए और हमारे इस पार। यह सहमति गलवान वैली के अलावा सितंबर 2022 में गोगरा हॉटस्प्रिंग के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 पर भी बनी। इसी आधार पर दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारे के पेट्रोलिंग प्वाइंट को इसी बफर जोन के माध्यम से सुलझाया गया।

भारत की चीन के साथ बफर जोन पर सहमति, डेपसांग और डेमचोक में चीन की सेनाओं के भारतीय कब्जे वाले क्षेत्र में डटे होने को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर सरकार को घेरते रहते हैं। हाल में फिर उन्होंने बयान दिया कि भारत की राजधानी दिल्ली के क्षेत्रफल से अधिक की हमारी जमीन पर चीन ने कब्जा कर रखा है। दरअसल 2013 में चीन की सेन-ाओं ने इसी तरह की हिमाकत की थी। वह डेपसांग और डेमचोक में घुस आई थी। लंबे समय तक रुकी भी थी, लेकिन तत्कालीन विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और भारतीय रणनीतिकारों की पहल पर बाद में वापस लौट गई थी। इस बार 2020 में आकर डट गई। ऐसा नहीं है कि इस बार भारत ने कोशिश नहीं की। डेपसांग, डेमचोक, पैंगोंग त्सो झील के पास से चीन के सैनिकों को पीछे भेजने के लिए ही भारत ने कैलाश रेंज की पहाड़ियों से अपने सैनिकों को पीछे बुलाया था, लेकिन चीन ने बदले में केवल हेकड़ी दिखाई है।

ज्ञानवापी...

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय ऋषियों-संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। हमारे संत-ऋषि इस बात ओर जोर देते हैं भौतिक अस्पृश्यता साधना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए बाधक है। मुख्यमंत्री ने कहा, अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाथपंथ ने काया की शुद्धि के माध्यम से एक तरफ आध्यात्मिक उन्नयन पर जोर दिया तो दूसरी तरफ समाज के हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए।

सीएम योगी ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों, पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। यहां तक कि मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है, बिनु गुरू पंथ न पाइये, भूलै से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट। संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सों। सीएम योगी ने कहा कि संत साहित्य की परंपरा, इसकी श्रृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है। उन्होंने बताया कि पीताम्बर दत्त जी ने गोरखवाणी को संकलित किया और इसके लिए उन्हें हिंदी में डी. लिट् की उपाधि प्राप्त हुई। सीएम योगी ने समाजिक समरसता और समतामूलक समाज को लेकर संतों की पद्धतियों, साहित्य के कुछ उद्धरण भी दिए। उन्होंने कहा कि संत रामानंद जी ने उपासना विधि की एक विशिष्ट पद्धति को बढ़ाया लेकिन छुआछूत को कभी महत्व नहीं दिया। एक तरफ रविदास उनके शिष्य थे तो दूसरी तरफ कबीरदास।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। उन्होंने अयोध्या में गत दिनों तमिलनाडु के एक प्रमुख संत से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए बताया कि उक्त संत से उन्हें तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। यहां गोरखनाथ जी से जुड़े अनेक साधना स्थल और नाथपंथ की परंपराएं आज भी विद्यमान हैं। कर्नाटक की परंपरा में जिस मंजूनाथ का उल्लेख आता है, वह मंजूनाथ गोरखनाथ जी ही हैं। महाराष्ट्र में संत ज्ञानेश्वर दास की परंपरा भी मत्स्येंद्रनाथ जी, गोरखनाथ जी और निवृत्तिनाथ जी की कड़ी है। महाराष्ट्र में रामचरितमानस की तर्ज पर नवनाथों की पाठ की परंपरा है। पंजाब, सिंध, त्रिपुरा, असम, बंगाल आदि राज्यो के साथ ही समूचे वृहत्तर भारत और नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत अनेक देशों में नाथपंथ का विस्तार देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नाथपंथ की परंपरा से जुड़े चिह्नों के संरक्षण और उसे एक म्यूजियम के रूप में संग्रहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ इस दिशा में पहल कर सकता है। उन्होंने शोधपीठ से अपील की कि वह नाथपंथ की इनसाइक्लोपीडिया में नाथपंथ से जुड़े सभी पहलुओं, नाथ योगियों के चिह्नों को इकट्ठा करने का प्रयास करे।

मुख्यमंत्री ने कहा देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप नाथपंथ ने अपनी भूमिका को सदैव समझा। जब देश बाहरी आक्रमण शुरू हो गए थे तब नाथपंथ के योगियों ने सारंगी वादन के जरिये समाज को देश पर आए खतरे के प्रति जागरूक किया। इसी तरह सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करने में भी नाथपंथ अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि महायोगी गोरखनाथ जी ने गोरखपुर को अपनी साधना से पवित्र किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों को राजभाषा हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी देश को जोड़ने की एक व्यावहारिक भाषा है। इसका मूल देववाणी संस्कृत है। मुख्यमंत्री ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के निज भाषा उन्नति वाले उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र का भाषा के प्रति यह भाव आज भी आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि यदि भाव और भाषा खुद की नहीं होगी तो हर स्तर पर प्रगति बाधित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश को जोड़ने के लिए हिंदी को जिस रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है, वह अभिनंदनीय है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ सर्वसमाज के कल्याण का चिंतन पुंज है। यह ऐसा पंथ है जो सर्वसमाज के लिए है और सर्वसमाज का है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही इसका ध्येय है। मध्य प्रदेश के रेवाखण्ड समेत देश के अनेक राज्यों में विभिन्न स्थानों के नाम गोरखनाथ या गोरखपुर से जुड़े होने का उल्लेख करते हुए प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ की व्याप्ति पूरे देश में है। यह सर्वाग्रही पंथ है। नाथपंथ का आभिर्भाव किसी आंदोलन से नहीं हुआ है बल्कि इसने खुद अनेक आंदोलनों का नेतृत्व किया है जिनमें अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर निर्माण का भी आंदोलन प्रमुख रूप से शामिल है।

उन्होंने कहा कि नाथपंथ में श्रवण और भ्रमण, दोनों ही परंपराएं समाहित हैं। यह सामाजिक समरसता, त्याग, मानव कल्याण और सर्वकल्याण की भावना से परिपूर्ण पंथ है। हिंदी दिवस पर सभी लोगों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. त्रिपाठी ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हिंदी, हिंदुत्व और राष्ट्रीयता का प्रतीक बताया। उन्हें मानक मुख्यमंत्री बताते हुए प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश के अन्य प्रांतों के लोग भी अपने प्रांत में योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री चाहते हैं।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नाथपंथ के मूल में ही सामाजिक समरसता अनुप्राणित है। नाथपंथ के आभिर्भावक महायोगी गोरखनाथ जी ने जिस चिंतन पर बल दिया है वह सामाजिक समरसता, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता का है। प्रो. टंडन ने कहा कि आज समाज भाषावाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद आदि के कारण खंडित हो रहा है। समाज मे समरसता का भाव न होना राष्ट्रीयता के लिए संकट है।

ऐसी परिस्थिति में नाथपंथ के विचार हमारे लिए पथप्रदर्शक हैं। नाथपंथ का दर्शन और इसके विचार हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धर-ोहर हैं। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन सचिव संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव भाषा एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, कार्यक्रम समन्वक महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र, संगोष्ठी के संयोजक एवं राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में विद्वतजन और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. पद्मजा सिंह द्वारा रचित पुस्तक नाथपंथ का इतिहास, अरुण कुमार त्रिपाठी की पुस्तक नाथपंथ की प्रवेशिका तथा महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया। नाथपंथ का इतिहास पुस्तक नाथपंथ के आभिर्भाव से लेकर अद्यतन काल तक के इतिहास का शोधपरक विवेचन है। जबकि कुंडलिनी पत्रिका में नाथपंथ के प्रति शोध और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर लेख संकलित हैं। साथ ही सीएम ने दीक्षा भवन की गैलरी में लगी पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा पितृपक्ष

पितृपक्ष पितरों को समर्पित है। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से होती है और अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर इसका समापन होता है। पितृपक्ष यानी श्राद्ध का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद करके उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है।

पितृपक्ष में पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में श्रद्धा पूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का विधान है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 17 सितंबर से हो रहा है और 2 अक्टूबर तक चलेगा। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण आदि क्रम किए जाते हैं।

पितृ पक्ष के दौरान पितर लोक से पितर धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इस दौरान उनके नाम से पूजा पाठ करना उनकी आत्मा को शांति देता है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण, और पिंडदान आदि करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

श्राद्ध का अर्थ श्रद्धा पूर्वक अपने पितरों को प्रसन्न करने से है। सनातन मान्यता के अनुसार जो परिजन अपना देह त्यागकर चले गए हैं, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए सच्ची श्रद्धा के साथ जो तर्पण किया जाता है, उसे श्राद्ध कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। जिस किसी के परिजन चाहे वह विवाहित हो या अविवाहित हों, बच्चा हो या बुजुर्ग, स्त्री हो या पुरुष उनकी मृत्यु हो चुकी है उन्हें पितर कहा जाता है। पितृपक्ष में मृत्युलोक से पितर पृथ्वी पर आते है और अपने परिवार के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए उनको तर्पण किया जाता है। पितरों के प्रसन्न होने पर घर पर सुख शान्ति आती है।

पितृपक्ष में हर साल पितरों के निमित्त पिंडदान, तर्पण और हवन आदि किया जाता है। सभी लोग अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसारए उनका श्राद्ध करते हैं। माना जाता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हेंक पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मो को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परि।वार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मार की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

पितृ पक्ष में मृत व्यक्ति की जो तिथि होती है, उसी दिन श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध केवल पिता ही नहीं बल्कि अपने पूर्वजों का भी किया जाता है। जब कोई आपका अपना शरीर छोड़कर चला जाता है तब उसके सारे क्रियाकर्म करना जरूरी होता है, क्योंकि ये क्रियाकर्म ही उक्त आत्मा को आत्मिक बल देते हैं और वह इससे संतुष्ट होती है। प्रत्येक आत्मा को भोजन, पानी और मन की शांति की जरूरत होती है और उसकी यह पूर्ति सिर्फ उसके परिजन ही कर सकते हैं। परिजनों से ही वह आशा करती है। श्राद्ध में पितरों को आशा रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिण्ड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे।

श्राद्ध की तिथियां

17 सितंबर - पूर्णिमा श्राद्ध
18 सितंबर - प्रतिपदा श्राद्ध
19 सितंबर - द्वितीया श्राद्ध
20 सितंबर - तृतीया श्राद्ध
21 सितंबर - चतुर्थी श्राद्ध
22 सितंबर - पंचमी श्राद्ध
23 सितंबर - षष्ठी श्राद्ध - सप्तमी श्राद्ध
24 सितंबर - अष्टमी श्राद्ध
25 सितंबर - नवमी श्राद्ध
26 सितंबर - दशमी श्राद्ध
27 सितंबर - एकादशी श्राद्ध
29 सितंबर - द्वादशी श्राद्ध
30 सितंबर - त्रयोदशी श्राद्ध
1 अक्टूबर - चतुर्दशी श्राद्ध
2 अक्टूबर - सर्व पितृ अमावस्या

इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वीलोक पर आते हैं। यही कारण है कि हिंदू धर्म शास्त्रों में प्रत्येक हिंदू गृहस्थ को पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य रूप से करने के लिए कहा गया है।अन्य कई कार्य भी श्रद्धापूर्वक किए जाते हैं। लेकिन यहां श्राद्ध का तात्पर्य पितृ पक्ष (अश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक) में पितरों के निमित्त किए जाने वाले तर्पण और पिंडदान से है।

पितृ पक्ष कब से शुरू

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 17 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है। वहीं, इसका समापन आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को होता है। अमावस्या तिथि इस बार 2 अक्टूबर को पड़ रही है।

28 सितंबर को किसी तिथि का श्राद्ध नहीं होगा।

दोपहर में करना चाहिए तर्पण-अर्पण

पंडित बताते हैं कि देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह और शाम को की जाती है। पितरों के लिए दोपहर का समय होता है. दोपहर में करीब 12:00 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। सुबह नित्यकर्म और स्नान आदि के बाद पितरों का तर्पण करना चाहिए।

18 सितंबर को सुबह रहेगा चंद्रग्रहण

18 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 6.11 मिनट से 10.17 मिनट तक चंद्रग्रहण रहेगा। इसका सूतक एक दिन पूर्व रात्रि 10:17 से प्रारंभ हो जाएगा। इस वर्ष प्रतिपदा का 18 सितंबर को क्षय होने से तथा पूर्णिमा प्रातः 8.03 मिनट तक होने से और मध्याह्न में प्रतिपदा तिथि होने से एकम का श्राद्ध 18 सितंबर को होगा।

श्राद्ध के दिन कौवे, चींटी, गाय, देव, कुत्ते और पंचबलि भोग देना चाहिए। इसके बाद यथा शक्ति-सामर्थ्य ब्राह्मणों को भोज और दान देना चाहिए। इस श्राद्ध में खिरान्न का विशेष महत्व है, जिसमें महामारी से लड़ने की शक्ति होती है। मलेरिया, टाइफाइट आदि से रोकथाम भी होती है। जो भी व्यक्ति इस महालय श्राद्ध को सही तरह से करता है, पितृ उसे पुत्र लाभ के साथ धन लाभ भी देते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

क्यों भगवान श्रीराम ने फल्गु नदी के तट पर ही अपने पिता का पिंडदान किया?

हर वर्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष मनाया जाता है। इस दौरान तीन पीढ़ी के पितरों का तर्पण एवं पिंडदान किया जाता है। गरुड़ पुराण में वर्णित है कि पितृ पक्ष के दौरान पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, व्यक्ति पर पितरों की कृपा-दृष्टि बरसती है। उनकी कृपा से सुख और सौभाग्य और वंश में वृद्धि होती है।

पितरों के तर्पण के लिए गया को सर्वोत्तम माना गया है। धार्मिक मत है कि गया में पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को तत्क्षण ही मोक्ष मिल जाती है। अतः पितृ पक्ष के दौरान देश-विदेश से लाखों की संख्या में साधक अपने पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने के लिए गया आते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान फल्गु नदी के तट पर ही क्यों किया?

राजा दशरथ की मृत्यु

धर्म जानकारों की मानें तो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में केवल और केवल त्रासदियों का सामना किया। भगवान श्रीराम को जीवनपर्यंत तक दुख ही मिला। राज सिंहासन पर विराजमान होने से एक दिन पहले ही भगवान राम को चौदह वर्षों का वनवास मिला। पिता के वचनों का पालन के लिए भगवान श्रीराम ने राजसिंहासन के बदले वनवास को चुना। भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के वनवास गमन के दौरान ही पुत्र वियोग के चलते राजा दशरथ स्वर्ग सिधार गये। राजा दशरथ की अंतिम इच्छा थी कि वह अपने ज्येष्ठ पुत्र भगवान श्रीराम को अयोध्या नरेश बनते देखे। अतः स्वर्ग लोक में राजा दशरथ के ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। राजा दशरथ की मृत्यु के समय भरत और शत्रुघ्न अपने ननिहाल में थे। राजा दशरथ की मृत्यु की खबर आग की तरह वन में फैल गई। भगवान श्रीराम को भी यह सूचना प्राप्त हुई। राजा दशरथ को मुखाग्नि भरत ने दी थी।

फल्गु नदी

राजा दशरथ की मृत्यु के समय भगवान श्रीराम वन में थे और पिता के वचनों का पालन करने हेतु वापस अयोध्या नहीं लौटे। हालांकि, भगवान श्रीराम ने क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए अपने पिता का पिंडदान गया स्थित फल्गु नदी के तट पर किया। इससे संबंधित एक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार, भगवान राम एवं भाई लक्ष्मण तेरहवीं पर तर्पण एवं पिंडदान हेतु सामग्री एकत्र करने में जुटे थे। तब पिंडदान का समय निकल रहा था।

यह जान माता सीता ने राजा दशरथ का तर्पण एवं पिंडदान कर दिया था। जब भगवान राम एवं लक्ष्मण वापस लौटे, तो माता सीता ने पिंडदान की जानकारी दी। उस समय भगवान श्रीराम को विश्वास नहीं हुआ। तब माता सीता ने साक्षी जनों को उपस्थित होकर सच बताने का अनुरोध किया। हालांकि, फल्गु नदी ने असहमति जताई। यह जान मां सीता ने फल्गु को हमेशा सूखे रखने का श्राप दे दिया। उस समय भगवान श्रीराम और भाई लक्ष्मण ने अपने पिता का पिंडदान किया। गयासुर के नाम पर शहर का नाम गया पड़ा है। गया स्थित फल्गु नदी के तट पर पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अतः भगवान श्रीराम ने फल्गु नदी का चयन किया था।

गया में पिंडदान के बाद इन नियमों का करें पालन तभी मिलेगा उसका फल!

पितृ पक्ष का समय अपने आप में बेहद अहम माना गया है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों के नाम से तर्पण करते हैं और दान-पुण्य करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल पितृ पक्ष 17 सितंबर से शुरू होगा। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान जो लोग पिंडदान करते हैं, उन्हें पितृ दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही मोक्ष की प्राप्ति होती।

वहीं, जो लोग इस अवधि में अपने पूर्वजों का तर्पण करने के लिए गया जाते हैं, उन्हें कुछ विशेष बातों का ख्याल रखना चाहिए, तो आइए जानते हैं।

तर्पण करने के बाद घर पर जरूर करें ये काम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो लोग पितृ पक्ष में अपने पितरों का तर्पण करने के लिए जाते हैं, उन्हें वहां से लौटने के बाद कुछ ऐसे नियम हैं, जिनका पालन जरूर करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि घर पर आने के पश्चात श्री हरि की विधिवत पूजा और सत्यनारायण कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए या सुनना चाहिए।

इसके साथ ही विष्णु भगवान के नाम से गरीब ब्राह्मणों और अपने परिवार के सदस्यों को भोजन करवाना चाहिए। इन चीजों के बाद ही श्राद्ध पूर्ण माना जाता है और उसके शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

पितृ दोष मुक्ति के उपाय

जो लोग पितृ दोष से छुटकारा पाना चाहते हैं, उन्हें पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। इसके साथ ही पंचबली भोग निकालना चाहिए और जरूरतमंदों को दान करना चाहिए। ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं, इस दौरान गीता का पाठ भी अवश्य करना चाहिए।

17 या 18 सितंबर? कब है भाद्रपद पूर्णिमा

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। यह त्योहार जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और श्रद्धा अनुसार दान करना जातक के जीवन के लिए कल्याणकारी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को 32 गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही दुख और संकट दूर हो जाते हैं। चलिए जानते हैं भाद्रपद माह की पूर्णिमा की डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

भाद्रपद पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 18 सितंबर को सुबह 08 बजकर 04 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 17 सितंबर को पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। वहीं, 18 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा मनाई जाएगी।

भाद्रपद पूर्णिमा शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो भाद्रपद पूर्णिमा पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 08 बजकर 05 मिनट पर होगा।

भाद्रपद पूर्णिमा पूजा विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण करें, क्योंकि भगवान विष्णु को पीला रंग बहुत प्रिय है। अगर संभव हो, तो इस दिन पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद विधिपूर्वक सूर्य देव को जल अर्पित करें। चौकी पर श्रीहरि और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें। अब उन्हें फल, फूल, वस्त्र अर्पित करें और मां लक्ष्मी को सोलह श्रृंगार की चीजें अर्पित करें। दीपक जलाकर आरती करें और मंत्रो का जप करें। अंत में प्रभु को विशेष चीजों का भोग लगाएं। इस दिन श्रद्धा अनुसार अन्न, धन और वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है।

इन मंत्रो का करें जप

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

लक्ष्मी विनायक मंत्र

दन्ता भये चक्र दरो दधानं,
कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।
धृता ब्जया लिंगितमब्धि पुत्रया,
लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे।।

अशनूर कौर ने टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी साझा की

सुमन इंदौरी में मुख्य किरदार निभा रहीं अभिनेत्री अशनूर कौर ने इंदौर के जीवंत और चहल-पहल वाले सराफा बाजार में शो की शूटिंग के दौरान टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी शेयर की है।इंस्टाग्राम पर 9.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अशनूर ने इंदौर, मध्य प्रदेश में शो की शूटिंग के दौरान की कुछ बिहाइंड-द-सीन (बीटीएस) झलकियां शेयर की हैं।एक वीडियो में अशनूर को गुलाबी रंग का कुर्ता और नीली डेनिम पहने हुए दिखाया गया है, जबकि वह सराफा बाजार में एक सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं। मध्य इंदौर में स्थित यह बाजार रात के स्ट्रीट फूड कोर्ट के लिए प्रसिद्ध है। यह अपने व्यंजनों और रात की जीवनशैली के कारण एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।क्लिप में अशनूर को भारी भीड़ के बीच अपनी टीम के साथ आगे बढ़ते हुए और फिर खुशी-खुशी टुकटुक रिक्शा में यात्रा करते हुए दिखाया गया है।वह कहती हैं, हमने सराफा शूट पूरा कर लिया है... वहां इतनी भीड़ हो गई थी कि हमें टुकटुक में सवार होकर जाना पड़ा... इसके बाद अशनूर कैमरा घुमाती हैं और रिक्शा पर बैठी अपनी टीम की झलक दिखाती हैं।युवा दिवा ने दुपट्टा वाला पल भी शेयर किया, छप्पन दुकान पर स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया और इंदौर के डेली कॉलेज में प्रकृति और जानवरों से भी बातचीत की।तस्वीरों की यह श्रृंखला पूरी टीम के साथ एक खुशनुमा ग्रुप फोटो के साथ खत्म हुई।इस शो में ज़ैन इमाम मुख्य भूमिका में हैं। सुमन इंदौरी कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।इस बीच, अशनूर ने पाँच साल की उम्र में अपना करियर शुरू किया, 2009 के शो झांसी की रानी में प्राची का किरदार निभाया। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित इस शो में उल्का गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सके बाद उन्होंने शो शोभा सोमनाथ की में युवा राजकुमारी शोभा की भूमिका निभाई।अशनूर टीवी शो- ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, द एडवेंचर्स ऑफ़ हातिम, तुम साथ हो जब अपने, सियासत, ये रिश्ता क्या कहलाता है, पृथ्वी वल्लभ और पटियाला बेब्स में नजर आ चुकी हैं।वह अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित 2018 की रोमांटिक ड्रामा मनमर्जियाँ का भी हिस्सा थीं।

इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, तापसी पन्नू और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे।20 वर्षीय अभिनेत्री की अगली वेब सीरीज स्कूल फ्रेंड्स 3 पाइपलाइन में है। वह परी हूं मैं और बटरफ्लाईज जैसे वेब शो का हिस्सा रही हैं।

परेश रावल की नई फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ऐलान

परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम जो तेरा है वो मेरा है है।

फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है।फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।फिल्म जो तेरा है वो मेरा है 20 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर आएगी। इसे जियो सिनेमा प्रीमियम के माध्यम से देखा जा सकता है, जिसकी कीमत 29 रुपये प्रति महीना है।

इस फिल्म में अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी, सोनाली सेगल, फैसल मलिक और आदित्य रावल जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं।इस बीच, काम के मोर्चे पर, परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ सरफिरा में देखा गया था। वरिष्ठ अभिनेता ने एयरलाइन कंपनी के मालिक परेश गोस्वामी की भूमिका निभाई। अच्छी प्रतिक्रिया के बावजूद, सरफिरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

दिग्गज अभिनेता की आने वाली फिल्मों में बदतमीज गिल और वेलकम टू द जंगल शामिल हैं। नवजोत गुलाटी की बदतमीज गिल में वह वाणी कपूर और अपारशक्ति खुराना के साथ नजर आएंगे। दूसरी ओर, अहमद खान की वेलकम टू द जंगल में वह कई स्टार कलाकारों के साथ नजर आएंगे।

नए गाने के लिए फिर साथ आए आलिया भट्ट-दिलजीत

जिगरा के सेट से सामने आई बीटीएस तस्वीर

आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है। एक्ट्रेस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रही हैं। हाल ही में राजी एक्ट्रेस ने जिगरा के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ संग दिख रही हैं। दोनों की एक साथ की तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म जिगरा से जुड़ी जानकारी साझा की। एक्ट्रेस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत के साथ फोटो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, कुर्सियां सब कुछ कह देती हैं।तस्वीर में आलिया भट्ट और दिलजीत कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं। आलिया की कुर्सी पर द सैड कुडी लिखा है। बगल में बैठे दिलजीत दोसांझ की कुर्सी पर लिखा है, कुड़ी के बारे में गाते है। दोनों स्टार कैमरे की ओर अपना पीठ करके बैठे हुए है। वहीं बैकग्राउंड में रोशनी से जगमगाती जिगरा का टाइटल देखा जा सकता है।आलिया के पोस्ट करते ही फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए। एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, तो आलिया और दिलजीत की सुपरहिट म्यूजिकल जोड़ी आधिकारिक तौर पर बन रही है। हम बहुत उत्साहित हैं। एक दूसरे फैन ने लिखा है, मैं उनके आने वाले एक और धमाकेदार गाने का इंतजार नहीं कर सकता। एक यूजर ने लिखा है, एक और ब्लॉकबस्टर आ गई है। एक अन्य ने कमेंट किया है, अब यह मेरा नया पसंदीदा गाना बनने जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत और जिगरा की सबसे प्रतीक्षित जादुई जोड़ी यहां है। मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का ट्रेलर जारी जावेद जाफरी से भिड़ते दिखेंगे अभिनेता

कॉमेडियन और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज ताजा खबर को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। यह सीरीज बीते साल 5 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।अब दर्शक ताजा खबर के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।दरअसल, ताजा खबर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिस पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं।नए सीजन में भुवन की भिड़ंत जावेद जाफरी से होने वाली है।भुवन बाम ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनसे मिले प्यार से वह काफी उत्साहित महसूस करते हैं। उन्होंने इस सीजन का इंतजार करने को लेकर दर्शकों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनका इंतजार सफल साबित होगा। भुवन ने कहा, सीजन 2 की शूटिंग भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रही है और मैं खुद को वास्या की आंखों में देख सकता था। इस सीजन में मेरे किरदार का ग्राफ बढ़ता है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में काफी मजा आया। ताजा खबर 2 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 27 सितंबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है।इसमें भुवन और जावेद के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, प्रथमेश परब, नित्या माथुर, देवेन भोजनी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।ताजा खबर 2 का निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। भुवन ने इसका निर्माण रोहित राज के साथ मिलकर किया है। कहानी हुसैन और अब्बास दलाल ने लिखी है।जावेद जाफरी ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें जब इस किरदार की पेशकश की गई, तो वह काफी उत्साहित हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें नई भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना पसंद आता है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा,यूसुफ काफी शक्तिशाली और उग्र स्वभाव वाला है। उसके किरदार में कई परत हैं, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। भुवन बाम जैसे प्रभावशाली, मेहनती और युवा कलाकार के साथ काम करना अविश्वसनीय है, जो हर समय भावुक और दृढ़ रहे हैं। ताजा खबर मेरे लिए रचनात्मक रूप से काफी संतोषजनक अनुभव रहा है और दर्शकों को वास्या और यूसुफ के मुकाबले का मजा लेने को मिलेगा।सीरीज में वस्या की पत्नी के किरदार में नजर आईं श्रेया पिलगांवकर ने अपने किरदार को बहुत खास बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिले प्यार के लिए वह बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा उनका किरदार मधु, साहस और शक्ति का प्रतीक है, जो सीजन 2 में अपना हक वापस आने फिर से आती है। उन्होंने कहा,मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि उसके गुणों ने कई अन्य महिलाओं के दिलों को छुआ होगा जो आज के दिन और उम्र में बाधाओं के बावजूद अपना नाम बनाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस नए सीजन के लिए एक बार फिर से काफी उत्साहित हैं।

कन्नप्पा से अक्षय कुमार की पहली झलक आई सामने, निभाएंगे भगवान शिव का किरदार

अक्षय कुमार 57वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को एक के बाद तोहफे मिल रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी नई फिल्म भूत बंगला का ऐलान हो गया है, वहीं अब अक्षय की पहली तेलुगु फिल्म कन्नप्पा से उनकी पहली झलक सामने आ गई है। इस फिल्म में वह भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए अक्षय को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी हैं।कन्नप्पा में विष्णु मंचू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। प्रभास, मोहनलाल, प्रभुदेवा और आर सरथ कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी इसमें दिखाई देंगी।मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दिसंबर, 2024 में सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।कन्नप्पा की कहानी छठीं और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं।जारी किए गए पोस्टर में अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं, जो उनके दिव्य लेकिन शक्तिशाली व्यक्तित्व को दर्शाता है हालांकि उनका चेहरा छिपा हुआ है, पोस्टर में पवित्र रुद्राक्ष माला से सजे उनके मांसल शरीर को उजागर किया गया है, जिससे प्रशंसक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में उनके चित्रण को और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं दृश्य रूप से आकर्षक पहला लुक पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है, जिससे ⁎कन्नप्पा⁎ को लेकर उत्साह और बढ़ गया हैअक्षय की सबसे अनूठी भूमिकाओं में से एक के रूप में, भगवान शिव का उनका अवतार फिल्म में एक प्रमुख आकर्षण होने का वादा करता है.कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है यह फिल्म कन्नप्पा नामक एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है, जो हिंदू भगवान शिव का कट्टर भक्त है मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित कन्नप्पा की पटकथा विष्णु मांचू ने लिखी है, जबकि कहानी का निर्माण परुचुरी गोपाल कृष्ण, ईश्वर रेड्डी, जी नागेश्वर रेड्डी और तोता प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया है फिल्म का निर्माण मोहन बाबू ने किया है।मुख्य भूमिका में विष्णु मांचू अभिनीत, प्रभास, मोहनलाल और अक्षय कुमार विशेष कैमियो में नजर आएंगे प्रीति मुखुंधन, सरथकुमार, ब्रह्मानंदम, मधु, देवराज, ऐश्वर्या, मुकेश ऋषि और कौशल मंडा सहायक भूमिकाओं का हिस्सा हैं सिनेमैटोग्राफर शेल्डन चौ, संपादक एंथनी और संगीतकार स्टीफन देवसी और मणि शर्मा कन्नप्पा की तकनीकी टीम का हिस्सा हैं।

ब्लू डेनिम आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने मचाया धमाल

एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड और हॉट ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तबाही मचा देता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान स्टाइलिश डेनिम आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।बालों को कर्ली स्टाइल में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती है तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती है।

क्या 2005 के भजनलाल तो नहीं बनेंगे भूपेंद्र हुड्डा?

सीएम के चहरे पर कांग्रेस नहीं खोल रही पत्ते, हरियाणा में 2005 वाला खेल संभव

राहुल गांधी में हिम्मत है तो वे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करें : बिप्लब देब

चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जहां एक तरफ दो बड़े दलों को भितरघात का डर सता रहा है तो दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी, इनेलो, जजपा व बसपा भी कांग्रेस-भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास कर रही हैं। हरियाणा की सियासत में कांग्रेस पार्टी अपने बेहतर प्रदर्शन को लेकर इस बार कुछ ज्यादा ही आशान्वित है। पार्टी के इंटरनल सर्वे की रिपोर्ट और टिकटों का सटीक बंटवारा, ये सब कांग्रेस पार्टी की मजबूत स्थिति की तरफ इशारा कर रहा है। इन सबके बीच सियासतदानों और कार्यकर्ताओं में ऐसी चर्चा भी चल रही है कि क्या हरियाणा में हुड्डा, 2005 की तरह भजनलाल तो नहीं बन जाएंगे। 2005 के विधानसभा चुनाव में चौ. भजनलाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया। कांग्रेस ने 67 सीट हासिल कर प्रचंड बहुमत हासिल किया, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अचानक एक ऐसा फैसला किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा, चुनाव में जिनका कहीं नाम नहीं था, उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया। इस बार भी कांग्रेस पार्टी हरियाणा में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, इस बाबत पत्ते नहीं खोल रही है।

बता दें कि 2005 में प्रदेश की सियासत में यह उम्मीद किसी को नहीं थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुख्यमंत्री बन सकते हैं। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी यही लग रहा था कि भजनलाल ही चौथी बार प्रदेश की कमान संभालेंगे, मगर ऐसा नहीं हुआ। उस वक्त विधानसभा चुनाव में सक्रिय न होने के बावजूद हुड्डा की लाटरी लग गई। उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया गया। सियासतदान और राजनीतिक के जानकार अब वही सवाल उठा रहे हैं कि कहीं इस बार भी 2005 वाला दोहराव तो नहीं होगा। हरियाणा भाजपा के सह मीडिया प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने शुक्रवार को यह कहते हुए इस बात को हवा दे दी कि राहुल गांधी में हिम्मत है तो वे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करें।

बिप्लब कुमार देब के इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता भी सकते में आ गए। उनके बीच यह चर्चा होने लगी कि कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद कहीं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, चौ. भजनलाल की तरह किनारे तो नहीं कर दिए जाएंगे। देब ने कहा, प्रदेश की जनता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का 10 साल का राज देख चुकी है। कांग्रेस राज में परिवारवाद हावी रहा है। कांग्रेस के होर्डिंग पर प्रदेश अध्यक्ष से बड़ा भूपेंद्र सिंह हुड्डा के सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा का फोटो छपता है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दिल से कांग्रेस फिर से कहकर दिखाएं। उनके दिल में परिवारवाद है। वे अपने बेटे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी की सांसद कुमारी शैलजा भी पिछले दिनों कह चुकी हैं कि प्रदेश में अनुसूचित जाति से कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता। ये किसी से नहीं छिपा है कि शैलजा, लंबे समय से मुख्यमंत्री पद पर नजर रखे हुए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल आर्या ने भी हाल ही में एक टीवी डिबेट के दौरान यह बात कही थी कि हरियाणा में 2005 वाला खेल संभव है। उस वक्त चुनाव में मेहनत तो चौ. भजनलाल ने की थी, मगर मुख्यमंत्री पद की बाजी हुड्डा मार ले गए। कांग्रेस पार्टी है, किसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से इस बार यह कहा जा रहा है कि टिकटों के बंटवारे में हुड्डा की खूब चली है, कांग्रेस हाईकमान ने उनके कहने पर ही सत्तर से ज्यादा टिकट बांटे हैं, कुछ वैसी ही स्थिति 2005 में चौ. भजनलाल की थी। कांग्रेस की जीत पर भजनलाल ने दावा किया था कि उनके पास चालीस से ज्यादा विधायक हैं। हरियाणा में वे ही कांग्रेस हैं।

कुछ वैसा ही इस बार हुड्डा को लेकर कहा जा रहा है। हुड्डा कहते हैं कि इस बार तो कांग्रेस पार्टी की प्रचंड बहुमत से जीत होने जा रही है। प्रदेश की राजनीतिक को करीब से समझने वाले रविंद्र कुमार सैनी बताते हैं, देखिये सियासत में कुछ भी संभव है। इस मामले में भाजपा ने खूब प्रयोग किए हैं। पहले पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल को मुख्यमंत्री बना दिया, फिर नायब सैनी को प्रदेश की कमान सौंप दी। इससे लोगों में यह मैसेज जाता है कि प्रदेश की सियासत में एक या दो परिवार ही नहीं, बल्कि दूसरे लोग भी आ सकते हैं। बतौर रविंद्र कुमार, जीत की स्थिति में अगर कांग्रेस इस मैसेज पर काम करती है तो इस बार किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा सकती है। इससे परिवारवाद की काट भी हो जाएगी।

भाजपा को दूसरे राज्यों के चुनाव में यह कहने का मौका नहीं मिलेगा कि कांग्रेस ने हरियाणा में परिवारवाद को आगे बढ़ा दिया है। इससे पार्टी में एक उदाहरण सैट हो सकता है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों में हुड्डा की मजबूत स्थिति को कांग्रेस दरकिनार कर पाएगी, ये कहना बहुत मुश्किल है। वजह, पिछले दस वर्षों में हुड्डा ने कांग्रेस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाई है। कांग्रेस की प्रचंड जीत की स्थिति में उन्हें पीछे करना, कांग्रेस हाईकमान के लिए आसान नहीं होगा।

रेलवे अंडरपास में कार डूबने से दो बैंक कर्मचारियों की मौत

चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ओल्ड फरीदाबाद में जलभराव के कारण रेलवे अंडरपास में एक कार डूबने से एचडीएफसी बैंक के दो कर्मचारियों की कल रात मौत हो गई।

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एचडीएफसी बैंक की गुरुग्राम के सेक्टर 31 शाखा में प्रबंधक पुण्यश्रेय शर्मा एवं खजांची विराज त्रिवेदी के साथ गुरुग्राम से ग्रेटर फरीदाबाद लौट रहे थे। सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण रेलवे अंडरपास में पानी भरा हुआ था। पुलिसकर्मी लोगों को यहां से आवागमन न करने की चेतावनी भी दे रहे थे, उन्होंने श्री शर्मा तथा श्री त्रिवेदी को भी सतर्क किया था लेकिन वे आगे बढ़ गये और उनकी कार पानी में डूब गयी। स्थानीय लोगों ने दोनों को कार से बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक की मौके पर मौत हो गयी जबकि दूसरे कर्मचारी को बादशाह खान अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मंत्री और विधायक को नोटिस थमाने वाले चुनाव अधिकारी का तबादला

हिसार, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान हिसार में कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और कुलदीप बिश्नोई के भाई फतेहाबाद से विधायक दुड़ाराम बिश्नोई को नोटिस भेजने वाले एसडीएम सह चुनाव अधिकारी जगदीप ढांडा का सरकार ने शनिवार को तबादला कर दिया।

श्री ढांडा को अभी उन्हें ड्यूटी जॉइन किए हुए 25 ही दिन हुए थे। अब उनकी जगह हरबीर सिंह हिसार के नए एसडीएम एवं चुनाव अधिकारी होंगे। श्री ढांडा ने 26 अगस्त को बिश्नोई मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम में मतदाताओं को प्रलोभन देने और वोट मांगने के आरोप में डॉ. गुप्ता और विधायक दुड़ाराम बिश्नोई को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया था। इसके बाद हाल ही में एचएयू (हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) के उप-कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज को भी बिश्नोई मंदिर में राजनीति मंच साझा करने के आरोप में नोटिस जारी किया था। एक के बाद एक नोटिस जारी करने के बाद हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने उनका शनिवार को अचानक तबादला कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के अवसर पर 26 अगस्त को हिसार के बिश्नोई मंदिर में गुरु जम्भेश्वर भगवान की 574वीं जयंती और जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने की। श्री बिश्नोई के भाई दुड़ाराम ने कहा था कि हरियाणा में चुनाव का बिगुल बज चुका है, जिस तरह आप लोगों ने चौधरी भजनलाल का साथ दिया था, उसी तरह श्री बिश्नोई के कहने पर भाजपा का साथ दें। क्षेत्र में 17-18 ऐसी सीटें हैं जहां पांच हजार से 15 हजार वोट बिश्नोई के हैं। इसलिये जो भी कमल के फूल पर चुनाव लड़ रहा है, सभी को उसे वोट देना चाहिये ताकि हरियाणा में नायब सैनी मुख्यमंत्री बन सकें। अगर राजनीतिक ताकत होगी तो समाज का सम्मान होगा। हमें एकजुट होकर इन सभी मुद्दों को भूलकर मुख्यमंत्री और कुलदीप बिश्नोई के हाथ मजबूत करने चाहिये। इसके बाद मंत्री ने कहा, विधायक दुड़ाराम ने कहा कि हमारा 18 सीटों पर प्रभाव है, लेकिन मैं उनसे असहमत हूं। कुलदीप जी हरियाणा और राजस्थान में भी काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी का कमल का बटन दबाना है और नायब सैनी की सरकार फिर से बनानी है। इस मामले का नोटिस लेते हुये चुनाव अधिकारी ने मंत्री और भाजपा विधायक दुड़ाराम को नोटिस जारी कर दिया। छब्बीस अगस्त को जारी इस नोटिस में कहा गया था कि यह धार्मिक कार्यक्रम था।

भरतपुर में जल झूलनी एकादशी पर जल महोत्सव का आयोजन

भरतपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जल झूलनी एकादशी पर शनिवार को जल महोत्सव का आयोजन राजस्थान में भरतपुर के सेवर में श्री बृजेन्द्र बिहारी मंदिर के कुंड पर किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी , डीएफओ, नगर निगम आयुक्त, घना निदेशक सहित जिला स्तरीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे। इससे पूर्व स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव के नेतृत्व में नगर निगम की टीम एवं आमजन ने केतन गेट से लेकर लोहागढ़ किले के प्रवेश द्वार, नेहरू उद्यान तथा बिहारी जी मंदिर परिक्रमा तक सड़क पर फैले हुये प्लास्टिक कचरा, खरपतवार को हटाकर संपूर्ण परिसर की साफ-सफाई की।

दक्षिण कोरिया एवं जापान की यात्रा से लौटने पर भजनलाल का हुआ जोरदार स्वागत

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के अपनी छह दिन की दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा के बाद शनिवार दोपहर जयपुर लौटने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

श्री शर्मा के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट-2024 के तहत इन दो देशों की यात्रा पर गये राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल में शामिल उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का भी स्वागत किया गया। श्री शर्मा के जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य मंत्रीपरिषद के सदस्यों एवं विधायकों सहित उच्चाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्रियों और विधायकों ने मुख्यमंत्री का साफा एवं माला पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल विदेश यात्रा के लिए उन्हें बधाई दी।

हवाई अड्डे के बाहर भी विभिन्न स्थानों पर आमजन ने मुख्यमंत्री का ढोल-नगाड़ों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। बुजर्गों, महिलाओं एवं युवाओं ने विकसित राजस्थान के लिए लगातार किए जा रहे फैसलों एवं प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री जोगाराम पटेल, बाबूलाल खराड़ी, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, हीरालाल नागर, झाबर सिंह खर्रा, जवाहर सिंह बेढ़म, के.के. विश्नोई एवं विजय सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड एवं भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, सासंद सी.पी. जोशी, राव राजेन्द्र सिंह एवं मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, गोपाल शर्मा, जयदीप बिहाणी, महेन्द्रपाल मीना, रामबिलास, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम रखा गया जहां उनके पहुंचने पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया एवं लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य किया। कार्यक्रम में श्री मदन राठौड़ ने साफा पहनाकर श्री शर्मा का स्वागत किया वहीं अन्य लोगों ने भारी भरकम माला से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थानवासियों का उत्साह और उमंग पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की आठ करोड़ जनता ने जिस विश्वास के साथ हमारी सरकार बनाई, उस भरोसे पर खरा उतरते हुए राज्य सरकार पूरे समर्पित भाव से विकसित राजस्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। श्री शर्मा ने उनके हुए जोरदार स्वागत पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए यह विश्वास दिलाया कि भाजपा की सरकार प्रदेश के विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं के भरोसे से उन्हें कार्य करने की ताकत मिलती है। इसी का परिणाम है कि महाराष्ट्र के बाद दक्षिण कोरिया और जापान के निवेशकों ने राजस्थान में निवेश करने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसे के चलते राजस्थान में निवेश के लिए विदेशी निवेशकों में उत्साह देखने को मिला है। नीमराणा में जापानी कोरिडोर की तरह राजस्थान में दक्षिणी कोरिया कोरिडोर बनाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई है। इतना ही नहीं, जापान की एक कंपनी ने तो राजस्थान के 15 हजार युवाओं को जापान में रोजगार तक देने का वादा भी किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विदेशी भाषाओं की लर्निंग के लिए एक महाविद्यालय भी खोला जायेगा। इसके साथ ही 25 आईएएस अधिकारियों को विश्व के 25 बड़े देशों के समन्वय के लिए लगाया जाएगा, जो राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देंगे और इनकी यह नियुक्ति स्थाई होगी।

श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को अगले पांच साल में दोगुना करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राइजिंग राजस्थान के लिए इन्वेस्ट समिट की तरह ग्लोबल समिट किया जाएगा। इसमें विदेशों में जाकर इन्वेस्ट के लिए निवेशकों को तैयार किया जाएगा। इस दिशा में राजस्थान सरकार 30 सितंबर और एक अक्टूबर को नई दिल्ली में भी राईजिंग राजस्थान रोड शो का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं है।

अपहृत दो बहनें मुक्त, एक बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में सम्पत्ति विवाद के कारण बदमाशों द्वारा अपहृत दो सगी बहनों को मुक्त कराते हुये पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गासिंह राजपुरोहित ने मीडिया को बताया कि बजरंगगढ़ से क्रिश्चियनगंज चढ़ाई पर एनसीसी कार्यालय के सामने रहने वाली दो बहनें डॉ रमा रानी जैन (72) तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य कुमकुम जैन (63) जो अपनी पैतृक मकान में रहती हैं, उनका आज सुबह रिवाल्वर की नोक पर अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ता दोनों को एसयूवी काले रंग की कार में ले गये और उन्हें धमकाया। उन पर सम्पत्ति से जुड़ी प्राथमिकी वापस लेने तथा राजीनामा करने का दबाव बनाया गया। दोनों बहनों के साथ बदमाशों ने मारपीट भी की।महिलाओं के अपहरण की सूचना पर पुलिस ने बदमाशों को पीछा कर महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के नजदीक से कार को रुकवा लिया और दोनों बहनों को मुक्त कराया। इस बीच, तीन बदमाश भाग खड़े हुये जबकि एक बदमाश पकड़ में आ गया। कार जब्त कर ली गयी है। दोनों बहनों ने पुलिस को इस कृत्य में अब्दुल आदिल शेख की अहम भूमिका बताई है, जो अब पुलिस की पकड़ में है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 23164 केसों का निपटारा

सिरसा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाणी गोपाल शर्मा ने बताया कि इस लोक अदालत मे कुल सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे, जिनमें मुख्यतः चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे।

इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 34,248 केसों में से 23,164 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 13,50,12,652 की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल छह बैंचों का गठन किया गया जिसमें प्रधान न्यायधीश फैमिली कोर्ट सिरसा सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश सिरसा नितिन किनरा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एवं प्रिंसिपल मेजिस्ट्रेट सिरसा राकेश कादयान, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सिरसा सुश्री रिचू, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी डबवाली हरलीनपाल सिंह व अतिरिक्त सिविज जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी ऐलनाबाद आशिष आर्य द्वारा लोक अदालत लगाई गई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत-सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप-रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 15 सितंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 06:14 तक
नक्षत्र : श्रवण सायं 06:50 तक
योग : अतिगंड दोपहर 03:13 तक
करण : बव प्रातः 07:33 तक
चन्द्रराशि : मकर उत्तर रात्रि 05:45 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वामन जयंती , श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अशोक चौधरी ने वीडियो दिखाकर विपक्ष पर साधा निशाना

लालू यादव के सामने गिड़गिड़ाए थे सीएम नीतीश कुमार?

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सीएम नीतीश कुमार पर दिए गए बयान और राष्ट्रीय जनता दल की ओर से जारी किए गए वीडियो के बाद से बिहार में सियासी घमासान जारी है। अब जनता दल यूनाईटेड की ओर से ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी ने तीन वीडियो जारी कर पलटवार किया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के सामने सीएम नीतीश कुमार के गिड़गिड़ाने की बात पर उन्होंने कहा कि हम लोग किसी वीडियो गेम के फेर में नहीं रहते हैं। हमारे नेता हरदम बिहार की जनता के विकास के लिए तत्पर और उनके लिए चिंतित रहते हैं, और नीतीश कुमार की सबसे बड़ी पूंजी इस प्रदेश में विकास का है। नीतीश कुमार जी की ईमानदारी नीतीश कुमार जी की सादगी और नीतीश कुमार की कार्य पद्धति पर पूरा देश अभियान करता है कि ऐसा नेता ना कभी हिंदुस्तान में पैदा हुआ है ना पैदा लेगा इसलिए हम नेता प्रतिपक्ष से कहेंगे कि आप और राजद के लोग अपनी राजनीति के लिए कीचड़ इधर मत फेंकिए क्योंकि कीचड़ में आप खुद पूरी

तरह से डूबे हुए है।

दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने भ्रमण के दौरान कहा था कि ''नीतीश कुमार जी दो-दो बार हमारे पास गिड़गिड़ाने के लिए आए थे, हमारे पास वह वीडियो है जिससे हम दिखा सकते हैं की नीतीश जी बार-बार हमारे पास आकर गिड़गिड़ा रहे थे''। इस बयान पर पलटवार करते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि, ''कल मैं पार्टी कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में गया था जहां मुझे पत्रकारों ने इस बात को लेकर प्रश्न किया तो मैं उसके जवाब में कहा था कि अगर राजद के पास ऐसा कोई भी वीडियो है तो उसे सार्वजनिक करें। इस बाद लगभग तीन-चार बजे के आसपास राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक वीडियो जारी किया और यह बताया कि अशोक चौधरी ने इस वीडियो को सार्वजनिक करने का आग्रह किया था इसलिए हमने किया''।

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि उस वीडियो को देखने से यह लगता है कि माननीय नेता माइक को दोनों हाथ से पकड़े हैं बहुत से लोग माइक को एक हाथ से पकड़ते हैं बहुत से लोग माइक को दो हाथ से पकड़ते हैं। राजद के लोगों को शायद ''आग्रह और गिड़गिड़ाना'' का अंतर नहीं पता है। शब्दकोश में दोनों के अलग-अलग मायने होते हैं। आग्रह का पर्यायवाची गिड़गिड़ाना नहीं होता है। यह दोनों अलग-अलग शब्द है लेकिन राजद की धारणा सिर्फ और सिर्फ सीएम नीतीश कुमार को नीचा दिखाना है और जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ताओं जो नीतीश जी की बात करते हैं उनके मिनेबल को गिराना है।

मंत्री ने कहा कि राजद का काम झूठी बात का प्रचार करना है क्योंकि राजद के द्वारा वीडियो गेम शुरू किया गया है तो मैं भी आपके सामने कुछ वीडियो को सार्वजनिक करता हूं। पहले वीडियो में

में लालू प्रसाद यादव ने खुद कहा है कि मुझे मुख्यमंत्री बनाने में नीतीश जी की क्या भूमिका है। दूसरे में तेजस्वी यादव हर जगह रहते हैं कि नौकरी हमने दिलाया। तेजस्वी खुद क्या कहते हैं नौकरी के बारे में? इसका जिक्र है। और, तीसरे वीडियो में स्पष्ट सुनाई दे रहा है कि कैसे लालू जी यह कह रहे हैं कि सबसे पहले नीतीश जी को हमने फोन किया था।

अशोक चौधरी ने कहा कि यह तीन वीडियो हम आज जारी कर रहे हैं जो हमारे कार्यकर्ताओं के मनोबल को ताकत देगा और दलित पिछड़ा वर्ग के वे लोग जो पिछले 18, 19 वर्षों से नीतीश जी के झंडे को मजबूती से थामे हुए हैं, उनका मनोबल ऊंचा हो किसी ने क्या कहा या नहीं कहा उससे ज्यादा महत्व हमारे लिए यह रखता है कि हमारे जो जमीनी कार्यकर्ता है उनको इन सब चीजों की जानकारी रहे।

राजद पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो प्रदेश 118 नरसंहार का बिहार था, 22000 करोड़ के बजट का बिहार था, 2-2 जेल ब्रेक वाला बिहार था, पूरी तरीके से मध्य बिहार लहूलुहान था नरसंहार में फंसा हुआ था, वैसी स्थिति वाला बिहार नीतीश कुमार को मिला था। आज जो बच्चे हमारे 18 साल के 19 साल के हैं उनको यह बात नहीं पता है कि नीतीश कुमार जी से पहले वाला बिहार कैसा था। जो बड़े-बड़े लोग आज क्लेम कर रहे हैं कि बिहार उतनी गति से आगे नहीं बढ़ा जितनी गति से बढ़ सकता था उनको पता नहीं है कि किन विषम परिस्थितियों वाला यह बिहार था जहां जातीय उन्माद अपनी चरम पर था धार्मिक उन्माद अपनी चरम पर था कोई ऐसा ईद और बकरीद नहीं होता था जहां जाती और धार्मिक उन्माद नहीं होता था और आज नीतीश कुमार के 18 साल के कार्यकाल में एक भी धार्मिक उन्माद नहीं हुआ है।

मिथिलांचल में खोई जमीन तलाशने में जुटे तेजस्वी, कहा-

हमारी सरकार बनी तो एमडीए बनाएंगे

पटना

दरभंगा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का दरभंगा में दो दिवसीय कार्यकर्ता जनसंवाद कार्यक्रम खत्म हो गया। इस दो दिनों तक 10 विधानसभा के कार्यकर्ताओं को उन्होंने दरभंगा सहित पूरे मिथिलांचल में अपना खोया हुआ अस्तित्व फिर से पाने के लिए मास्टर प्लान बनाया और कार्यकर्ताओं को वोटरों तक पहुंचकर अपनी बात बताने को कहा है। इस दौरान तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर 2025 में हमारी सरकार बनी तो मिथिलांचल डेवलोपमेन्ट ऑथोरिटी का गठन किया जाएगा। यह ऑथोरिटी केवल और केवल मिथिलांचल के विकास, बेरोजगारी ओर पलायन को रोकने की दिशा में कार्य करेगा।

बता दें कि कभी दरभंगा के 10 विधानसभा पर राजद का कब्जा हुआ करता था अब पिछले विधानसभा चुनाव में राजद हाशिए पर आकर केवल एक सीट पर सिमटकर रह गया। आखिर कहां और कौन सा कसर रह गया जिस कारण सिर्फ एक सीट पर सिमट गया और केवल दरभंगा जिले की बात नहीं है। यही हाल मधुबनी और समस्तीपुर में रहा है। राजद कार्यकर्ता और तेजस्वी यादव शायद इसी की तलाश में कार्यकर्ता जनसंवाद कार्यक्रम में कमी ढूंढने की कोशिश कर रहे है।

कार्यकर्ता जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से कहा कि बूथ स्तरीय कमेटियों में सभी वर्ग के लोगों को जगह देने की भी अपील की। नेता प्रतिपक्ष ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को आपसी तालमेल की कमी को दूर कर आगामी चुनाव में नए उत्साह के साथ तैयार रहने की बात कही। तेजस्वी यादव ने कहा कार्यकताओं से कहा कि अपने अपने इलाके में मैं नहीं, हम की भावना से काम करें। उन्होंने कहा कि मिथिला क्षेत्र पर हमारी पैनी नजर है। इस बार यहां उम्मीदवारों के चयन पर हम खुद नजर रखेंगे।

कार्यकर्ताओं से कहा कि आप लोग अब गांवों में जाकर लोगों को बताएं कि 17 महीने के कार्यकाल में हमने क्या-क्या किया। पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। इसके अलावा हमारी अन्य उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराएं। लोगों को बताएं कि नीतीश जी से शिक्षकों की बहाली के कहा जाता था तो कहते फिरते थे शिक्षकों को वेतन बाप के घर से लाकर देगा। वही नीतीश जी 17 महीने महागठबंधन की सरकार में रहे तो हमने करके दिखाया कि पांच लाख लोगों को सरकारी शिक्षक को नौकरी दे दी गई।

एनआईए ने दो कुख्यात नक्सलियों के खिलाफ आरोप पत्र किया दायर

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन के मगध जोन पुनरुद्धार मामले में सीपीआई (माओवादी) के एक प्रमुख नेता पर आरोप पत्र दायर किया है। सीपीआई (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य और उत्तर क्षेत्रीय ब्यूरो के प्रमुख प्रमोद मिश्रा उर्फ सोहन दा उर्फ बनवारी जी उर्फ बीबी जी उर्फ बाबा के करीबी सहयोगी विनोद मिश्रा उर्फ बिनोद कुमार मिश्रा को पूरक आरोप पत्र में विभिन्न धाराओं के तहत नामित किया गया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी विनोद मिश्रा पर मगध क्षेत्र में सरकार द्वारा प्रतिबंधित किए संगठन को पुनर्जीवित करने और मजबूत करने के प्रयास किया। विनोद मिश्रा ने अपने घर

पर बैठकें आयोजित की और नक्सल नेताओं और कैडरों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की। पुलिस ने 10 अगस्त, 2023 को छापेमारी कर दो शीर्ष नक्सल नेताओं की गिरफ्तारी किया था। पुलिस ने दोनों के पास से विभिन्न नक्सल साहित्य, हस्तलिखित पत्र और सात मेमोरी कार्ड जब्त किए गए थे।

इसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अक्टूबर में जांच अपने हाथ में ले लिया और प्रमोद मिश्रा सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआई ने आरोपी अनिल यादव उर्फ अंकुश और विनोद मिश्रा समेत तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद इस साल फरवरी में प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव (नक्सली समूह के उप-क्षेत्रीय समिति सदस्य) के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। वहीं लंबे समय से फरार चल रहे 20 मार्च को धनबाद से गिरफ्तार किया गया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी का कहना है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी सीपीआई (माओवादी) की देश विरोधी विचारधारा का प्रचार करने में लगे हुए थे और मगध क्षेत्र में संगठन को पुनर्जीवित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कैडर की भर्ती कर रहे थे। इतना ही नहीं यह लोग लेवी वसूलने में भी लगे हुए थे।

पितृपक्ष मेला : सभी पिंडवेदियों के पास होगा पुलिस कैंप, 42 जोन में बांटा गया मेला क्षेत्र

गया

बिहार के गया में 17 सितंबर से शुरू होने वाले पितृपक्ष मेला की तैयारीयों को जिला प्रशासन की टीम अंतिम रूप देने में जुटी है। मेले को यादगार बनाने के लिए डीम डॉ. त्यागराजन एसएम लगातार संबंधित अधिकारियों के साथ तैयारियों का समीक्षा बैठक की। बैठक में इस वर्ष पितृपक्ष मेले में तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस संबंध में डीएम बताया कि इस वर्ष 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पितृपक्ष मेला का आयोजन किया जा रहा है।

पितृपक्ष मेला में हर वर्ष तीर्थ यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए तैयारी को और

बेहतर किया जाना है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थलों पर स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा निशुल्क काउंटर लगाए जाते हैं। स्टॉल लगाने वाले लोगों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा, बिना लाइसेंस के कोई भी स्टॉल नहीं लगेगा। सड़क पर या संकीर्ण गलियों में किसी भी प्रकार का कोई स्टॉल या पंडाल नहीं लगाया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र को 42 जोन में बांटा गया है। 42 जोन में पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्त किया गया है। डीएम ने बताया कि विभिन्न वेदी स्थलों, सरोवरों के समीप एनसीसी और स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा। विष्णुपद मंदिर प्रांगण एवं संकीर्ण गलियों में विशेष रूप से पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

गया के सीनियर एसपी आशीष भारती ने बताया कि बोधगया की विभिन्न वेदी स्थल के समीप पुलिस शिविर बनाया जा रहा है। इसके अलावा सभी प्रमुख स्थान, वेदी स्थल, पार्किंग स्थलों, चेकिंग प्वाइंट, ड्रॉप गेट प्वाइंट पर सीसीटीवी लगाया जा रहा है। ताकि देश-विदेश से गयाजी आने वाले तीर्थयात्रियों को सुरक्षित रखा जा सके। इस वर्ष भी रिंग बस की सुविधा रहेगी। बाईपास से विष्णुपद आने के लिए ई-रिक्शा का प्रयोग किया जाएगा।

वहीं उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए जिला प्रशासन ने खास व्यवस्था कर रही है। मेला क्षेत्र में इस बार रौशनी की खास व्यवस्था की जा रही है। पूरा मेला क्षेत्र रौशनी से चकमक रहेगा।

पितृपक्ष मेला शुरू होने में महज कुछ ही दिन शेष बचे है। आने वाले तीर्थयात्रियों को मेला क्षेत्र में बेहतर सफाई व्यवस्था दिखे, इसके लिए जिला प्रशासन ने 61 जोन में बांट कर सफाई किया जा रहा है। प्रतिदिन सात सौ सफाईकर्मी प्रतिदिन लगाएं जाएंगे। इससे पूर्व सभी सफाईकर्मियों की स्वास्थ्य जांच किया गया।

यौन शोषण और धोखाधड़ी का आरोपी दारोगा गिरफ्तार

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के हाजीपुर महिला थाना पुलिस ने शादी करने का प्रलोभन देकर यौन शोषण करने और धोखाधड़ी से पैसा ठगने वाले शिवहर के एक दारोगा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दारोगा का नाम राहुल कुमार है, जो सीवान जिले के सोनबरसा थानाक्षेत्र के जीबी नगर का निवासी है। आरोपी राहुल पूर्व में मुजफ्फरपुर जिले के राजेपुर थाने में थाना अध्यक्ष रह चुका है। महिला थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई कर राहुल कुमार को पटना से गिरफ्तार किया। दरअसल, यह मामला 2023 का है, जब महिला दारोगा की नियुक्ति सरैया थाना में हुई थी और आरोपी दारोगा राहुल का पदस्थापन बरूराज थाना में हुआ था। दोनों के बीच जान-पहचान हुई और राहुल ने महिला दारोगा से शादी करने की बात की।महिला दारोगा ने राहुल के प्रस्ताव का विरोध किया और बताया कि उसकी शादी कहीं और तय हो रही है। इसके बावजूद, राहुल ने लगातार मोबाइल पर संपर्क बनाए रखा और धमकाया कि अगर उसकी शादी कहीं और हुई तो वह उसे रुकवा देगा। अंततः महिला दारोगा ने राहुल के दबाव में आकर शादी की बात मान ली।

हत्या के चार आरोपियों को उम्रकैद 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड

कोसी (एजेंसियां)।

सिंहेश्वर थानाक्षेत्र के भवानीपुर गांव में मछली के विवाद को लेकर 2020 में हत्या की गई थी। इस मामले में कोर्ट ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा प्रत्येक दोषी पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड की राशि का भुगतान न करने पर दोषियों को एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष के अपर लोक अभियोजक रामनंदन प्रसाद यादव ने बताया कि 17 मई 2020 को राजेंद्र गोस्वामी, जो दिनभर मेहनत-मजदूरी कर शाम को मछली पकड़कर लाते थे, अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान भवानीपुर के निवासी प्रदीप साह, संदीप साह, शत्रुघ्न साह और दिलीप साह ने उनसे मछली मांगी। मछली देने से इनकार करने पर आरोपियों ने राजेंद्र को चोर कहकर पकड़ लिया और पिलर से बांधकर उसकी पिटाई शुरू कर दी।

इस दौरान राजेंद्र की चीख-पुकार सुनकर उसकी पत्नी गुड़िया देवी और उसका भाई बचाने पहुंचे। लेकिन आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर भगा दिया। इसके बाद चारों ने मिलकर राजेंद्र गोस्वामी की हत्या कर दी। इस घटना के बाद गुड़िया देवी ने सिंहेश्वर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके आधार पर मामले की जांच की गई।

अब कोर्ट ने मामले की पूरी सुनवाई के बाद चारों आरोपियों को दोषी करार दिया और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। अर्थदंड की राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा मृतक की पत्नी या उनके आश्रितों को देने का आदेश भी कोर्ट ने दिया है। अगर दोषी अर्थदंड का भुगतान नहीं करते हैं तो उन्हें एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

जमुई में कर्मा पूजा के समय तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

जमुई (एजेंसियां)।

जमुई जिले के बरहट प्रखंड के काला पत्थर गांव में शनिवार को कर्मा पर्व के दौरान एक हृदयविदारक घटना घटित हुई। यहां कर्मा पूजा के लिए फूल तोड़ने गईं दो सगी बहनें तालाब में डूब गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना से पूरा गांव मातम में डूब गया।

जानकारी के अनुसार, काला पत्थर गांव की 16 वर्षीय चंचल कुमारी और 10 वर्षीय सिमरन भारती अन्य बच्चियों के साथ सुबह-सुबह फूल तोड़ने के लिए पास के तालाब पर गईं। इसी दौरान चंचल कुमारी का पैर फिसल गया और वह तालाब के गहरे पानी में गिर गई। अपनी बहन को बचाने की कोशिश में सिमरन भी पानी में कूद गई। लेकिन दोनों बहनों की जान नहीं बचाई जा सकी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जैसे ही गांव वासियों को दोनों

बहनों के पानी में डूबने की खबर मिली, वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। कुछ स्थानीय युवकों ने तालाब में छलांग लगाकर दोनों बहनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान चंचल कुमारी और सिमरन भारती के रूप में की गई है। चंचल कुमारी कक्षा 10 की छात्रा थी, जबकि सिमरन भारती कक्षा पांच की छात्रा थी। दोनों सगी बहनें अपने परिवार की आशा और भविष्य थीं। इस दुखद घटना से उनके परिवार और गांव में शोक की लहर फैल गई है।

वहीं, घटना की सूचना पाकर बरहट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। बरहट थानाध्यक्ष ने पुष्टि की कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और कोई दोषी होगा तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने कर्मा पर्व की खुशी को मातम में बदल दिया और पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com